रांची, रविवार
08-11-2026
वर्ष : 01, अंक : 175
पृष्ट : 12
मूल्य 04 रू, मात्र
रांची से प्रकाशित

रफ़्तार मीडिया

RANCHI , चैत्र कृष्ण पक्ष-12 ₹04 RNI NO. - JHHIN/26/A3481 www.raftaarmedia.com



राहुल बोले-ई20 बना 420, पब्लिक की कार से पेट्रोल चोरी

20% की जगह 31.2%एथेनॉल मिला; कंपनियों ने कहा- जांच नियमों के मुताबिक नहीं

□ एजेंसी नई दिल्ली

पेट्रोल में तय सीमा से ज्यादा एथेनॉल मिलने के आरोप पर राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने एक्स पर लिखा- 'ई20 अब 420 बन गया है, जनता की गाड़ी से पेट्रोल चोरी हो रहा है।'



राहुल के मुताबिक, कर्नाटक सरकार ने 7 जिलों से पेट्रोल के 14 सैंपल लेकर मान्यता प्राप्त लैब में जांच कराई। इनमें 11 सैंपल में एथेनॉल की मात्रा 20% से ज्यादा मिली। इंडियन ऑयल के एक सैंपल में यह 31.2% और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के सैंपल में 30.5% थी।

हालांकि, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने जांच के नतीजों पर सवाल उठाए हैं। कंपनियों का कहना है कि सैंपल की जांच तय कानूनी और तकनीकी मानकों के मुताबिक नहीं हुई।

राहुल बोले- कस्टमर के पास कोई विकल्प नहीं

ज्यादा एथेनॉल वाला पेट्रोल इस्तेमाल करने से गाड़ियों का माइलेज घट सकता है और मरम्मत का खर्च बढ़ सकता है। आम लोग महंगे पेट्रोल के पैसे दे रहे हैं, लेकिन उनकी गाड़ियां इतनी ज्यादा एथेनॉल वाले पेट्रोल के लिए नहीं बनी हैं। इससे गाड़ियों को नुकसान हो सकता है और बार-बार मैकेनिक के पास जाना पड़ सकता है। ग्राहकों को यह नहीं बताया जा रहा कि उनकी गाड़ी में कितना एथेनॉल मिला पेट्रोल डाला जा रहा है। ऐसे में उनके पास कोई विकल्प भी नहीं है। देशभर में बिक रहे पेट्रोल में वास्तव में कितनी मात्रा में एथेनॉल मिलाया जा रहा है। उन्होंने तय सीमा से ज्यादा एथेनॉल मिलाने वाली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

तीन तेल कंपनियों ने जांच प्रक्रिया पर उठाए सवाल

कर्नाटक सरकार के विभाग ने दावा किया था कि राज्य के कुछ पेट्रोल पंपों पर बिक रहे पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा 26% से 31% के बीच थी। इस पर इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने कहा कि कर्नाटक समेत देशभर में सप्लाई किया जा रहा ई20 पेट्रोल भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के तय मानक आईएस 17021 के मुताबिक है। यह मानक एथेनॉल मिले पेट्रोल के लिए तय किया गया है। कंपनियों ने अक्टूबर में लिए गए सैंपल की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 2005 के सरकारी आदेश और 2024 की मार्केटिंग डिसिप्लिन गाइडलाइंस में सैंपल लेने, उन्हें सुरक्षित रखने, जांच कराने और रिपोर्ट देने के नियम तय हैं।

किस कंपनी के पेट्रोल में कितना एथेनॉल मिला?

लैब जांच में सामने आया कि सभी बड़ी तेल कंपनियों के पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा 20 की लिमिट से काफी ज्यादा थी। बेंगलुरु अर्बन सहित 7 जिलों के सैंपलों में आईओसीएल के पेट्रोल में सबसे ज्यादा 31.2 तक एथेनॉल मिला। इसके अन्य सैंपल में 20.8 एथेनॉल पाया गया। वहीं, ॥क्ष्टरुके पावर पेट्रोल में 30.5 और नॉर्मल पेट्रोल में 27 एथेनॉल पाया गया। बीपीसीएल के स्पीड पेट्रोल में 26.5 और अन्य सैंपल में 24.2 और 22.6 एथेनॉल मिला। इसके अलावा, नायरा के पेट्रोल में 26.1 , शेल के पेट्रोल में 25.5 और एमआरपीएल के पेट्रोल में 19.2 तक एथेनॉल दर्ज किया गया।



दिल्ली में एक्यूआई 380, 5वीं तक स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई

ठंड बढ़ी, तापमान 12°C; राजस्थान के अलवर में कोहरा, अजमेर में बादल छाए

□ एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली में वायु प्रदूषण बड़ता हा रहा है। शनिवार को इंडिया गेट के आसपास एक्यूआई 380 दर्ज किया गया। हवा की क्वालिटी खराब होने के चलते दिल्ली-एनसीआर में 3 लागू कर दिया गया है। पांचवी कक्षा तक के स्कूलों में 'हाइब्रिड मोड' (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों) में पढ़ाई कराई जाएगी।

मध्य प्रदेश में दिवाली के साथ ठंड ने भी दस्तक दे दी है। शुक्रवार रात इंदौर में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। शहडोल व दमोह में तापमान 12.2 डिग्री और भोपाल-पचमड़ी में 12.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। अगले 4 दिन में तापमान में 1 से 2 डिग्री की और गिरावट आएगी। दिल्ली की तरह राजस्थान में भी हवा की क्वालिटी खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। शनिवार सुबह भिवाड़ी (खैरथल-तिजारा) में एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 से ऊपर दर्ज किया गया।

सैटेलाइट मैप में देखें बादलों की स्थिति

हिमाचल- 10 नवंबर से बदलेगा मौसम, 11 और 12 को बारिश-बर्फबारी के आसार; 2 से 3°C तक गिरेगा तापमान हिमाचल प्रदेश में अगले तीन दिन मौसम साफ रहने के बाद 10 नवंबर से मौसम बदलेगा मौसम विभाग के अनुसार 10 नवंबर को प्रदेश के अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार.....

सोनिया ने बताया, 2004 में क्यों ठुकराया था पीएम पद

नई दिल्ली। 2004 में प्रधानमंत्री पद ठुकराने का फैसला सोनिया गांधी की जिंदगी के सबसे चर्चित राजनीतिक फैसलों में से एक रहा है। अपनी



किताब 'बिलॉनिंगिंग-ए जर्नी ऑफ लव' में उन्होंने बताया है कि राहुल और प्रियंका भी नहीं चाहते थे कि वे प्रधानमंत्री बनें। 10 नवंबर को लॉन्च होने वाली इस किताब पर 'द हिंदू' को दिए इंटरव्यू में सोनिया ने इस फैसले से लेकर राजीव गांधी के साथ अपने रिश्ते, इमरजेंसी, कांग्रेस के भविष्य और देश की मौजूदा राजनीति पर बात की। उन्होंने कहा कि भारत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सोच अलग है। सोनिया ने पिछले 12 साल में देश के लोकतंत्र और संस्थाओं को हुए नुकसान पर भी चिंता जताई। साथ ही कहा, 'राजीव से मुलाकात के 60 साल बाद भी मैं वही इंसान हूं, बस अब पहले जितना हंसती नहीं।' आपने एक्स पर लिखा- 'दूसरे लोग दशकों से मेरी कहानी बताते रहे हैं, अब मेरी बारी है।'एआई की मदद से पता चला कि आपके जीवन पर कम से कम 75 किताबें लिखी जा चुकी हैं। क्या आपने इनमें से कुछ पढ़ी हैं या कभी जानने की कोशिश की कि दूसरे लोग आपकी कहानी को किस तरह देखते हैं।

वायुसेना का गजराज 13 हजार फीट की ऊंचाई पर उतरा

लद्दाख। भारतीय वायुसेना ने शनिवार को अपने भारी मालवाहक विमान IL-76MD की लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर लैंडिंग करवाई।



यह लैंडिंग 13,629 फीट की ऊंचाई पर हुई, जो दुनिया का सबसे ऊंचा एयरबेस है। आईएएफ के मुताबिक, इस विमान की दुनिया के सबसे ऊंचे एयरबेस पर लैंडिंग हुई। न्योमा को मुध-न्योमा भी कहते हैं। यह पूर्वी लद्दाख में है और चीन बॉर्डर से सिर्फ 23 किमी दूर है। नवंबर 2025 में न्योमा को अपग्रेड करके नया एयरबेस बनाया गया था। तब तत्कालीन एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ष्ट-130ह्व से उतरकर इसका उद्घाटन किया था। आईएएफ के मुताबिक यह दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड है। मतलब साफ है - अब भारत, चीन बॉर्डर के बिल्कुल पास भारी हथियार, गाड़ियां और बड़ी संख्या में सैनिक बहुत तेजी से पहुंचा सकता है। हालांकि, न्योमा पर पहले भी लैंडिंग हुई है। 20 अगस्त 2013 को सी-130जे ने वहां 16,614 फीट पर लैंड किया था, वो उस विमान का रिकॉर्ड था।

सूचना



रफ्तार मीडिया हिंदी दैनिक के सभी पाठकों को प्रकाश पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। दीपावली को लेकर 8 अक्टूबर को अख़बार का प्रकाशन बंद रहेगा। अखबार का अगला अंक 10 अक्टूबर को मिल पाएगा।

प्रबंधक

सुप्रीम कोर्ट बोला- जंतर-मंतर हिंसा मामले में कम शिकायतें मिलीं

प्रदर्शनकारियों और पुलिस पर हमले के पर्याप्त सबूत नहीं, जांच कमेटी किसी नतीजे तक नहीं पहुंची

□ एजेंसी नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान हिंसा और पुलिस की ज्यादती की जांच कर रही कमेटी को अब तक बहुत कम शिकायतें मिली हैं। पर्याप्त सामग्री नहीं होने के कारण कमेटी फिलहाल किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी।

पूर्व जज जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता वाली हाई पावर्ड इन्क्वायरी कमेटी ने कोर्ट को बताया कि शिकायतों के लिए पोर्टल और ईमेल की व्यवस्था करने के बावजूद लोगों ने बहुत कम शिकायतें दर्ज कराईं। 29 अक्टूबर को कमेटी की बैठक में सिर्फ एक शिकायतकर्ता हलफनामे के साथ पहुंचा था।

कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को



पीड़ितों की ओर से दाखिल वीडियो, याचिकाएं और हलफनामे कमेटी को भेजने की अनुमति दी। साथ ही निर्देश दिया कि कमेटी संबंधित पक्षों से जवाब लेकर नियमित अंतराल पर अंतरिम रिपोर्ट पेश करे।

149 अखबारों में नोटिस, 21 अक्टूबर को दोबारा शिकायतें मांगीं

कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, 13 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराने के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया गया था। इस पर शिकायतकर्ता को नाम, आधार नंबर या दूसरी पहचान संबंधी जानकारी देना जरूरी नहीं है। पोर्टल तक पहुंच सिर्फ कमेटी के चेयरमैन और संबंधित लोगों की है।

कमेटी ने देशभर के 149 अखबारों में सार्वजनिक नोटिस प्रकाशित कर शिकायतें आमंत्रित की थीं। ईमेल, डाक और कार्यालय में सीधे शिकायत देने की सुविधा भी रखी गई थी। 17 अक्टूबर को प्रेस रिलीज जारी की गई और 21 अक्टूबर को दोबारा शिकायतें मांगी गईं।

शाह बोले-राहुल अराजकता फैला रहे, चौराहे पर डिबेट का न्योता

अंबाला में 600 करोड़ के म्यूजियम का लोकार्पण किया, कहा- हरियाणा नंबर वन



□ एजेंसी अंबाला

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अंबाला में 600 करोड़ रुपए की लागत से बने 1857 की क्रांति के शहीद स्मारक का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने गांधी मैदान में रैली को संबोधित किया। अंबाला की रैली में उनका पूरा फोकस हरियाणा की विकास योजनाओं के बारे में रहा। यहां उन्होंने सीएम सैनी की तारीफ करते हुए कहा- हरियाणा की सरकार अपने सारे वादे पूरे कर रही है। अपने भाषण में उन्होंने कई बार मेरा हरियाणा कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा, 24 फसलें खरीदने वाला देश का पहला राज्य हरियाणा है। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलाने वाला भी हरियाणा। उन्होंने म्यूजियम को लेकर मंत्री अनिल विज की भी तारीफ करते हुए कहा- इन्हें लोग सालों-साल याद रखेंगे। वहीं, सीएम ने अपने संबोधन में शाह को लौहपुरुष कहा। इससे पहले करनाल में हुई पदयात्रा में अमित शाह का फोकस राहुल गांधी और विपक्ष पर रहा। यहां उन्होंने कहा कि देश की जनता ने लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री चुना। 2024 के बाद राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। शाह ने कहा, ÷राहुल जी, आप संसद चलने नहीं देते। मुद्दों पर चर्चा नहीं करते। संसद में शोर-शराबे को कांग्रेस ने अपना कल्चर बना दिया है। सड़क पर भीड़ इकट्ठा करके अनार्किस्ट (अराजकतावादी) की तरह अराजकता फैलानी है।÷

दिल्ली में 3 मंजिला निर्माणाधीन बिल्डिंग गिरी, 2 की मौत

4 घायल, कई लोगों के दबे होने की आशंका; इस साल शहर का छठा बड़ा हादसा

□ एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में गुरुवार सुबह तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढह गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, करीब 15 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

अधिकारियों के मुताबिक, घटना सुबह 9:50 बजे चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली सत्तारा में हुई। सूचना मिलने के बाद दमकल की 6 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। एनडीआरएफ दिल्ली पुलिस और

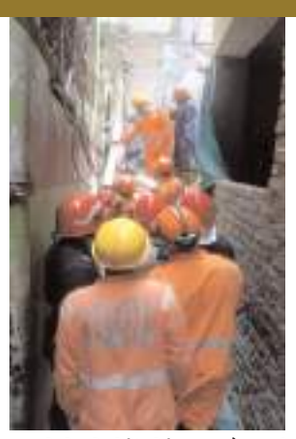

एमसीडी की टीमें भी रेस्क्यू और सर्च ऑपरेशन में जुटी हैं।

एमसीडी ने मामले में दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। इनमें असिस्टेंट इंजीनियर (बिल्डिंग) मोहम्मद नईम और जूनियर इंजीनियर (बिल्डिंग) अमन दलाल शामिल हैं। दिल्ली में इस साल इमारत गिरने का यह छठा बड़ा मामला है। इससे पहले 5 हादसों में 21 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें सत्य निकेतन और सीमापुरी हादसे शामिल हैं। जान गंवाने वालों में कई छात्र भी थे।

छत का सपोर्ट सिस्टम हटाते समय गिरी इमारत

एमसीडी के एक अधिकारी के मुताबिक, इमारत का निर्माण चल रहा था, लेकिन करीब 15 दिन पहले काम रोक दिया गया था। हादसे के समय मजदूर छत के नीचे लगे सपोर्ट सिस्टम को हटा रहे थे। इसी दौरान पूरी इमारत ढह गई।अधिकारी ने बताया कि निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री इंजीनियरिंग मानकों के मुताबिक तैयार नहीं थी और ठीक से सेट भी नहीं हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक, इसी वजह से इमारत गिरी।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- 3-4 महीने से बन रही थी बिल्डिंग

प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद नईम ने बताया कि इमारत पिछले 3-4 महीने से बन रही थी। तीन-चार लिंटर डाले जा चुके थे और वे सभी एक साथ गिर गए। घटना के समय करीब तीन-चार लोग मौजूद थे। एक शव को मलबे से बाहर निकालते हुए देखा गया है।

पीएम मोदी ने देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं



a□ एजेंसी नई दिल्ली

पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर रील शेयर करके दीपावली की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने बताया है कि हर साल की तरह इस साल भी वे दिवाली सेना के जवानों के बीच मनाएंगे। हालांकि किधर, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी। 2025 में पीएम मोदी ने गोवा में आईएनएस विक्रांत पर नौसैनिकों के बीच दिवाली मनाई थी। यहां उन्होंने करीब 40 मिनट की स्पीच दी थी। नमस्ते, दीपावली का पावन पर्व, पूरा देश रोशनी से जगमगा रहा है। प्रकाश का यह पर्व अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का परिचय है। आप सबको दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, आपका ये पर्व आपका आगे का समय सब कुछ सुख-शांति और समृद्धि से भरा रहे।मैं भी आपकी तरह बे? उत्साह से दीपावली मनाता हूं। और हर साल आप जानते हैं देश के वीर जवानों के बीच जाना मेरा नित्य म है। इस बार भी जारी रहेगा। आप सबको दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।



सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची में दीपावली महोत्सव की धूम : संस्कृति, सृजनात्मकता, परंपरा और सेवा-भावना का भव्य संगम

रफ्तार मीडिया संवाददाता



रांची/नामकुम : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में दीपावली के पावन पर्व को अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एक सप्ताह तक विविध रचनात्मक, ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत, पारंपरिक कलाओं और सामाजिक मूल्यों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराने के साथ-साथ उनकी सृजनात्मक प्रतिभा को निखारना, पारंपरिक त्योहारों के महत्व से अवगत कराना तथा उनमें सहयोग, करुणा, उदारता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था।उत्सव का उल्लास विभिन्न रंगारंग एवं नवाचारी कलात्मक गतिविधियों के माध्यम से साकार हुआ। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भूमि पर रंगोली निर्माण गतिविधि में भाग लिया। परंपरा और आधुनिक तकनीक के अनूठे समन्वय को दर्शाते हुए उन्होंने टेक रंगोली के माध्यम से कला का अभिनव स्वरूप प्रस्तुत किया। उनकी कलाकृतियों में यह सुंदर संदेश अभिव्यक्त हुआ कि तकनीकी प्रगति और रचनात्मक चिंतन किस प्रकार पारंपरिक कला विधाओं को नवीन आयाम प्रदान कर सकते हैं। उत्सव के अंतर्गत टेराकोटा पेंटिंग, पॉट पेंटिंग, लालटेन निर्माण, लिप्पन कला तथा दीप निर्माण जैसी अनेक रोचक एवं हस्तकला-आधारित गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने रंगों, बनावटों, आकृतियों और सजावटी तत्वों के साथ अपनी कल्पनाशीलता का परिचय देते हुए आकर्षक हस्तनिर्मित कलाकृतियाँ तैयार कीं।

इन गतिविधियों ने उन्हें पारंपरिक शिल्पकलाओं के महत्व से परिचित कराने के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल उत्सव मनाने के लिए भी प्रेरित किया। पुष्प सज्जा गतिविधि में विद्यार्थियों ने फूलों की प्राकृतिक सुंदरता को अपनी कलात्मक अभिरुचि के साथ जोड़ते हुए मनमोहक सजावट प्रस्तुत की। रंगों, बनावटों और विभिन्न पुष्पों के सुंदर संयोजन से तैयार की गई उनकी आकर्षक प्रस्तुतियों में सौंदर्यबोध, रचनात्मकता तथा प्रकृति के प्रति प्रेम की झलक दिखाई दी।उत्सव की रौनक पाक-कला के क्षेत्र में भी देखने को मिली। फायरलेस कुकिंग गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों ने बिना आग का उपयोग किए स्वादिष्ट एवं आकर्षक व्यंजन तैयार किए। इस गतिविधि ने उनमें रचनात्मकता, सामूहिक कार्य, स्वच्छता के प्रति जागरूकता तथा पौष्टिक भोजन के चयन की समझ विकसित की। विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों अर्थात पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों ने मानव आकृतियों के माध्यम से एक मनमोहक प्रस्तुति देकर समारोह में विशेष आकर्षण जोड़ दिया।अत्यंत उत्साह और आपसी समन्वय के साथ बच्चों ने स्वयं को दीपक की सुंदर आकृति में व्यवस्थित किया।आशा, समृद्धि और शुभारंभ के प्रतीक इन मनमोहक आकृतियों ने दीपावली के उल्लास को सजीव कर दिया। इस प्रस्तुति के माध्यम से एकता, सहयोग और सामूहिकता का सुंदर संदेश भी अभिव्यक्त हुआ। विद्यार्थियों को दीपावली एवं छठ पर्व के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व से परिचित कराने के उद्देश्य से विशेष जानकारीपरक वीडियो प्रदर्शित किए गए। इनमें दोनों पर्वों से जुड़ी परंपराओं, रीति-रिवाजों, पौराणिक कथाओं तथा जीवन-मूल्यों को रोचक एवं ज्ञानवर्धक ढंग से प्रस्तुत किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित विशेष दीपावली समारोह ने उत्सव के उल्लास को और भी जीवंत बना दिया। इस अवसर पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों, मधुर गीतों तथा रोचक नाट्य प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से दीपावली से जुड़ी कथाओं, परंपराओं और जीवन-मूल्यों को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों ने अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई तथा अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रेरणादायी संदेश दिया। दीपावली के वास्तविक भाव को आत्मसात करते हुए सरला बिरला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर से बाहर भी खुशियों का प्रकाश फैलाने की सराहनीय पहल की। उन्होंने राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, आरा एवं महिलॉग, राँची के विद्यार्थियों के साथ दीपावली की खुशियाँ साझा कीं। इस अवसर पर बच्चों को पुस्तकें, कॉपियाँ, पेंसिल बॉक्स तथा अन्य आवश्यक लेखन-सामग्री वितरित की गई। इस पहल ने इस विचार को सार्थक रूप प्रदान किया कि त्योहारों की वास्तविक खुशी केवल उत्सव मनाने में नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में प्रसन्नता बाँटने, उनकी आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील रहने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में निहित है। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को सहानुभूति, कृतज्ञता, उदारता तथा सामुदायिक सहभागिता जैसे जीवनोपयोगी मूल्यों को व्यवहार में उतारने का अवसर मिला। उत्सव के वातावरण को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए विद्यार्थियों ने दीपावली की विषयवस्तु पर आधारित विद्यालय के डिस्प्ले बोर्डों को भी रचनात्मक ढंग से सजाया। रंग-बिरंगे चित्रों, पारंपरिक प्रतीकों, ज्ञानवर्धक संदेशों तथा कलात्मक प्रस्तुतियों से सुसज्जित इन बोर्डों में भारतीय संस्कृति की समृद्धि और त्योहारों के आध्यात्मिक महत्व की सुंदर झलक दिखाई दी। ये सुसज्जित बोर्ड भारतीय परंपराओं की विविधता और उनसे जुड़े जीवन-मूल्यों के प्रेरणादायी प्रतीक बने। प्राचार्या मनीषा शर्मा ने विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता तथा इस आयोजन को सार्थक एवं यादगार बनाने में शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि त्योहार केवल हर्षोल्लास और मनोरंजन के अवसर नहीं होते, बल्कि ये हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने, मानवीय संबंधों को सुदृढ़ करने तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति सजगता, संवेदनशीलता और करुणा के साथ त्योहार मनाने तथा अपनी सांस्कृतिक पहचान को परिभाषित करने वाली परंपराओं एवं जीवन-मूल्यों को संरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया। इन विविध गतिविधियों के माध्यम से सरला बिरला पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर समग्र शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया। इस आयोजन में सांस्कृतिक जागरूकता, सृजनात्मकता, अनुभवात्मक अधिगम, सामाजिक संवेदनशीलता तथा मूल्यपरक शिक्षा का सुंदर समन्वय देखने को मिला। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में त्योहार केवल मनाए नहीं जाते, बल्कि उन्हें अनुभव किया जाता है, समझा जाता है और जीवन के अनमोल पाठ के रूप में आत्मसात किया जाता है।

समाचार सार

दीपावली की खुशियां बांटने प्रेस क्लब पहुंचे सांसद , पत्रकारों से किया आत्मीय संवाद



हजारीबाग : दीपावली के अवसर पर हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग प्रेस क्लब पहुंचकर पत्रकारों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस दौरान उन्होंने प्रेस क्लब के सदस्यों से मुलाकात कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं और आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ पर्व मनाने का संदेश दिया। पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान सांसद ने धनतेरस पर देशभर के बाजारों में उमड़ी भीड़ और खरीदारी के उत्साह का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश के छोटे-बड़े शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक धनतेरस की रौनक देखने को मिली। आम लोगों ने अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार घरेलू जरूरतों की वस्तुओं से लेकर सोने-चांदी तक की खरीदारी की। उन्होंने कहा कि धनतेरस पर झाड़ू जैसी सामान्य उपयोग की वस्तु से लेकर कीमती धातुओं तक की खरीदारी यह दशार्ती है कि समाज के हर वर्ग के लोग अपनी क्षमता के अनुरूप बाजार में भागीदारी कर रहे हैं। बाजारों में दिखी चहल-पहल और लोगों का उत्साह देश में आर्थिक गतिविधियों की सक्रियता का संकेत है। प्रेस क्लब में आयोजित इस मुलाकात के दौरान दीपावली की खुशियां साझा करने के साथ पत्रकारों और सांसद के बीच आत्मीय संवाद भी हुआ।

भाजपाइयों ने मुख्यमंत्री का फुंका पुतला



गांडेय(रफ्तार मीडिया संवाददाता): गांडेय प्रखंड में शनिवार की शाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकताओं ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष यदुनंदन पाठक के नेतृत्व में आयोजित किया गया। विरोध कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ता पाठक मार्केट के समीप एकत्रित हुए और वहां से पुराना अस्पताल मोड़ तक आक्रोश मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी हेमंत सोरेन मुदार्बाद और निशा भगत को इंसाफ दो जैसे नारे लगा रहे थे। अस्पताल मोड़ पर पहुंचकर कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला फूंका। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष यदुनंदन पाठक ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि निशा भगत झारखंड की एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता थीं। झामुमो के नेताओं द्वारा उनका संबंध भाजपा और आरएसएस से जोड़ते हुए उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। व्यवस्था और झामुमो नेताओं की प्रताड़ना से तंग आकर निशा भगत ने आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाया। पाठक ने आरोप लगाते हुए कहा कि निशा भगत को आत्महत्या के लिए सीधे तौर पर राज्य सरकार ने विवश किया है। इस विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से भरत लाल शर्मा, एंथोनी स्वामी, अभिषेक पाठक सहित कई अन्य भाजपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीएवी चैतन्य स्कूल में रंगोली सजाकर मनाई गई दीपावली, नन्हे-मुन्ने बच्चों ने दिखाई प्रतिभा



ओरमांझी(रफ्तार मीडिया संवाददाता)। मुन्ना पतरा, चकला स्थित ऊअश चैतन्य स्कूल में शनिवार को दीपावली के पावन अवसर पर हर्षोल्लास के साथ दीपावली उत्सव मनाया गया। इस दौरान विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने आकर्षक रंगोली बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और बजरंगबली के दिव्य स्वरूपों को सुंदर ढंग से प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय की सचिव सह प्राचार्या पूनम दुबे ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि हमारे स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण और बजरंगबली के दिव्य पात्रों को बहुत ही सुंदर एवं आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति सचमुच मनमोहक और अद्भुत रही। बच्चों की प्रतिभा, उत्साह और समर्पण देखकर काफी प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का त्योहार नहीं, बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों से बच्चों में भारतीय संस्कृति, परंपरा, धार्मिक एवं नैतिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यालय परिसर रंग-बिरंगी रंगोलियों और दीपावली की खुशियों से जगमगा उठा।

आरटीसी पब्लिक स्कूल अनगड़ा में दीपावली प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा



अनगड़ा : आरटीसी पब्लिक स्कूल अनगड़ा में दीपावली के अवसर पर शनिवार को विद्यार्थियों के बीच विभिन्न रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।इसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कला, कल्पनाशीलता और रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के तहत दीप निर्माण एवं सजावट, चित्रकला एवं रंग भरो, पर्यावरण अनुकूल रंगोली तथा रंगोली पोस्टर निर्माण जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने आकर्षक रंगोलियां बनाकर और सुंदर दीप सजाकर विद्यालय परिसर को उत्सवी रंगों से सराबोर कर दिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रिद्धि कुमारी, अनुष्का महतो, सिद्धि महतो और छाया कुमारी ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर जीवा महतो, अंकिता कुमारी, प्रिंस महतो और आयुष उरांव रहे। वहीं तृतीय स्थान अर्पित गाड़ी, तेजस्वी महतो, श्रुतिका यादव और कशिश महतो ने हासिल किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र नाथ महतो ने सभी प्रतिभागियों एवं विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने और आत्मविश्वास बढ़ाने के अवसर भी मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि दीपावली जैसे पर्व के माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपरा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी विद्यालय का उद्देश्य है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, कलात्मक कौशल, आत्मविश्वास और आपसी सहयोग की भावना विकसित करना था।

भ्रष्टाचार मुक्त समाज के संकल्प के साथ पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय चित्तरंजन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह संपन्न

रफ्तार मीडिया संवाददाता



मिहिजाम : चित्तरंजन रेल नगरी स्थित पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय में 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को ईमानदारी, पारदर्शिता, नैतिक मूल्यों और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण के प्रति जागरूक करना था। इस साप्ताहिक आयोजन के दौरान विद्यालय में सतर्कता जागरूकता की शपथ दिलाई गई तथा विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा, कर्तव्यनिष्ठा और सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के महत्व से अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त, सतर्कता जागरूकता विभाग चिरेका द्वारा हिंदी और अंग्रेजी में भाषण प्रतियोगिता के साथ-साथ विद्यालय स्तर पर निबंध, पोस्टर निर्माण, नारा लेखन और ड्राइंग जैसी विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि ईमानदारी और पारदर्शिता किसी भी स्वस्थ एवं विकसित राष्ट्र की आधारशिला हैं तथा विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में सत्यनिष्ठा, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस साप्ताहिक गतिविधि के समापन समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को सुगिंद सुरेंद्रन एसडीजीएम, प्रमुख सतर्कता अधिकारी, चिरेका, विद्यालय प्राचार्य टेक धारनी एवं प्रधानाध्यापक धर्मेन्द्र कुमार द्वारा नगद पुरस्कार, प्रमाणपत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, जिसमें विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

रंगोली केवल कला नहीं, सामाजिक बदलाव का माध्यम : राधा चरण सिंह



रफ्तार मीडिया संवाददाता

ओरमांझी : नेवरी विकास स्थित 'विकास ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस' में आयोजित भव्य रंगोली प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा के साथ-साथ समाज को झकझोरने वाले ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। संस्थान के पैरामेडिकल एवं नर्सिंग विभाग के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई रंगोलियों में दीपावली और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ हरियाणा की 19 वर्षीय प्ले स्कूल शिक्षिका मनीषा के हत्याकांड का मुद्दा मुख्य केंद्र रहा। छात्राओं ने JUSTICE FOR MANISHA संदेश उकेर कर समाज में महिला सुरक्षा और न्याय की पुरजोर मांग की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक श्री राधा चरण सिंह ने मनीषा हत्याकांड पर गहरी चिंता व्यक्त की और पीड़िता को त्वरित न्याय दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रंगोली केवल कलात्मक प्रदर्शन का जरिया नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, रचनात्मकता और सामाजिक चेतना को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। ऐसी रचनात्मक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. ए.पी. सिंह एवं उप-प्राचार्य एस.के. तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही राम लखन मेहता, डॉ. एस.पी. सिंह, मोहम्मद इरशाद अंसारी, नाजिश अंसारी, असलम जावेद, पूजा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, अनुपा खलखो, दिव्या कुमारी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने छात्र-छात्राओं के सामाजिक सरोकार और रचनात्मक पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

गोविंदपुर-साहेबगंज हाईवे बना अवैध कोयला तस्करी का सेफ कॉरिडोर

प्रशासन और टास्क फोर्स की कार्यशैली पर उठे गंभीर सवाल

रफ्तार मीडिया संवाददाता



जामताड़ा : जामताड़ा जिले के गोविंदपुर-साहेबगंज हाईवे पर नारायणपुर और मिहिजाम थाना क्षेत्र अवैध कोयला परिवहन के लिए एक सुरक्षित गलियारा (सेफ कॉरिडोर) बन चुके हैं। रात के अंधेरे में दर्जनों कोयला लदे ट्रक बिना किसी रोक-टोक के धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं, जबकि संबंधित थाने और प्रशासनिक विभाग पूरी तरह मौन साधे हुए हैं। रोज शाम करीब आठ बजे नारायणपुर थाना क्षेत्र के पांडेयडीह के पास एक प्रशासनिक अधिकारी ने कार्रवाई करते हुए अवैध कोयला लदे एक ट्रक को पकड़ा। चालक मदन गोप के मुताबिक, अधिकारी ने वाहन रोककर कागजात और ड्राइविंग लाइसेंस अपने कब्जे में ले लिए और ट्रक को एक पेट्रोल पंप संचालक की सुपुर्दगी में दे दिया। इस कार्रवाई के बाद से क्षेत्र में खनिज परिवहन के इस अवैध कारोबार को लेकर चचाओं का बाजार गर्म हो गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि रात नौ बजे के बाद इस हाईवे पर कोयला ढोने वाले वाहनों की आवाजाही अचानक काफी बढ़ जाती है। साथ ही, रेत (बालू) के परिवहन में फजीवाड़े के आरोप भी लग रहे हैं। चर्चा है कि धनबाद से पश्चिम बंगाल भेजे जाने वाले इन वाहनों में बिहार के नालंदा और अन्य जिलों के पुराने या फर्जी चालान दिखाए जा रहे हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। सूत्रों के अनुसार, धनबाद की ओर से लगभग 40 ट्रकों के जरिए अवैध कोयला खपाया जा रहा है। इनमें से करीब 25 ट्रक गिरिडीह के रास्ते बिहार और लगभग 15 ट्रक जामताड़ा-मिहिजाम मार्ग से पश्चिम बंगाल की तरफ भेजे जा रहे हैं। सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह है कि यदि खुलेआम इस पैमाने पर खनिज परिवहन हो रहा है, तो इसकी नियमित निगरानी कौन कर रहा है? स्थानीय स्तर पर चचाएं आम होने के बावजूद जिला खनन टास्क फोर्स और प्रखंड स्तरीय खनन टास्क फोर्स की निष्क्रियता कई बड़े सवाल खड़े करती है। अब सबकी निगाहें जिला प्रशासन और खनन विभाग पर टिकी हैं कि वे इन गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच कर खनिज के वास्तविक स्रोत, चालान और गंतव्य की सत्यता की जांच करते हैं या नहीं।

विधायक की पहल पर ग्राम बसिया को मिला 25 केवीए का नया ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों में खुशी



बालूमाथ। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बसिया में बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। माननीय विधायक प्रकाश राम के प्रयास एवं विधायक प्रतिनिधि मनोज राम की पहल पर गांव में 16 केवीए के स्थान पर 25 केवीए का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया। नए ट्रांसफार्मर का शुभारंभ किया गया। नया ट्रांसफार्मर मिलने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने विधायक प्रकाश राम एवं विधायक प्रतिनिधि मनोज राम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ने से गांव में बिजली आपूर्ति की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। इस मौके पर राजदेव यादव, खोधारी यादव, अनिल उरांव, वीरेंद्र यादव, संतोष उरांव, कांति देवी, पानो देवी, खुशबू देवी, अनीता देवी, गायत्री देवी, मालती देवी, प्रियंका कुमारी एवं रमेश यादव सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

करमाटांड़ हाई स्कूल में नशामुक्त अभियान को लेकर पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का हुआ आयोजन, युवाओं ने नशामुक्त को लेकर लिया संकल्प

रफ्तार मीडिया संवाददाता





जामताड़ा : मेरा युवा भारत जामताड़ा के तत्वावधान में शनिवार को करमाटांड़ आरजीआरजी प्लस टू हाई स्कूल में पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य थीम नशामुक्त युवा रही। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज और स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान के साथ हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में करमाटांड़ थाना के एएसआई आलम अंसारी उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सीता दास स्कूल की प्रभारी प्राचार्य, राजेंद्र शर्मा, मो. अमानुल्लाह अंसारी एवं उदय कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि नशा आज युवाओं के भविष्य, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है।

नशे की लत केवल व्यक्ति को शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रभावित नहीं करती, बल्कि इसका दुष्प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा का उपयोग शिक्षा, खेलकूद, सामाजिक कार्यों और राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। माय भारत के उदय कुमार ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी नशामुक्ति के प्रति जागरूक करें।

एक स्वस्थ और जागरूक युवा ही सशक्त समाज एवं विकसित भारत की मजबूत नींव रख सकता है। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में साईना तस्कीन ने प्रथम, अभिरूप सिंह ने द्वितीय तथा रीना कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित युवाओं ने स्वयं नशे से दूर रहने और समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। मंच संचालन नितेश सेन ने किया। मौके पर सारिका ठाकुर, सुप्रिया दे, अंजर आलम, संजय कुमार, रंजीत कुमार पांडेय, महादेव गोराई, माय भारत के वालंटियर्स संजय मंडल, निर्भय मंडल, अंजली मिंज सहित विद्यालय के शिक्षक उपस्थित थे।

13 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण की अलख जगा रहे किशुन राम, रखोतिया वन में वन रक्षा कार्यक्रम का भव्य आयोजन

2014 से जारी है अनूठी परंपरा, महिलाओं एवं युवतियों ने वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधकर लिया संरक्षण का संकल्प

स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दिया प्रकृति बचाने का संदेश

रफ्तार मीडिया संवाददाता





हजारीबाग : हजारीबाग पर्यावरण संरक्षण और वन संपदा की रक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने की अनूठी पहल बेडम स्थित रखोतिया वन में पिछले 13 वर्षों से निरंतर जारी है। वर्ष 2014 में पूर्व प्रभारी वनपाल किशुन राम के नेतृत्व में शुरू हुई वन रक्षा की यह परंपरा आज जनजागरूकता का प्रेरणादायक उदाहरण बन चुकी है। शनिवार को रखोतिया वन में वन रक्षा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं, युवतियों और स्कूली बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ हुई। महिलाओं एवं युवतियों ने सिर पर कलश लेकर मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद जंगल में वृक्षों की पूजा कर उन्हें रक्षा सूत्र बांधा और पेड़ों की सुरक्षा का संकल्प लिया। इस परंपरा के माध्यम से प्रकृति के प्रति आस्था के साथ-साथ वृक्षों के संरक्षण का सामाजिक संदेश दिया गया। कार्यक्रम में पूर्व प्रभारी वनपाल किशुन राम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधा तथा फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के आधार हैं। जंगलों की सुरक्षा केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की।इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विवेकानंद विद्यामंदिर धर्मपुर, राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेडम, ज्ञान ज्योति विद्यामंदिर चुरचू, उत्क्रमित मध्य विद्यालय हाथीबर, डीएवी सैनफोर्ड पब्लिक स्कूल टाटीझरिया एवं सर्वोदय पब्लिक स्कूल कोल्हू के बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति प्रेम और वृक्षों के महत्व को दशार्या। बच्चों की प्रस्तुतियों ने लोगों को जंगल और पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। गौरतलब है कि किशुन राम वर्ष 2014 से लगातार इस अनूठी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। सरकारी दायित्वों के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनका समर्पण समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी इस पहल से ग्रामीणों के साथ नई पीढ़ी भी जंगलों और पेड़-पौधों के संरक्षण के प्रति जागरूक हो रही है। वन रक्षा कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि प्रकृति की रक्षा केवल रस्म अदायगी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए सामूहिक जिम्मेदारी है। मौके पर उपस्थित। कार्यक्रम में प्रमुख संतोष मंडल, मंडल अध्यक्ष कैलाशपति सिंह, महेश अग्रवाल, राजू यादव, मिथलेश पाठक, आलोक राज, डूमर पंचायत की मुखिया ममता देवी, अध्यक्ष रोहित प्रसाद, मंच संचालक वीरेंद्र प्रसाद, बबलू प्रसाद सिंह, जीवधन प्रसाद, नारायण प्रसाद, पप्पू कुमार, संदीप गंझू, रामकिशुन प्रसाद, राजेश शर्मा, सचिन कुमार, युगल प्रसाद, छोटन कुमार, वीरेंद्र गंझू, गुलबी देवी, ननकी देवी, प्रकाश प्रसाद, धनेश्वर प्रसाद एवं मुकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं उपस्थित थीं।

समाचार सार

नावाडीह में युवक को मारी गोली, इलाके में मचा हड़कंप



बोकारो (रफ्तार मीडिया संवाददाता): बोकारो जिले के नावाडीह थाना क्षेत्र में शनिवार अहले सुबह पहले से घात लगाये अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। गोलीबारी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। जख्मी युवक कुलदीप कुमार ने बताया कि वह पेट्रोल लेने जा रहा था तभी पुल के पास पहले से मौजूद अपराधियों में शामिल कारू ने उसपर गोली चला दी तथा वह भागने में सफल हो गया। गोली उसके गर्दन को छूती हुई निकल गई। जिसके बाद उसे इलाज के लिए नावाडीह स्थित पीएचसी में भर्ती कराया गया जहां से चिकित्सकों ने जख्मी को सदर अस्पताल भेज दिया जहां इलाज की जा रही है। हालांकि जख्मी खतरे से बाहर है। पुलिस के अनुसार आपसी विवाद में युवक को गोली मारी गई है। जख्मी युवक की पहचान कुलदीप कुमार के रूप में हुई है। गोली उसके गर्दन में लगी है। पुलिस गोलीबारी के कारणों का पता लगाने के साथ ही आरोपी की तलाश में जुट गई है। अपराधी के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

सदर अस्पताल बोकारो में दो जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक सम्पन्न



बोकारो (रफ्तार मीडिया संवाददाता): सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण बोकारो के निर्देशन में एवं डॉ. एन. पी. सिंह, उपाधीक्षक, सदर अस्पताल बोकारो के सहयोग से सदर अस्पताल में दो मरीजों का सफल ऑपरेशन किया गया। भवनिपुर क्षेत्र निवासी 39 वर्षीय सोनम कर्मकार का एब्डॉमिनल हिस्टेरेक्टॉमी का सफल ऑपरेशन डॉ. अनामिका सिन्हा द्वारा किया गया। ऑपरेशन के दौरान एनेस्थीसिया की जिम्मेदारी डॉ. सौरभ सांख्यायन ने निभाई। वहीं, सियालजोरी निवासी 58 वर्षीय चुद्दू महतो के दाहिने फीमर (जांघ की हड्डी) के शाफ्ट में फ्रैक्चर एवं हृदय संबंधी बीमारी की स्थिति में क्लोज्ड रिडक्शन एंड इंटरनल फिक्सेशन विद इंटरलॉकिंग नेलिंग का सफल ऑपरेशन किया गया। यह ऑपरेशन डॉ. आर. पी. सिंह द्वारा किया गया तथा एनेस्थीसिया डॉ. सौरभ सांख्यायन ने दिया। सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने बोकारोवासियों से अपील की कि किसी भी प्रकार के ऑपरेशन के लिए इधर-उधर भटकने के बजाय सबसे पहले सदर अस्पताल, बोकारो में संपर्क करें। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा लगातार बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मरीज की स्थिति एवं उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार हर संभव प्रयास किया जाएगा कि आवश्यक ऑपरेशन एवं उपचार सदर अस्पताल में ही उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि बोकारोवासियों को समय पर गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ उपचार मिल सके।

मिहिजाम में छठ महापर्व की भव्य तैयारी: वार्ड 15 का कानगोई रामनगर तालाब घाट पूरी तरह तैयार, पार्षद किरण देवी ने लिया जायजा



मिहिजाम(रफ्तार मीडिया संवाददाता): मिहिजाम नगर परिषद के वार्ड नंबर 15 स्थित कानगोई रामनगर तालाब में आगामी दिवाली और लोक आस्था के महान पर्व छठ को लेकर सभी तैयारियां मुकम्मल कर ली गई हैं, जिसका शनिवार को वार्ड पार्षद किरण देवी ने वार्ड पार्षद प्रतिनिधि रंजीत प्रसाद ठाकुर के साथ मौके पर पहुंचकर विशेष जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि पर्व से पहले ही तालाब की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई और गाद-कचरा निकालकर घाटों को पूरी तरह चकाचक कर दिया गया है, जिसमें स्थानीय युवाओं की भागीदारी सराहनीय रही है। इस वर्ष छठ व्रतियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए घाट पर लाइटिंग, पेयजल, और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, साथ ही व्रतियों के लिए पान, सुपारी, अगरबत्ती और गाय के दूध की भी पूर्ण व्यवस्था रहेगी ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। अंत में, वार्ड पार्षद ने सभी वार्डवासियों से तालाब की स्वच्छता बनाए रखने और इस महापर्व को आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ हर्षोल्लास से मनाने की अपील की है।

22 टीबी मरीजों के बीच वितरित की गई पोषण पोटली, डीसी ने जाना हाल



रामगढ़ (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। समाहरणालय परिसर में शनिवार को टीबी मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण को ध्यान में रखते हुए पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त ऋतुराज ने की। इस दौरान जिले के 22 टीबी मरीजों के बीच पोषण पोटली का वितरण किया गया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता एवं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. स्वराज ने संयुक्त रूप से मरीजों को पोषण पोटली प्रदान की। इस अवसर पर उपायुक्त ऋतुराज ने सभी मरीजों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य एवं चल रहे उपचार की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को नियमित रूप से दवा लेने, उपचार का निर्धारित कोर्स पूरा करने तथा पौष्टिक एवं संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी। उपायुक्त ने कहा कि टीबी एक उपचार योग्य बीमारी है। नियमित दवा सेवन, उचित पोषण और समय-समय पर चिकित्सकीय परामर्श से इस बीमारी को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने मरीजों से अपील की कि उपचार के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करें। साथ ही उन्होंने टीबी मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पोषण और नियमित उपचार को बेहद महत्वपूर्ण बताया।

उपायुक्त ने की डीएमएफटी के तहत संचालित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा

धीमी रफ्तार पर जताई नाराजगी, गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने का अल्टीमेटम

मुख्य बिंदु: डीसी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक, डीएमएफटी, सीएसआर और अनटाइड फंड के विकास कार्यों की ली गई रिपोर्ट।

प्रशासनिक एक्शन: कार्यों की निगरानी के लिए विशेष टीमों का गठन, लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी।

रफ्तार मीडिया संवाददाता



धनबाद : जिला प्रशासन विकास योजनाओं को गति देने के लिए पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। इसी कड़ी में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जिला विकास शाखा के कर्मचारियों और डीएमएफटी पीएमयू के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी), सीएसआर और अनटाइड फंड के तहत जिले में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं और निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

धीमी गति के कार्यों पर जताई कड़ी नाराजगी

बैठक के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न योजनाओं की वर्तमान स्थिति और लंबित पड़े प्रोजेक्ट्स का जायजा लिया। इस दौरान जिन क्षेत्रों में विकास कार्य सुस्त गति से चल रहे थे, उन पर डीसी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को दो टूक शब्दों में निर्देश दिया कि वे कार्यों की रफ्तार में तेजी लाएं और सभी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ धरातल पर उतारें।

निगरानी के लिए गठित होंगी विशेष टीमें

विकास कार्यों में पारदर्शिता और तय मानकों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त ने विभिन्न विशेष टीमों के गठन का निर्देश दिया है। यह गठित टीमें समय-समय पर सीधे निर्माण स्थल (फिल्ड विजिट) पर जाकर चल रही योजनाओं का निरीक्षण करेंगी और कार्यों की वास्तविक प्रगति व गुणवत्ता की जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, कोताही या अनावश्यक विलंब कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हीरापुर चिल्ड्रेन पार्क में दिखेगी विदेशी पक्षियों की दुनिया





बर्ड सैंक्चुअरी की थीम पर बन रहा भव्य काली पूजा पंडाल; मोबाइल टावर रेडिएशन के खतरे से करेंगे जागरूक

मुख्य बिंदु: झरना पाड़ा पार्क मार्केट की श्रीश्री श्यामा पूजा समिति का 47वां आयोजन, प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का दिया जाएगा संदेश।

विशेषता: देश-विदेश के रंग-बिरंगे पक्षियों की झलक के साथ-साथ विलुप्त होते पक्षियों और टावर रेडिएशन के दुष्प्रभावों को दशार्ने का अनूठा प्रयास।

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : धनबाद में आगामी काली पूजा को लेकर शहरभर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं और हर तरफ उत्सव का माहौल है। इसी कड़ी में शहर के हीरापुर स्थित चिल्ड्रेन पार्क में इस वर्ष श्रद्धालुओं को एक बेहद अनोखी और मनमोहक थीम पर आधारित भव्य पूजा पंडाल देखने को मिलेगा। झरना पाड़ा पार्क मार्केट स्थित श्रीश्री श्यामा पूजा समिति की ओर से आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित आयोजन का यह 47वां वर्ष है।

बर्ड सैंक्चुअरी की थीम और पर्यावरण का संदेश

इस बार समिति द्वारा पंडाल को 'बर्ड सैंक्चुअरी' (पक्षी अभयारण्य) का भव्य रूप दिया जा रहा है। इस थीम के तहत पंडाल परिसर में देश-विदेश के विभिन्न प्रकार के रंग-बिरंगे पक्षियों की आकृतियां और उनकी दुनिया की अद्भुत झलक देखने को मिलेगी। लेकिन इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य केवल सुंदरता बिखेरना नहीं, बल्कि समाज को एक गंभीर पर्यावरणीय संदेश देना भी है। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि आज के आधुनिक दौर में मोबाइल टावर से निकलने वाले खतरनाक रेडिएशन और तेजी से बदलते पर्यावरण के कारण पक्षियों के अस्तित्व पर बड़ा संकट मंडरा रहा है। इस अनूठी थीम के माध्यम से आम लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है कि हम प्रकृति और पक्षियों के संरक्षण के प्रति गंभीर हों।

अंतिम चरण में तैयारियां

मां काली के दर्शन के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह पंडाल इस बार मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा। पूजा समिति के सचिव विकास सिंह चौधरी और समिति के सदस्य पार्थो मजूमदार सहित अन्य पदाधिकारी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। पंडाल के कलात्मक निर्माण के साथ-साथ आकर्षक विद्युत सज्जा (लाइटिंग) का कार्य भी लगभग पूरा हो चुका है। समिति का मानना है कि आस्था के इस महापर्व पर मां की आराधना के साथ-साथ पर्यावरण प्रेम का यह संदेश समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाएगा।

परवरिश एडुकेयर स्कूल में धूमधाम से मना दीपावली समारोह, बच्चों ने दिया हरित दीपावली का संदेश

रफ्तार मीडिया संवाददाता



कुजू /रामगढ़ : परवरिश एडुकेयर स्कूल में शनिवार को दीपावली महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह में कक्षा एक से दसवीं तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता, दीया सजाओ प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, कक्षा छह के विद्यार्थियों ने 'हरित दीपावली-स्वच्छ दीपावली' विषय पर आकर्षक नाटक प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। नाटक के माध्यम से बच्चों ने पटाखों से होने वाले प्रदूषण के प्रति जागरूक करते हुए इस बार पटाखों के बजाय मिट्टी के दीये जलाकर दीपावली मनाने का संदेश दिया। मौके पर विद्यालय के निदेशक शैलेंद्र कुमार एवं प्रबंध निदेशक विकास कुमार सिंह ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। निदेशक शैलेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का त्योहार नहीं, बल्कि ज्ञान, सकारात्मकता और अज्ञानता के अंधकार को दूर करने का प्रतीक है। जिस प्रकार एक छोटा-सा दीपक अंधकार को दूर कर देता है, उसी प्रकार ज्ञान की छोटी-सी रोशनी भी अज्ञानता को मिटा सकती है। उन्होंने बच्चों से स्वच्छ, सुरक्षित और सबको साथ लेकर दीपावली मनाने की अपील की। साथ ही कहा कि सभी बच्चे जीवन में आगे बढ़ें और अपने माता-पिता एवं विद्यालय का नाम रोशन करें। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के समापन पर सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं विद्यालय कर्मचारियों के बीच मिठाइयां वितरित की गईं। सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देकर पर्व की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर विद्यालय की अकाउंटेंट नाजो खातून सहित शिक्षिकाएं अर्चना कुमारी, संगीता कुमारी, कंचन प्रसाद, शांति कुमारी, नंदनी झा, आकांक्षा मिश्रा, सानू साहू, चंचला सिंह, हर्षिता गुप्ता, नीति सोनी, कंचन चौधरी, अंजली सिंह, रूपा कुमारी एवं श्रेया सिन्हा उपस्थित थीं।

धनबाद के गोविंदपुर में 7 वर्षीय आदिवासी छात्र लापता, अपहरण का मामला दर्ज, खेल-खेल में अचानक गायब हुआ मासूम, सुराग तलाशने में जुटी पुलिस

गोरांगडीह नया प्राथमिक विद्यालय का छात्र सचदेव हेंब्रम 28 अक्टूबर से लापता, पिता के आवेदन पर गोविंदपुर थाना में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज

एसआई तपन कुमार पाणिग्रही को सौंपी गई अनुसंधान की जिम्मेदारी, विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी जारी लेकिन अब तक नहीं मिला कोई सुराग।

रफ्तार मीडिया संवाददाता



धनबाद : धनबाद जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली और सनसनीखेज घटना सामने आई है। गोरांगडीह स्थित नया प्राथमिक विद्यालय का सात वर्षीय आदिवासी छात्र सचदेव हेंब्रम गत 28 अक्टूबर की शाम से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता है। इस मामले में परिजनों की शिकायत पर गोविंदपुर थाना में अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया गया है।

कैसे और कब गायब हुआ मासूम?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, छात्र के पिता रामविलास हेंब्रम द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर पुलिस निरीक्षक विष्णु प्रसाद राउत ने इस गंभीर मामले को तुरंत संज्ञान में लिया। पुलिस ने गोविंदपुर थाना कांड संख्या- 315/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 140(1) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की है। इस पूरे मामले की अनुसंधान (जांच) की जिम्मेदारी सब-इंस्पेक्टर तपन कुमार पाणिग्रही को सौंपी गई है। दिए गए आवेदन में परिजनों ने बताया है कि 28 अक्टूबर को शाम करीब 5 बजे बच्चा अपने घर के पास सड़क के उस पार खेलने के लिए गया था। उसके बाद से वह वापस घर नहीं लौटा। काफी खोजबीन करने के बाद भी जब बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजनों ने किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बच्चे के अपहरण किए जाने की आशंका जताते हुए पुलिस से मदद की गुहार लगाई।

छापेमारी जारी, पर अब तक खाली हाथ पुलिस

घटना की सूचना मिलने के बाद से ही पुलिस हरकत में आ गई है। अनुसंधानकर्ता द्वारा बच्चे की सुरक्षित बरामदगी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। हालांकि, घटना के इतने दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस को अभी तक मासूम का कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग पाया है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैली हुई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, स्थानीय लोगों में भी इस बात को लेकर गहरी चिंता और आक्रोश है कि आखिर एक मासूम बच्चा यूं अचानक कैसे गायब हो गया। पुलिस का कहना है कि बच्चे की तलाश के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

दीपावली और छठ पर्व को लेकर गया जी अग्निशमन विभाग अलर्ट, 207 कर्मियों और 33 वाहनों की तैनाती

रफ्तार मीडिया/ गयाजी
प्रभात सिन्हा

गया जीः: दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान अग्नि दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए गया जी जिला अग्निशमन विभाग ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पर्व के दौरान किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए विभाग को पूरी तरह अलर्ट मोड में रखा गया है। इसी क्रम में शनिवार को जिला अग्निशमन पदाधिकारी, गया जी ज्योति प्रकाश की अध्यक्षता में पत्रकारों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। जिसमें जिला अग्निशमन पदाधिकारी ज्योति प्रकाश के द्वारा अग्निशमन विभाग की तैयारियों, अग्नि सुरक्षा के उपायों तथा आपातकालीन स्थिति में किए जाने वाले बचाव कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई।

बैठक में जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने बताया कि गया जी जिले में दीपावली एवं छठ पर्व को सुरक्षित संपन्न कराने के लिए कुल 207 अग्निशमन कर्मियों और 33 अग्निशमन वाहनों की व्यवस्था की गई है। इन वाहनों में दो फायर बुलेट और दो हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। पर्व के दौरान जिले के विभिन्न संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर अग्निशमन कर्मियों की ड्यूटी निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि दीपावली के दौरान पटाखों एवं आतिशबाजी के कारण आग लगने की घटनाओं की आशंका बनी रहती है। वहीं, छठ पर्व के अवसर पर विभिन्न



घाटों और पूजा स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटती है। इसे देखते हुए सभी प्रतिनियुक्त अग्निशमन कर्मियों को विशेष सतर्कता बरतने और किसी भी सूचना पर तत्काल घटनास्थल पहुंचकर बचाव कार्य शुरू करने का निर्देश दिया गया है। विभाग द्वारा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तैयारियां भी की गई हैं। जिला अग्निशमन पदाधिकारी ज्योति प्रकाश ने आम नागरिकों से अपील की कि दीपावली के दौरान पटाखे हमेशा खुले एवं सुरक्षित स्थानों पर ही जलाएं। ज्वलनशील पदार्थों के आसपास आतिशबाजी करने से बचें तथा बच्चों को पटाखे जलाते समय अकेला न छोड़ें। वहीं, छठ पर्व के दौरान घाटों पर दीप, अगरबत्ती एवं अन्य ज्वलनशील सामग्रियों के इस्तेमाल में विशेष सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान थोड़ी-सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए आमजन सुरक्षा नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार की अग्नि दुर्घटना या आपातकालीन स्थिति में तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके।

छोटी दीपावली पर उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय के छात्राओं ने बनाई मनमोहक रंगोली

रफ्तार संवाददाता पवन कुमार राम
रेम्बा /गिरिडीह।

जमुआ प्रखंड के उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय रेम्बा में शनिवार को छोटी दीपावली के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय की छात्राओं ने अपनी कला और कल्पना का सुंदर प्रदर्शन करते हुए मनमोहक रंगोली बनाकर सभी का मन मोह लिया। छात्राओं ने रंग-बिरंगे रंगों से सजी विभिन्न प्रकार की रंगोलियां बनाई। किसी ने लक्ष्मी जी के चरण, किसी ने दीप, कलश और शुभ-लाभ के प्रतीक बनाए तो किसी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे सामाजिक संदेशों को रंगोली के माध्यम से दर्शाया। विद्यालय परिसर रंगों की छटा से खिल उठा। रंगोली बनाने में अंकिता कुमारी,अंशु कुमारी, परि कुमारी, शालू



कुमारी,सोनम, रानी, निभा, स्वीटी, अंजलि, राधा, आकृति नंदिनी आदि छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी छात्राओं की कलाकारी की शिक्षकों और उपस्थित ग्रामीणों ने खूब सराहना की। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापक मंटू द्विवेदी, दामोदर प्रसाद वर्मा,शिक्षिका शिबुल देवी तथा केशिया देवी ने छात्राओं को दीपावली के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं है, बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक है। रंगोली बनाना हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। यह घर-आंगन को सुंदर बनाने के साथ-साथ शुभता, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देती है। छोटी दीपावली जिसे नरक चतुर्दशी भी कहा जाता है, हमें अपने भीतर की बुराइयों को दूर कर स्वच्छता और सदाचार अपनाने की प्रेरणा देती है।

एसबीयू में नर्सिंग कार्यशाला का आयोजन

रफ्तार मीडिया संवाददाता- बबलु मुश्ताक ..

राँची/नामकुम : ट्रेंड नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएनएआई), झारखंड राज्य शाखा द्वारा सरला बिरला विश्वविद्यालय एवं महादेवी बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड क्लिनिकल टेक्नोलॉजी (एमबीआईएनसीटी) के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय नर्सिंग शिक्षा कार्यशाला एवं टीएनएआई के प्रथम राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। इस आयोजन में झारखंड के विभिन्न नर्सिंग संस्थानों से आए टीएनएआई के सदस्यों एवं नर्सिंग शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला में योग्यता आधारित शिक्षण, अनुकरण आधारित शिक्षण एवं तर्कशक्ति जैसे नर्सिंग शिक्षा के महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान एवं व्यावहारिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कार्यशाला



का मुख्य उद्देश्य नर्सिंग शिक्षा में आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को प्रोत्साहित करना तथा नर्सिंग शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान और पेशेवर कौशल को विकसित करना था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, माननीय कुलपति प्रो. सी. जगनाथन, प्रशासक आशुतोष द्विवेदी, महादेवी बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड क्लिनिकल टेक्नोलॉजी की प्राचार्या डॉ. सुबानी बाड़ा सहित टीएनएआई के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान पैलिएटिव केयर पर विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें मरीजों की देखभाल एवं उनके जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में नर्सिंग सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त टीएनएआई की विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा एवं भावी योजनाओं पर विचार-विमर्श के लिए आमसभा की बैठक भी आयोजित की गई। कार्यक्रम में सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के अंतर्गत समूह नृत्य प्रतियोगिता तथा व्यक्तित्व प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न नर्सिंग संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के अंत में विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस दो दिवसीय आयोजन का मुख्य उद्देश्य नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना, नर्सिंग पेशेवरों के कौशल एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना तथा नर्सिंग समुदाय के बीच आपसी सहयोग, एकजुटता और अनुभवों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना था। इस सम्मेलन ने नर्सिंग शिक्षकों एवं पेशेवरों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, व्यावहारिक अनुभवों और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नवीन संभावनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए एक सार्थक मंच प्रदान किया। एसबीयू के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं माननीय राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस आयोजन पर आयोजक मंडली को शुभकामना संदेश प्रेषित किया है।

मांदर की थाप पर थिरकीं महिलाएं, डहरे सोहराय में दिखी आदिवासी संस्कृति की अनूठी छटा

- **मानटांड में पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य के साथ मना पर्व, सैकड़ों महिला-पुरुषों ने लिया हिस्सा**

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया

तोपचांची : प्रखंड के मानटांड में पारंपरिक आदिवासी पर्व डहरे सोहराय धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष शामिल हुए। मांदर की थाप और पारंपरिक गीतों की गूंज के बीच महिलाओं ने सामूहिक रूप से नृत्य कर आदिवासी संस्कृति की अनूठी छटा बिखेरी। पारंपरिक वेशभूषा में सजे लोगों के उत्साह और उमंग से पूरा माहौल उत्सवमय हो गया।



कार्यक्रम के दौरान मांदर की गूंजती थाप पर महिला-पुरुष कदम से कदम मिलाकर थिरकते नजर आए। पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की खूबसूरत झलक देखने को मिली। लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पर्व मनाते हुए अपनी पुरानी परंपराओं को जीवंत रखा। डहरे सोहराय आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और सामूहिक एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन न केवल समाज को एकजुट करते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी लोकसंस्कृति, पारंपरिक गीतों और नृत्य से जोड़ने का भी काम करते हैं। मानटांड में आयोजित इस पर्व के माध्यम से लोगों ने पूर्वजों से मिली सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संदेश दिया।

विदेशी विद्यार्थियों की सुविधाओं का जायजा लेने सीयूएसबी पहुंचीं आईसीसीआर पटना की क्षेत्रीय निदेशक स्वधा रिजवी

- **अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग और सांस्कृतिक कूटनीति को बढ़ावा देने पर हुई चर्चा, विदेशी शोधार्थियों से किया संवाद**

रफ्तार मीडिया/गयाजी
प्रभात सिन्हा

गया जीः: इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशन्स (आईसीसीआर), पटना की क्षेत्रीय निदेशक सुश्री स्वधा रिजवी, आईएफएस ने विदेशी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेने और उनकी सहायता व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) का दौरा किया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के संरक्षण में विश्वविद्यालय के ऑफिस ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन्स (ओआईए) की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग, विदेशी विद्यार्थियों की सुविधाओं तथा सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से संस्थागत संबंधों को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई।

विश्वविद्यालय के सम्मेलन कक्ष में



आयोजित बैठक में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने ओआईए के अध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में विशिष्ट अतिथि सुश्री स्वधा रिजवी का स्वागत किया। अपने संबोधन में कुलपति ने विश्वविद्यालय की विशेषताओं और उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि सीयूएसबी पर्यावरण-अनुकूल, शून्य उत्सर्जन और प्लास्टिक मुक्त परिसर के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने 12 अक्टूबर 2026 को आयोजित विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने भी विश्वविद्यालय के हरे-भरे और स्वच्छ परिसर की विशेष रूप से सराहना की थी।

इस अवसर पर ओआईए के अध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार ने पिछले पांच वर्षों में ए2ए पोर्टल के माध्यम से विदेशी विद्यार्थियों के प्रवेश से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न पीएचडी कार्यक्रमों में अब तक तीन विदेशी विद्यार्थियों ने दाखिला लिया है। इनमें बोत्सवाना की सुश्री लिडिया फ्रैंक और म्यांमार की सुश्री मे थू विन ने पर्यावरण विज्ञान विषय में, जबकि यमन के श्री मोहम्मद हसन अहमद अब्दुल्ला ने कंप्यूटर विज्ञान विषय में शोध के लिए नामांकन कराया है। बैठक के बाद क्षेत्रीय निदेशक सुश्री रिजवी ने विश्वविद्यालय के कृषि प्रक्षेत्रों का भ्रमण किया और वहां विकसित आत्मनिर्भर मॉडल की सराहना की। इसके बाद उन्होंने छात्रावासों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध आवासीय सुविधाओं का जायजा लिया। दौरे के दौरान आयोजित संवादात्मक सत्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसमें उन्होंने अंतरराष्ट्रीय शोधार्थियों, भारतीय विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं अन्य शैक्षणिक समुदाय के सदस्यों से सीधे बातचीत की।

संवाद के दौरान सुश्री रिजवी ने विदेश नीति, सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक स्तर पर भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत बनाने में विदेश मंत्रालय की भूमिका पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने विद्यार्थियों को वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने, विभिन्न संस्कृतियों और परिवेशों को समझने तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पारस्परिक सांस्कृतिक समझ और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को आज के समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया।

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि कार्यक्रम में प्रॉक्टर प्रो. प्रणव कुमार, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. प्रवीण कुमार, प्रो. अवनीश प्रकाश सिंह, सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष डॉ. अमृता श्रीवास्तव तथा ओआईए के सदस्य डॉ. प्रशांत कुमार, डॉ. तारा काशव और डॉ. रोहित कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आदिवासी नेत्री निशा भगत की मौत के विरोध में भाजपा रांची पूर्वी जिला के सभी मंडलों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन

रफ्तार मीडिया

नामकुम : आदिवासी समाज की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करने वाली आदिवासी नेत्री निशा भगत की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के विरोध में भारतीय जनता पार्टी रांची पूर्वी जिला के सभी मंडलों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने निशा भगत को न्याय दिलाने, उनकी मौत की निष्पक्ष एवं सीबीआई जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।भाजपा रांची पूर्वी जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज ने कहा कि आदिवासी समाज की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाली निशा



भगत की मौत अत्यंत चिंताजनक है। मृत्यु से पूर्व फेसबुक लाइव के माध्यम से उनके द्वारा कुछ व्यक्तियों एवं तत्कालीन हेमंत सरकार पर लगाए गए गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। वह अपने न्याय और अधिकारों के लिए लगातार आवाज उठा रही थीं। यह घटना राज्य में महिलाओं की सुरक्षा, आदिवासी समाज के अधिकारों एवं कानून-व्यवस्था को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए तथा जो भी दोषी पाए जाएं, उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि निशा भगत के परिवार को न्याय मिल सके।

ग्रीन पार्क स्टेडियम में क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल, वासेपुर ने पालगंज को 20 रनों से हराया

- **खेल से शारीरिक व मानसिक विकास के साथ युवाओं में बढ़ती है अनुशासन और टीम भावना : छोटेलाल यादव**

रफ्तार मीडिया

सरिया : सरिया प्रखंड क्षेत्र के ग्रीन पार्क स्टेडियम, कंचनपुर (कोयरीडीह) में गांधी युवा क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला उत्साहपूर्ण माहौल में खेला गया। फाइनल मैच वासेपुर और पालगंज की टीमों के बीच हुआ। रोमांचक मुकाबले में वासेपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पालगंज



को 20 रनों से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय खेलप्रेमी मौजूद रहे। मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष छोटेलाल यादव ने खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलकूद से युवाओं का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। क्रिकेट जैसे खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, आपसी सहयोग और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर मिलता है। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को हमेशा खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए। फाइनल मुकाबले को लेकर खिलाड़ियों के साथ स्थानीय लोगों में भी खासा उत्साह देखा गया। टूर्नामेंट के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र की क्रिकेट प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का मंच मिला। साथ ही ऐसे आयोजनों से युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ने और आपसी भाईचारे को मजबूत करने में मदद मिलती है। कार्यक्रम में मुखिया प्रतिनिधि बालेश्वर मरांडी, भाजपा महामंत्री रामदेव ठाकुर, पंचायत समिति सदस्य सह क्लब सचिव अनिल शर्मा, क्लब अध्यक्ष संदीप साव, कोषाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, बालगोविंद कुशवाहा और उमेश वर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

निशा भगत आत्महत्या मामले को लेकर भाजपा का प्रदर्शन, विकास महतो ने किया पुतला दहन

- **झारखंड में आदिवासी महिलाएं सुरक्षित नहीं, मामले की CBI जांच कर दोषियों पर हो कार्रवाई :विकास महतो**

जितेंद्र कुमार दास/ रफ्तार मीडिया

तोपचांचीः निशा भगत आत्महत्या मामले को लेकर भाजपा नेता विकास कुमार महतो के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया गया। इस दौरान भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने घटना पर आक्रोश जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

मौके पर भाजपा नेता विकास



महतो ने कहा कि झारखंड राज्य में आदिवासी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। निशा भगत मामले की गंभीरता से जांच होनी चाहिए, ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके। उन्होंने पूरे मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग करते हुए कहा कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। प्रदर्शन के दौरान उपस्थित लोगों ने भी मामले की सीबीआई जांच की मांग की।

इस मौके पर रणवीर चौबे, लालू साव, श्रीकांत मंडल, दिलीप दास, प्रसन्नजीत चौबे, सौरभ चौबे और शक्ति महतो सहित अन्य लोग मौजूद थे।

ब्रह्मानंद अस्पताल में इलाज के दौरान 57 वर्षीय वासुदेव साहू की मौत

- **परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप**
- **एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी के करीब आधे घंटे बाद हुई मौत, अस्पताल प्रबंधन ने बुधवार को एक लाख रुपये रिफंड करने का दिया आश्वासन**

रफ्तार मीडिया

सरायकेला-खरसावां जिले के ईचागढ़ थाना अंतर्गत बुरुहातु गांव निवासी 57 वर्षीय वासुदेव साहू की कपाली के तमोलिया स्थित ब्रह्मानंद अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उन्हें मेजर हार्ट अटैक आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की देखरेख में उनकी एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी की गई। हालांकि, प्रक्रिया पूरी होने के करीब आधे घंटे बाद डॉक्टरों ने परिजनों को उनकी मौत की सूचना दी। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। वहीं, परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाया है।

मृतक के पुत्र बिकेश साहू ने बताया कि जब उनके पिता को अस्पताल लाया गया था, तब वे खुद चलकर अस्पताल के अंदर गए थे। उन्होंने विभिन्न प्रकार की जांच भी स्वयं कराई थी। इसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी। बिकेश साहू के अनुसार, भर्ती कराने के लिए जब वे हेल्प डेस्क पहुंचे तो उनसे पहले ढाई लाख रुपये जमा करने को कहा गया। इसके बाद उन्होंने पहले एक लाख रुपये और करीब एक घंटे बाद दोबारा



एक लाख रुपये जमा किए। उनका आरोप है कि इसके बाद ही उनके पिता का इलाज शुरू किया गया।

बिकेश साहू ने बताया कि उनके पिता की एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी की गई, लेकिन प्रक्रिया पूरी होने के करीब आधे घंटे बाद डॉक्टरों ने उनकी मौत की सूचना दी। यह खबर सुनते ही परिजन आक्रोशित हो गए और अस्पताल परिसर में हंगामा करने लगे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए भाजपा नेता खगेन महतो, समाजसेवी नवीन कुमार गुप्ता, समाजसेवी गुरुचरण साहू एवं भाजपा नेता आकाश महतो अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी ली और परिजनों की शिकायतों को प्रबंधन के समक्ष रखा।

इस दौरान भाजपा नेता खगेन महतो ने कहा कि वासुदेव साहू की मौत का मामला गंभीर है। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। यदि इलाज के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही हुई है तो इसकी भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए जांच कराई जाएगी।

वहीं, अस्पताल प्रबंधन के साथ हुई बातचीत के दौरान परिजनों को आश्वासन दिया गया कि आगामी बुधवार को एक लाख रुपये की राशि रिफंड कर दी जाएगी। इसके बाद परिजन मृतक का शव लेकर अपने गांव लौट गए।

फिलहाल, परिजनों द्वारा लगाए गए इलाज में लापरवाही के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अस्पताल प्रबंधन का विस्तृत पक्ष भी सामने आना बाकी है। ऐसे में अब पूरे मामले की जांच और अस्पताल प्रबंधन के आधिकारिक बयान पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

टुंडी के कोल्हर मोड़ पर भाजपा ने फूंका मुख्यमंत्री का पुतला, निशा भगत की मौत की सीबीआई जांच और कानून-व्यवस्था सुधारने की मांग

- **मुख्य बिंदु: झारखंड में बढ़ते अपराध और प्रशासनिक विफलता के खिलाफ भाजपा टुंडी मंडल (पश्चिम) का उग्र प्रदर्शन।**
- **प्रमुख मांग: निशा भगत की मौत के मामले की निष्पक्ष केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराकर दोषियों को कड़ी सजा देने की पुरजोर मांग।**

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबादः झारखंड राज्य में लगातार बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बढ़ते आपराधिक मामलों और प्रशासनिक विफलता के विरोध में



भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का आक्रोश लगातार देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में टुंडी के कोल्हर मोड़ (मनींद्र नाथ मंडल चौक) पर भाजपा टुंडी मंडल (पश्चिम) के कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया गया। मंडल अध्यक्ष गोविंद टुडू के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान झारखंड के मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर सरकार के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया गया।

इस विरोध प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से निशा भगत की संदिग्ध मौत के मामले को उठाया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने एक स्वर में मांग की कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराई जाए, ताकि घटना की सच्चाई सामने आ सके और दोषियों को कठोरतम सजा मिल सके।

कार्यक्रम में इनकी रही मुख्य उपस्थिति

इस पुतला दहन और विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में मुख्य रूप से—

चंद्र मोहन राय
नकुल सिंह
किशोर हेंब्रम
भोला हेंब्रम
प्रदीप रवानी
सूरज कुमार सिंह
हेमलाल पंडित

सहित मंडल के तमाम कर्मठ कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने तथा राज्य में कानून-व्यवस्था को पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त करने की मांग को पुरजोर तरीके से बुलंद किया।

दीपावली और छठ पूजा को लेकर उपायुक्त ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ की शिष्टाचार बैठक

दी पर्वों की शुभकामनाएं

रफ्तार मीडिया

गुमला। दीपावली पर्व एवं छठ पूजा के मद्देनजर शनिवार को उपायुक्त दिलेश्वर महतो की उपस्थिति में जिले के सम्मानित मीडिया प्रतिनिधियों के साथ एक विशेष शिष्टाचार बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त अनिमेष रंजन, अपर समाहर्ता राजीव नीरज एवं एसडीओ अखिलेश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।



बैठक के दौरान उपायुक्त सहित सभी वरीय पदाधिकारियों ने जिले के पत्रकारों को दीपावली एवं छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पदाधिकारियों और पत्रकारों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल में संवाद हुआ। पत्रकारों ने भी अपनी बातें रखीं तथा विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार साझा किए।

उपायुक्त ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ इस आत्मीय मुलाकात के माध्यम से आपसी समन्वय और संवाद को मजबूत बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी मीडिया प्रतिनिधियों के बीच उपहार वितरण किया गया। इसके साथ ही शिष्टाचार बैठक का समापन हुआ।

पारस एचईसी हॉस्पिटल में जटिल सर्जरी कर चाकू से घायल 23 वर्षीय युवक की बचाई जान

वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर

- **पेट और छाती में चाकू के कई वार से बिगड़ी थी हालत, छह दिन में अस्पताल से मिली छुट्टी**

रफ्तार मीडिया

रांचीः पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची में डॉक्टरों ने गंभीर रूप से चाकू से घायल 23 वर्षीय युवक का सफल ऑपरेशन कर उसकी जान बचाई। युवक के पेट और छाती के बाईं ओर चाकू के कई घाव थे। अधिक खून बहने के कारण वह गंभीर शॉक की स्थिति में अस्पताल पहुंचा था। जांच में उसके पेट में छेद, बाईं ओर डायफ्राम फटने तथा छाती में हवा और खून जमा होने की पुष्टि हुई। समय पर इलाज और जटिल सर्जरी के बाद मरीज की हालत में सुधार हुआ और ऑपरेशन के छठे दिन उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

मरीज का इलाज पारस



एचईसी हॉस्पिटल के कंसल्टेंट जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ अमरेंद्र कुमार के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने कहा कि मरीज को इमरजेंसी में लाए जाने के समय उसका ब्लड प्रेशर 80/40 था, जबकि हृदय गति 118 से 125 प्रति मिनट के बीच थी। उसे सांस लेने में भी परेशानी हो रही थी। प्रारंभिक जांच और सीटी स्कैन के बाद मरीज को तत्काल ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया। सर्जरी के दौरान पेट में हुए छेद और बाईं ओर फटे डायफ्राम की मरम्मत की गई। इसके अलावा, बाईं किडनी में भी सतही चोट पाई गई। छाती में हवा और खून जमा होने के कारण चेस्ट ट्यूब डालकर उसे बाहर निकाला गया। ऑपरेशन के बाद मरीज को दो दिनों तक आईसीयू में निगरानी में रखा गया। इसके बाद उसे वार्ड में स्थानांतरित किया गया। स्वास्थ्य में लगातार सुधार होने और भोजन लेने की स्थिति में आने के बाद ऑपरेशन के छठे दिन उसे छुट्टी दे दी गई।

डॉ अमरेंद्र कुमार ने कहा कि गंभीर चोटों के मामलों में समय पर सही पहचान, त्वरित सर्जिकल हस्तक्षेप और ऑपरेशन के बाद उचित देखभाल बेहद महत्वपूर्ण होती है। इस मामले में समय पर किए गए उपचार और समन्वित चिकित्सकीय देखभाल से मरीज की हालत स्थिर हुई और उसे सुरक्षित घर भेजा जा सका।

पारस एचईसी हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. नीतेश कुमार ने कहा कि गंभीर दुर्घटनाओं और ट्रॉमा के मामलों में मरीज को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे मामलों में त्वरित निर्णय, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम और ऑपरेशन के बाद बेहतर देखभाल मरीज की जान बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। पारस एचईसी हॉस्पिटल में हमारा प्रयास है कि गंभीर स्थिति में आने वाले मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए।

निशा भगत आत्महत्या मामला: खलारी में भाजपा ने फूंका मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला, निष्पक्ष जांच की मांग

रफ्तार मीडिया संवाददाता पवन गुप्ता।

खलारी (रांची : झारखंड प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के आह्वान पर शनिवार को खलारी मंडल भाजपा कार्यकर्ताओं ने राय चौक पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। आदिवासी नेत्री निशा कुमारी भगत की कथित आत्महत्या के विरोध में कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया।

कार्यक्रम का नेतृत्व खलारी मंडल भाजपा अध्यक्ष अनिल गंजू ने किया। प्रदर्शन के दौरान



भाजपा कार्यकर्ताओं ने घटना पर गहरा दुख व चिंता व्यक्त करते हुए इसे राज्य में कानून-व्यवस्था और आदिवासी समाज के प्रति सरकार की विफलता करार दिया। कार्यकर्ताओं ने निशा कुमारी भगत को अविलंब न्याय दिलाने तथा पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय व निष्पक्ष जांच कराने की मांग पुरजोर तरीके से उठाई।मंडल अध्यक्ष अनिल गंजू ने कहा कि राज्य में आदिवासी समाज की बेटियां असुरक्षित महसूस कर रही हैं और सरकार संवेदनहीन बनी हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक इस मामले की तह तक जाकर दोषियों को सजा नहीं दिलाई जाती और पीड़िता को न्याय नहीं मिलता, तब तक भाजपा चरणबद्ध आंदोलन जारी रखेगी। इस पुतला दहन कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि फुलेश्वर महतो, मनोज कुमार सिंह, राजू गुप्ता, रवि भूषण सिंह, रितेश कुमार केसरी, एतवारा महतो, दिनेश्वर प्रसाद सोनी, तरुण कुमार, दिलीप गंजू, गणेश महतो, रामेश्वर महतो, अभिजय प्रजापति, कमलेश महतो, नेपाल महतो, अर्जुन केसरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

सिलागाईं में आयोजित महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में हुरहुरी की टीम प्रथम

सिलागाईं की टीम रही द्वितीय

रफ्तार मीडिया संवाददाता

मांडर। महिला खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने और ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में हुरहुरी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि वीर बुधु भगत विद्यालय, सिलागाईं की टीम दूसरे स्थान पर रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य एवं अधिवक्ता आशुतोष तिवारी उपस्थित थे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल जीत और हार का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, संघर्ष और एकता की सीख भी देता है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा साबित कर रही हैं। खेल के मैदान में भी बेटियां किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिला खिलाड़ियों में अपार प्रतिभा है। जरूरत है उन्हें उचित अवसर, प्रोत्साहन और संसाधन उपलब्ध कराने की। खिलाड़ियों को हार से निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए और लगातार मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अनिल गोप, फूलसुंदर, पंचम, सूरज, रामप्यारे, जातरू, माघी, प्रदीप, राजू, डॉ. अनिल, संतोष, परीन, सामू, सोहराई, बंधु, साधनू, अतवा, मुन्ना, गोरिया, विमल, अमोद, चिलगू और सुनील सहित अन्य लोग उपस्थित थे।



सर जे. सी. बोस मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय में इंटर हाउस रंगोली मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

रफ्तार मीडिया संवाददाता

गिरिडीह। सर जे. सी. बोस मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बालिका गिरिडीह में आज इंटर हाउस रंगोली मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी कलात्मक प्रतिभा, रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में भारतीय कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि विकसित करना, रंगों के माध्यम से भावनाओं की अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना तथा आपसी सहयोग, प्रतिस्पर्धात्मक भावना और सौंदर्यबोध का विकास करना था। छात्राओं ने आकर्षक रंगोली बनाकर अपनी कला-कौशल और सृजनात्मक क्षमता का परिचय दिया।

प्रतियोगिता में जूनियर एवं सीनियर वर्ग के परिणाम घोषित किए गए।



जूनियर वर्ग (कक्षा 6–8)

प्रथम स्थान – कल्पना चावला हाउस (कक्षा 6), न्याशा गुप्ता, जेली, स्मृति एवं युग संगम।

द्वितीय स्थान – बीकाजी कामा हाउस (कक्षा 6), सदफ, मनोरमा एवं मानवी।

तृतीय स्थान – कल्पना चावला हाउस (कक्षा 7), लक्ष्मी, राजेश्वरी एवं वजीफा।

सीनियर वर्ग (कक्षा 9–12)

प्रथम स्थान – मदर टेरेसा हाउस (कक्षा 11, कॉमर्स)।

द्वितीय स्थान – बीकाजी कामा हाउस (कक्षा 9-C), रजनी, दिव्यंका एवं तपस्या।

तृतीय स्थान – कल्पना चावला हाउस (कक्षा 9-B), मोनी कुमारी।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मुन्ना प्रसाद कुशवाहा, सीसीए प्रभारी राकेश कुमार सहित इन्द्रदेव साव,बालाजी, संजीव कुमार, मिथिलेश वर्मा, सुषमा कुमारी, वीणा, इशरत, रेनू, पापिया सरकार एवं अन्य शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मी उपस्थित रहे।

प्राचार्य ने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

संपादकीय

सत्ता की चाह में दांव पर राजनीतिक नैतिकता

अभिमत

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे जनता के विश्वास, अपनी विचारधारा और अपने राजनीतिक दल के सिद्धांतों के प्रति ईमानदार रहेंगे। चुनाव के दौरान मतदाता किसी उम्मीदवार को उसकी व्यक्तिगत छवि, विचार, व्यवहार और पार्टी की नीतियों को ध्यान में रखकर उसे अपना प्रतिनिधि चुनते हैं। ऐसे में चुनाव जीतने के बाद जनप्रतिनिधि का अपना राजनीतिक दल छोड़कर दूसरे दल में शामिल हो जाना न केवल मतदाताओं के विश्वास के साथ धोखा है, बल्कि इससे सियासत में नैतिकता का संकट भी पैदा हो रहा है।

पिछले कुछ समय से देश की राजनीति में दल-बदल की प्रवृत्ति में तेजी देखने को मिल रही है। ताजा घटनाक्रम पंजाब का है, जहां आम आदमी पार्टी के तीन विधायक सोमवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। राज्य में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं और ऐसे समय में इन नेताओं के पाला बदलने को सुविधा की सियासत नहीं, तो और क्या कहा जाएगा।

जनतंत्र में विचारों की स्वतंत्रता और राजनीतिक विकल्प बदलने की आजादी है, लेकिन जनप्रतिनिधियों के मामले में इसकी कुछ नैतिक सीमाएं भी होनी चाहिए। यदि किसी जनप्रतिनिधि को अपने दल की नीतियों या नेतृत्व से असहमति हो, तो उसे सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखनी चाहिए और इस्तीफा देकर दोबारा जनता के बीच जाना चाहिए।

पंजाब में इससे पहले बीते अप्रैल में आम आदमी पार्टी के सात सांसदों ने भाजपा का दामन थाम लिया था। हालांकि, इस तरह की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए दल-बदल विरोधी कानून बनाया गया है, मगर जनप्रतिनिधियों के पाला बदलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। कानून की प्रक्रियागत खामियों का फायदा उठाकर राजनीतिक दल अपने हित साधने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। जाहिर है, इस कानून को अधिक प्रभावी बनाने और कार्रवाई में निष्पक्षता सुनिश्चित करने की जरूरत है। सुविधा और सत्ता के लिए बार-बार पाला बदलना राजनीतिक शुचिता की गरिमा को भंग करने जैसा है। राजनीति का मकसद सिर्फ सत्ता हासिल करना ही नहीं होना चाहिए, विचारधारा, सिद्धांत और जनता के प्रति जवाबदेही भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है।



इतिहास

क्या-क्या हुआ

- रानी दुर्गावती का जन्म (1524): अपनी वीरता और साहस के लिए प्रसिद्ध गोंडवाना की शासक रानी दुर्गावती का जन्म हुआ था।
- हेमू का दिल्ली पर अधिकार (1556): हिंदू राजा सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य (हेमू) ने दिल्ली में अकबर की सेना को हराकर सिंहासन पर कब्जा किया।
- मशहूर गायक बेगम अख्तर का जन्म (1914): भारत की प्रसिद्ध गजल, दादरा और ठुमरी गायिका अख्तरी बाई फैजाबादी (बेगम अख्तर) का जन्म हुआ था।
- आरके नारायण का जन्म (1906): भारतीय अंग्रेजी साहित्य के सबसे महान उपन्यासकारों में से एक और 'मालगुडी डेज' के लेखक आरके नारायण का जन्म हुआ।
- नरेंद्र मोदी का मुख्यमंत्री के रूप में पहला शपथ ग्रहण (2001): नरेंद्र मोदी ने पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और अपने राजनीतिक प्रशासनिक सफर की शुरूआत की।
- चंडीगढ़ पंजाब की राजधानी बना (1953): भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने औपचारिक रूप से आधुनिक और नियोजित शहर चंडीगढ़ का पंजाब की नई राजधानी के रूप में उद्घाटन किया।
- भारतीय वायु सेना की विरासत (1932): भारतीय वायु सेना की स्थापना 8 अक्टूबर को हुई थी, लेकिन 7 अक्टूबर 1932 को ही ब्रिटिश साम्राज्य के तहत इसके लिए आधिकारिक विधेयक प्रभावी हुआ था।
- नीदरलैंड्स की एयरलाइन KLM की स्थापना (1919): दुनिया की सबसे पुरानी विमान सेवा कंपनी KLM (रॉयल डच एयरलाइंस) की स्थापना हुई जो आज भी अपने मूल नाम से संचालित हो रही है।
- मशहूर भौतिक विज्ञानी नील्स बोर का जन्म (1885): परमाणु संरचना और क्वांटम थ्योरी को समझाने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक नील्स बोर का जन्म डेनमार्क में हुआ था।
- अफगानिस्तान युद्ध की शुरूआत (2001): अमेरिका में हुए 9/11 हमलों के जवाब में अमेरिकी और ब्रिटिश सेनाओं ने अफगानिस्तान में 'ऑपरेशन एंड्योरिंग फ्रीडम' के तहत तालिबान और अल-कायदा पर हवाई हमले शुरू किए।
- पूर्वी जर्मनी का गठन (1949): द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत नियंत्रण वाले क्षेत्र में आधिकारिक तौर पर जर्मन लोकतांत्रिक गणराज्य (पूर्वी जर्मनी) की स्थापना की घोषणा की गई।

कविता

रौनक और शुभ-लाभ के भाव!

बाजारों में रौनक आई, दीपों का त्योहार है,
शुभ-लाभ और स्वागत के बढ़ गए भाव हैं।
कभी दस रुपये में मिलें थे, मंगल के संदेश,
कीमत सुन सोच रहा, आम आदमी विशेष।

स्वागत करना महँगा, शुभ-लाभ भी महँगा,
महँगाई ने कर दिया है, हर उत्सव को तंगा!
लक्ष्मीजी के चरणों का हैं, बढ़ गया बाजार,
पूजा से पहले जेब टटोले, हरेक दुकानदार।

शंख, स्वास्तिक व कलश, सभी के दाम बढ़े,
खुशियों के इस पर्व में, बजट के पहिए अड़े।
तीन दिनों का बाजार हुआ, 5 दिनों से कम,
खरीदार की जेब में पैसा, दुकानदार को गम।

तीस फीसदी दाम बढ़े हैं, ग्राहक हुआ उदास,
बिक्री की उम्मीदों पर भी, पड़ने लगी है घास।
शुभ-लाभ के खेल में, लाभ किसे मिल पाए?
शुभ की आशा लें ग्राहक, खाली हाथ न जाए।

लक्ष्मी पूजा तभी सफल, जब मन में हो प्यार,
अब मंगल के प्रतीकों को ना बनाओं व्यापार।
दीप जलें हर घर-आँगन, खुशियों की बरसात,
महँगे शुभ-लाभ से बेहतर, 'सस्ती' हो सौगात।





संजय एम तराणेकर
लेखक

लोक मुद्दा

देहरी पर खूब दीये जलाएँ, लेकिन अपने भीतर बोध का दीप जरूर जलाएँ

अहंकार केवल घमंड नहीं, वह 'मैं' है जो कहता है: मैं अमीर हूँ, सफल हूँ, मेरा पद बड़ा है, मेरी मान्यता सही है। वह बाहरी चीजों से पहचान उधार लेता है और उसकी रक्षा में जीवन खपाता है। कोई प्रशंसा करे तो हम फूल जाते हैं, आलोचना करे तो आहत होते हैं। किसी की सफलता अपनी हार लगती है। हम दूसरे को दोष देते हैं, पर अपनी आहत पहचान को नहीं देखते। आत्मबोध अपने बारे में अच्छी बातें सोचने का नाम नहीं, अपनी वास्तविक स्थिति को ईमानदारी से देखना है। मैं किससे डरता हूँ? किसकी स्वीकृति चाहता हूँ? किस मान्यता को केवल इसलिए सही मानता हूँ कि वह मेरी है? ये प्रश्न असुविधाजनक हैं, पर झूठ को देखे बिना उससे मुक्त कैसे होंगे?



आचार्य प्रशांत

इस दीपावली घर सजाइए, दीप जलाइए, खुशियाँ बाँटिए। लेकिन देखिए कि उत्सव वास्तविक आनंद से निकल रहा है या दिखावे और सामाजिक दबाव से। श्रीराम का स्मरण करते हुए अपने निर्णयों को परखिए। कोई झूठ दिखाई दे तो उसे छोड़ने की कीमत चुकाने से पीछे मत हटिए। देहरी पर खूब दीये जलाएँ, लेकिन बाहरी उजाले को भीतर का अंधकार छिपाने का बहाना न बनने दें।

दीपावली आते ही घरों में सफाई शुरू हो जाती है। पुरानी वस्तुएँ हटती हैं, कोने चमकते हैं। उधर बाजार कपड़ों, आभूषणों और उपहारों से भर जाते हैं। एक ओर घर से अनावश्यक सामान निकालते हैं, दूसरी ओर नई वस्तुओं से उसे फिर भरते हैं। लेकिन जिस गंभीरता से घर साफ करते हैं, क्या उसी गंभीरता से अपने जीवन की भी जाँच करते हैं?

दीपावली प्रकाश का पर्व है। लेकिन प्रकाश तभी सार्थक है जब अंधकार पहचाना जाए। घर का अंधेरा दिख जाता है, भीतर का नहीं। जिस अहंकार के कारण अंधकार है, वही अपने को सही मानता है। हम लोभ को जरूरत, भय को समझदारी और आसक्ति को प्रेम कह देते हैं। मान लेते हैं कि कुछ और सुविधाएँ, थोड़ी और सफलता मिल जाए तो सब ठीक हो जाएगा। क्या दीपावली इस विश्वास की जाँच का अवसर नहीं?

इस पर्व से जुड़ी मान्यता है कि चौदह वर्ष के वनवास के बाद श्रीराम अयोध्या लौटे और उनके स्वागत में दीप जले। लेकिन उनके उत्सव में यह भी पूछें कि राम हमारे लिए क्या अर्थ रखते हैं। उनका महत्व केवल राजपाट, वनवास और विजय में नहीं है। राम उस दिशा का नाम भी हैं जिसमें मनुष्य अपने भय, स्वार्थ और झूठी पहचानों से मुक्त होकर अहंकार को क्षीण करने की ओर बढ़े। राम का नाम लेना सहज है; उस दिशा में बढ़ना कठिन।

विडंबना देखिए। राम का स्मरण हमें अपने भ्रमों की जाँच के लिए प्रेरित करे, लेकिन उनके उत्सव में हम सोना, सजावट और खर्च का हिसाब लगाने लगते हैं। कितना खरीदा, घर कितना भव्य दिखा, उत्सव यहीं सिमट जाता है। लेकिन अपने किसी स्वार्थ या प्रिय मान्यता पर प्रश्न उठाने का साहस नहीं होता। यदि लोभ और भय जस-के-तस रहें, तो बाहरी आयोजन से रामत्व कैसे आएगा?

इसका अर्थ यह नहीं कि नए कपड़े पहनना, मिठाई बाँटना या उपयोगी वस्तु खरीदना गलत है। प्रश्न वस्तु का नहीं, उसे चाहने वाले का है। एक व्यक्ति जरूरत के लिए उपकरण खरीदता है; दूसरा इसलिए कि पड़ोसी के पास भी है। बाहरी कर्म समान, नीयत अलग। दूसरे को वस्तु से अधिक यह भरोसा चाहिए कि वह किसी से कम नहीं। अहंकार इसी तरह बाहरी वस्तुओं से अपने को पूरा करना चाहता है, जबकि वे ऐसा कर नहीं सकतीं।

हम बाजार को दोष देते हैं, लेकिन उसके प्रस्ताव लुभाते क्यों हैं? दूसरे की महँगी गाड़ी देखकर अपनी ज़िंदगी छोटी क्यों लगने लगती है? अहंकार अपने को अपूर्ण मानकर जीता है। एक इच्छा पूरी होती है, कुछ देर राहत मिलती है, फिर दूसरी इच्छा उठती है। समस्या खरीदारी से अधिक उस उम्मीद में है कि अगली वस्तु भीतर की कमी मिटा देगी। बाहरी चीजों पर टिकी पहचान के साथ उन्हें खो देने का भय भी बना रहता है। धन, कमाना या सुविधाएँ जुटाना दोष नहीं; गरीबी का महिमामंडन भी अध्यात्म नहीं। लक्ष्मी पूजन करते हुए पूछिए कि धन किसलिए चाहिए। आवश्यकताओं और सार्थक काम के लिए, या प्रतिष्ठा बढ़ाने और अपनी असुरक्षा ढकने के लिए? धन बढ़ना और भीतर से स्वतंत्र होना अलग बातें हैं। साधन बढ़ते जाएँ, लेकिन उन्हें चाहने वाला अहंकार जस-का-तस रहे, तो क्या बदला?



अहंकार केवल घमंड नहीं, वह 'मैं' है जो कहता है: मैं अमीर हूँ, सफल हूँ, मेरा पद बड़ा है, मेरी मान्यता सही है। वह बाहरी चीजों से पहचान उधार लेता है और उसकी रक्षा में जीवन खपाता है। कोई प्रशंसा करे तो हम फूल जाते हैं, आलोचना करे तो आहत होते हैं। किसी की सफलता अपनी हार लगती है। हम दूसरे को दोष देते हैं, पर अपनी आहत पहचान को नहीं देखते।

आत्मबोध अपने बारे में अच्छी बातें सोचने का नाम नहीं, अपनी वास्तविक स्थिति को ईमानदारी से देखना है। मैं किससे डरता हूँ? किसकी स्वीकृति चाहता हूँ? किस मान्यता को केवल इसलिए सही मानता हूँ कि वह मेरी है? ये प्रश्न असुविधाजनक हैं, पर झूठ को देखे बिना उससे मुक्त कैसे होंगे? बोध कोई नई आध्यात्मिक पहचान पाना नहीं, झूठी पहचानों की असलियत जानना है।

लेकिन देख लेना भी पर्याप्त नहीं। कोई इच्छा या मान्यता झूठी दिख गई तो क्या उसके अनुसार बदलने की नीयत है? बदलाव की कीमत होती है। दिखावे से हटें तो प्रतिष्ठा घटने का डर होगा; पुरानी मान्यता छोड़ें तो पहचान डगमगाएगी। उस कीमत को देखने से ही बचते रहें, तो आत्मबोध की बातें व्यर्थ हैं। वास्तविक परिवर्तन के लिए ईमानदारी से देखना और सही नीयत, दोनों चाहिए। बात नए संकल्प लेने की नहीं, जो झूठ दिखाई दे उसे बचाना बंद करने की है। घर के पुराने सामान की तरह भीतर भी नाराजगी, तुलना और दूसरों की स्वीकृति की भूख जमा रहती है। क्रोध दबाने से पहले देखिए कि उसके पीछे कौन-सी अपेक्षा है। ईर्ष्या रोकने के बजाय पूछिए कि दूसरों से श्रेष्ठ दिखना इतना जरूरी क्यों है। जड़ को देखे बिना व्यवहार बदलेंगे तो उलझन नए रूप में लौट सकती है।

पिछली दीपावली से अब तक भीतर क्या बदला? क्या कोई भ्रम टूटा, व्यर्थ भय कम हुआ, कोई सही कदम उठाया जिसे टाल रहे थे? यदि उत्सव के बाद जीवन फिर पुराने ढर्रे पर चले, तो रोशनी ने एक रात सजाई, जीवन नहीं। त्योहार बेचैनी से भागने के बजाय उसे समझने का अवसर बन सकता है।

इस समझ का असर व्यवहार में भी दिखना चाहिए। कामनाओं में डूबे रहने पर दूसरों की पीड़ा और प्रकृति पर अपने कर्मों का प्रभाव दिखाई नहीं देता। अनावश्यक उपभोग और प्रदूषण का कष्ट पशु-पक्षी भी झेलते हैं। करुणा केवल त्योहार पर दान करने में नहीं, अहंकार को समझकर दूसरों के दुख की जड़ तक पहुँचने में भी है। जिसे अपनी ही चाह का पता नहीं, वह दूसरे का दुख कैसे समझेगा?

इस दीपावली घर सजाइए, दीप जलाइए, खुशियाँ बाँटिए। लेकिन देखिए कि उत्सव वास्तविक आनंद से निकल रहा है या दिखावे और सामाजिक दबाव से। श्रीराम का स्मरण करते हुए अपने निर्णयों को परखिए। कोई झूठ दिखाई दे तो उसे छोड़ने की कीमत चुकाने से पीछे मत हटिए। देहरी पर खूब दीये जलाएँ, लेकिन बाहरी उजाले को भीतर का अंधकार छिपाने का बहाना न बनने दें। घर का अंधेरा मिटाने के लिए दीया पर्याप्त है; जीवन का अंधेरा मिटाने के लिए बोध जरूरी है।

आचार्य प्रशांत दार्शनिक और लेखक हैं। उनका कार्य आत्म-अन्वेषण और समकालीन जीवन में उसके अनुप्रयोग पर केंद्रित है।

लोक विचार

गौ सेवा : प्रकृति संरक्षण और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का संकल्प



राजेन्द्र शुक्ल

राज्य सरकार का संकल्प है कि मध्यप्रदेश में गौवंश को निराश्रित छोड़ने की समस्या का स्थायी समाधान हो। इसके लिए गौशालाओं की क्षमता बढ़ाने, चारे की उपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं, बेहतर प्रबंधन और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही गौपालन को किसानों की अतिरिक्त आय का माध्यम बनाने, दुग्ध उत्पादन और पशुपालन आधारित स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं।

गोवर्धन पूजा हमारी सनातन संस्कृति का ऐसा पावन पर्व है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, गौ-माता के प्रति श्रद्धा और समस्त जीव-जगत के संरक्षण का संदेश देता है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत धारण करने की लीला हमें सिखाती है कि प्रकृति, पर्वत, जल, वनस्पति और गौवंश का संरक्षण मानव जीवन के अस्तित्व और समृद्धि के लिए अनिवार्य है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व और समाज के सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है।

भारत की संस्कृति में गौ-माता को विशेष स्थान प्राप्त है। हमारी कृषि व्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पोषण, पर्यावरण और सामाजिक जीवन में गौवंश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज देश अपनी इसी समृद्ध परंपरा को आधुनिक विकास की अवधारणा के साथ जोड़कर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी का विजन है कि गांव आत्मनिर्भर बनें, किसान समृद्ध हों, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो और अपशिष्ट भी आर्थिक संपदा में परिवर्तित हो। गौ-संवर्धन, प्राकृतिक खेती, जैविक खाद और गोबर से स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन इसी व्यापक दृष्टिकोण के महत्वपूर्ण आयाम हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ की गई प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने की पहल और गोबर-धन जैसी योजनाएं इस सोच को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान कर रही हैं। गोबर-धन के माध्यम से गोबर एवं अन्य जैविक अपशिष्ट से बायोगैस और कम्प्रेस्ड बायोगैस उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे स्वच्छ ऊर्जा के साथ जैविक खाद का उत्पादन, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और किसानों के लिए आय के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। अगस्त 2026 में केंद्र सरकार द्वारा 23,731 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली राष्ट्रीय सकुर्लर बायोएनर्जी योजना को स्वीकृति दिया जाना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रधानमंत्री जी के वेस्ट-टू-वेल्थ और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और गति प्रदान करेगा।



मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार गौ-संरक्षण एवं संवर्धन को जनभागीदारी और आर्थिक स्वावलंबन से जोड़कर आगे बढ़ा रही है। प्रदेश में वर्ष 2024-25 को गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया गया। गौशालाओं को मिलने वाली सहायता राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गौवंश प्रतिदिन की गई है। गौवंश के भरण-पोषण के लिए बजट में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। पंजीकृत एवं संचालित गौशालाओं को डीबीटी के माध्यम से सीधे अनुदान राशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे गौवंश के लिए चारा, आहार, देखभाल और आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा सके।

प्रदेश सरकार का प्रयास है कि गौशालाएं केवल निराश्रित गौवंश को आश्रय देने तक सीमित न रहें, बल्कि वे आत्मनिर्भरता और ग्रामीण रोजगार के केंद्र भी बनें। गोबर से जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, गो-काष्ठ, उपले तथा अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार करने से गौशालाओं की आय बढ़ सकती है। गोबर और गोमूत्र आधारित प्राकृतिक खेती से खेती की लागत कम करने, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के अवसर उपलब्ध होते हैं। इस प्रकार गौ-संवर्धन किसान, पशुपालक, महिला स्व-सहायता समूह और ग्रामीण उद्यमियों के आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम बन सकता है।

विंध्य की धरती पर गौ-संरक्षण और प्राकृतिक खेती के इसी समन्वित दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण बसामन मामा गोवंश वन्य विहार, रीवा है। यह केवल गौवंश के आश्रय का केंद्र नहीं, बल्कि गौ-सेवा, पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और प्राकृतिक खेती का एक विकसित होता मॉडल है। लगभग एक हजार एकड़ वन क्षेत्र से घिरे इस परिसर में निराश्रित गौवंश के संरक्षण के साथ प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। यहां गोबर और गोमूत्र से जैविक खाद तथा अन्य उत्पाद तैयार करने की संभावनाओं को विकसित किया जा रहा है। गौवंश आधारित प्राकृतिक खेती का यह प्रयोग छोटे और सीमांत किसानों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित हो सकता है।

गत 25 दिसंबर 2025 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी का रीवा स्थित बसामन मामा गोवंश वन्य विहार में आगमन हमारे लिए विशेष गौरव का विषय रहा। केंद्रीय मंत्री शाह जी ने गौवंश वन्य विहार का अवलोकन किया तथा गौ-संरक्षण और प्राकृतिक खेती के प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने बसामन मामा गोवंश वन्य विहार को प्राकृतिक खेती के माध्यम से छोटे और सीमांत किसानों को समृद्ध बनाने का सफल प्रयोग बताया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से किसानों की आय बढ़ेगी, पानी का संरक्षण होगा और लोगों को अनेक प्रकार की बीमारियों से बचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने पारंपरिक कृषि पद्धतियों को अपनाने और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का आह्वान भी किया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह का यह वक्तव्य हमारे लिए मार्गदर्शक है। बसामन मामा में विकसित हो रहा मॉडल यह प्रमाणित करता है कि गौवंश का संरक्षण और किसानों की आर्थिक समृद्धि एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं। इस क्षेत्र को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के ऐसे मॉडल के रूप में विकसित करने का प्रयास है, जहां गौशाला से प्राप्त संसाधनों का उपयोग कृषि, उद्यानिकी, जैविक खाद और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने में किया जा सके।

लेखक - मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं



पानी पर खूबसूरती बिखेरता गुलदाउदी का बगीचा

बीजिंग। तस्वीरें चीन के जिआंगसू प्रांत में स्थित कियानदुओ की है, जो इन दिनों अलग-अलग रंग के फूलों से खिल उठा है। यहां पानी से घिरे खेतों में करीब 66 हेक्टेयर में गुलदाउदी और गेंदा के फूल खूबसूरती बिखेर रहे हैं। यह इलाका अपनी अनोखी 'दुओतियान' जल-खेती प्रणाली के लिए प्रसिद्ध है, जहां किसान दलदली जमीन पर मिट्टी के टापू बनाकर फूल उगाते हैं। ऊपर से देखने पर यह 'फूलों का समुद्र' लगता है। अक्टूबर की शुरुआत में शुरू होने वाले इस फूल उत्सव में हर साल हजारों सैलानी पहुंचते हैं। पिछले वर्ष यहां करीब 24 हजार पर्यटक आए थे, इस बार 60 हजार से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है।

न्यूज ट्रैक

अभिषेक का आरोप-भाजपा समर्थकों ने घर पर हमला किया



कोलकाता। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने भाजपा समर्थकों पर देर रात करीब 2 बजे उनके घर पर हमला करने का आरोप लगाया है। उन्होंने एक्स पर वीडियो शेयर कर दावा किया कि उनके जन्मदिन पर कुछ लोग हथियार लेकर घर में घुसे और पत्थर फेंके।उन्होंने इसे जान से मारने की साजिश बताते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। घटना के बाद अभिषेक समर्थकों के साथ कोलकाता के अपने घर के बाहर धरने पर बैठ गए।इस दौरान बीजेपी और टीएमसी समर्थकों के बीच झड़प हुई, जिसमें महिलाओं समेत कई लोगों के घायल होने की खबर है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बैरिकेडिंग की और अतिरिक्त बल तैनात किया।जन्मदिन के पोस्टर लगाने को लेकर शुरू हुआ विवादजानकारी के मुताबिक, कालीघाट स्थित अभिषेक बनर्जी के आवास के बाहर समर्थक जन्मदिन के बैनर और पोस्टर लगा रहे थे। इसी दौरान स्थानीय बीजेपी कार्यकर्ताओं से उनकी कहासुनी हो गई। टीएमसी समर्थकों ने आरोप लगाया कि बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पत्थर और लोहे की छड़ों से हमला किया। वहीं, बीजेपी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया।

राजस्थान: फरार नरेश मीणा पर पुलिस ने 25 पैसे का इनाम रखा



बारां। राजस्थान के बारां जिले में वनकर्मियों से मारपीट और जनरेटर छुड़ाकर ले जाने के मामले में फरार चल रहे युवा नेता नरेश मीणा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंडासु ने उनकी गिरफ्तारी पर महज 25 पैसे का इनाम घोषित किया है। उधर, अटरू पुलिस उपअधीक्षक रामानंद यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुंदलाई गांव स्थित एक फार्म हाउस पर छापेमारी की। इस दौरान नरेश मीणा तो पुलिस के हाथ नहीं लगे, लेकिन थार गाड़ी में सवार उनके दो सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का दावा है कि नरेश मीणा दोनों सहयोगियों से आगे चल रहे थे और मौके से भागने में सफल रहे।अटरू पुलिस उपअधीक्षक रामानंद यादव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नरेश मीणा की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस को मिली सूचना के आधार पर गुंदलाई गांव स्थित फार्म हाउस पर छापेमारी की गई थी।

झारखंड एचसी का फैसला: सीधी भर्ती वाले दरोगा ही माने जाएंगे

रांची। झारखंड पुलिस में दरोगा से इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नति को लेकर लंबे समय से चल रहा वरीयता विवाद अब खत्म हो गया है। झारखंड हाई कोर्ट ने वर्ष 2019 में सीधी भर्ती के जरिए नियुक्त हुए दरोगाओं के पक्ष में फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि सेवा में वरिष्ठता के मामले में सीधी नियुक्ति से आए दरोगा ही वरिष्ठ माने जाएंगे। इस फैसले से राज्य पुलिस में दरोगा से इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की पीठ ने सीधी भर्ती वाले पुलिस अधिकारियों की याचिका स्वीकार करते हुए उनकी वरीयता को सही माना। सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से सिपाही पद से प्रोन्नत होकर दरोगा बने पुलिसकर्मियों और सीधी भर्ती वाले दरोगाओं के बीच वरिष्ठता को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

पैराग्वे- राष्ट्रपति पेना पद से हटाए गए, हाउस अरेस्ट हुए

देश का बड़ा बैंक डूबने पर कार्रवाई इससे 30 लाख लोग प्रभावित हुए

असुनसियोन। एजेंसी

पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को शुक्रवार को पद से हटा दिया गया। सीनेट के सभी 44 सदस्यों ने उन्हें हटाने के पक्ष में वोट दिया। इसके बाद पेना को उनके घर में ही 'हाउस अरेस्ट' कर दिया गया है। देश के बड़े बैंक यूएनो के डूबने के बाद उन पर सरकारी पैसे के गलत इस्तेमाल और भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। बैंक बंद होने से करीब 30 लाख लोग प्रभावित हुए थे। राष्ट्रपति पद से हटाए जाने के बाद पेना को आर्थिक अपराध और भ्रष्टाचार विरोधी जांच एजेंसी के सामने पेश होना है। तब तक उन्हें घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। इस मामले में पूर्व केंद्रीय बैंक प्रमुख कार्लोस कावाली की गिरफ्तारी के आदेश भी दिए गए हैं। उन्हें पेना ने ही इस पद पर नियुक्त किया था। सांसदों का आरोप है कि पेना ने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करके सरकारी धन के करोड़ों डॉलर यूएनो बैंक में जमा करवाए। इनमें सरकारी पेंशन फंड के 35.5 करोड़ डॉलर भी शामिल थे। आरोप है कि यह रकम तय कानूनी सीमा से ज्यादा थी।



पेना के अपने ही पार्टी के लोग खिलाफ हुए

इस पूरे मामले ने पैराग्वे की राजनीति में बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। पेना की अपनी पार्टी भी उनके खिलाफ हो गई थी और सरकार के चार वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया था। इस विरोध की अगुआई पूर्व राष्ट्रपति और कोलोराडो पार्टी के प्रमुख होरासियो कार्तेस ने की। ये कभी पेना के राजनीतिक गुरु रहे थे। कार्तेस ने ही उन्हें वित्त मंत्री बनाया था और राष्ट्रपति चुनाव में समर्थन दिया था। लेकिन राष्ट्रपति बनने के बाद पेना ने अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाने की कोशिश शुरू कर दी थी।

उपराष्ट्रपति ने संभाली राष्ट्रपति की कुर्सी

पेना को हटाए जाने के बाद उपराष्ट्रपति पेड्रो अलीआना ने शुक्रवार को राष्ट्रपति पद की शपथ ली। वे अगस्त 2028 तक बचा हुआ कार्यकाल पूरा करेंगे। 52 साल के अलीआना लंबे समय से सत्ता में रही कंजर्वेटिव कोलोराडो पार्टी के नेता हैं।

वेनेजुएलाई युवक हथियारों के साथ व्हाइट हाउस के पास गिरफ्तार

वॉशिंगटन डीसी। एजेंसी

अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास एक वेनेजुएला का युवक हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) के मुताबिक, उसके पास से तीन बंदूकें और कई कारतूस मिले हैं। डीएचएस ने बताया कि सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने युवक को वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के बाहर एक कार में संदिग्ध हालत में देखा। पूछताछ में उसने बताया कि उसके सिर में आवाजें आती हैं, जो उसे ट्रम्प को मारने के लिए कहती हैं। दरअसल, जनवरी में अमेरिकी सैनिकों ने वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया था। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया, जहां उन्हें डिटेंशन सेंटर में रखा गया है।

गाजियाबाद में धमाका

तहरीक ए मुजाहिदीन ने ली जिम्मेदारी, कहा- भगवा हुकुमत के खिलाफ लड़ाई का एलान



गाजियाबाद। एजेंसी

गाजियाबाद के इंदिरापुरम की वसुंधरा पुलिस चौकी पर बीती रात हुए संदिग्ध धमाके के मामले में कई जांच एजेंसियां जांच में जुटी हुई है। वहीं, एक गाजी नाम से बने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट डाली गई है। इसमें तहरीक ए मुजाहिदीन द्वारा इस धमाके की जिम्मेदारी लेते हुए भगवा हुकुमत के खिलाफ लड़ाई का एलान किया है। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस रिजुल कुमार ने एएनआई से फोन पर बातचीत में बताया कि छह नवंबर को रात करीब 9 बजे इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के वसुंधरा पुलिस आउटपोस्ट में एक धमाका हुआ। आउटपोस्ट की दो खिड़कियों के शीशे टूट गए और उनमें दरारें आ गईं।

उस समय वहां पुलिसकर्मी मौजूद थे, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई। कांच का एक टुकड़ा लगने से एक डिलीवरी बॉय के सिर में चोट आई, जिसे अस्पताल ले जाया गया। अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। बम स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर सैंपल लिए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेज दिया गया है। 'तहरीक-ए-मुजाहिदीन' नामक एक समूह द्वारा सोशल मीडिया पर इस घटना की जिम्मेदारी लेने के दावे के बारे में उन्होंने कहा, 'मामले की जांच की जा रही है। मौके पर बारूद, विस्फोटक या ऐसी कोई अन्य सामग्री नहीं मिली है; डॉग स्क्वॉड की जांच में भी कुछ ऐसा नहीं मिला।'

यह था पूरा मामला

गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने की वसुंधरा चौकी में शुक्रवार रात करीब 10 बजे हुए धमाके से दो अलग-अलग कमरों में लगी दो खिड़कियां टूट गईं, जबकि दीवार में भी दरार आ गई। धमाका इतना तेज था कि चौकी परिसर में अफरा तफरी मच गई। इस दौरान डिलीवरी बॉय झुलस गया। पुलिस धमाके की वजह एसी में ब्लास्ट होने की बात कह रही है। हालांकि कुछ लोग चौकी में रखे पटाखों में विस्फोट होने की बात कह रहे हैं। पुलिस के आला अधिकारी और अलग-अलग एजेंसी जांच में जुट गई हैं।

नेकां अंतर्कलह: 11 दिन से बागी 15 विधायक 2 घंटे में माने, फारूक बोले-सब ठीक है...

श्रीनगर। एजेंसी

नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर 27 अक्तूबर से सुलग रही बगावत की चिंगारी 11वें दिन शुक्रवार को ठंडी नजर आई। उमर कैबिनेट के मौजूदा फेरबदल से नाराज 15 विधायकों की पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के गुपकार रोड स्थित आवास पर बंद कमरे में करीब दो घंटे चली मैराथन बैठक में सुलह का रास्ता निकल आया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की मौजूदगी में असंतुष्टों की बात सुनी गई। निर्दलीयों को बैठक से दूर रखा गया। बातचीत के बाद सभी विधायक पार्टी आलाकमान के साथ बाहर आए। फारूक ने नेकां में अंदरूनी कलह को खारिज किया, कहा- पार्टी एकजुट है। विधायकों की चिंताएं वाजिब हैं, जिन्हें दूर किया जाएगा। पार्टी में डैमेज कंट्रोल के मकसद से असंतुष्ट विधायकों को डॉ. फारूक के आवास पर अहम और निर्णायक चर्चा के लिए सुबह सुबह 10:00 से 10:30 बजे के बीच बुलाया गया था। इसमें कश्मीर, पीर पंजाल और चिनाब वैली से 15 वरिष्ठ विधायक शामिल हुए। इतनी बड़ी तादाद में पार्टी प्रमुख विधायकों के लामबंद होकर एक मंच पर आने से पार्टी नेतृत्व पर दबाव साफ महसूस किया जा रहा था। आलाकमान ने बैठक से पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि यह नेकां का आंतरिक मामला है। ऐसे में निर्दलीय विधायकों को शामिल नहीं किया जाएगा। करीब दो घंटे चली गहन चर्चा के दौरान विधायकों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं।



स्मैक तस्करी: छापेमारी करने निकले टाइगर मोबाइल जवान की हत्या

जहानाबाद। बिहार के जहानाबाद जिले में स्मैक तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करने निकले टाइगर मोबाइल के एक जवान की हत्या का मामला सामने आया है। जवान धनेश्वर यादव का शव दो दिन बाद दरधा नदी में मिला। वह गुरुवार देर शाम छापेमारी के लिए निकले थे, लेकिन इसके बाद से लापता थे। घटना काको थाना क्षेत्र के नदियावां के समीप की है। शव मिलने की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, टाइगर मोबाइल के जवान धनेश्वर यादव गुरुवार देर शाम स्मैक तस्करी के खिलाफ छापेमारी के लिए निकले थे।

युवक ने आग लगाकर की आत्महत्या, 20 साल की युवती को सुसाइड नोट में ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली। एजेंसी

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में एक बर्तन बनाने वाली फैक्टरी में शुक्रवार को एक 47 वर्षीय शादीशुदा व्यक्ति ने खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान संदीप के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर का रहने वाला था और अपने पत्नी व दो बच्चों के साथ रहता था। पुलिस के अनुसार, संदीप ने एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उसने अपनी इस हरकत के लिए एक युवती के साथ अपने रिश्ते के खत्म होने को जिम्मेदार ठहराया है। संदीप अक्सर अपने एक दोस्त के घर जाता था, जहां उसकी दोस्ती दोस्त की 20 वर्षीय बेटी से हुई।

¥æ´·¤ÇU¸æ

2020 में 808 थे, 2025 में 2 हजार से ज्यादा

रिपोर्ट: मेडिकल डिवाइस से गंभीर नुकसान के मामले 3 गुना बढ़े

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में मेडिकल डिवाइस के इस्तेमाल से मरीजों को होने वाले गंभीर नुकसान के मामलों में पिछले छह साल में करीब तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। इंडियन फार्माकोपिया कमीशन के आंकड़ों के मुताबिक, 2020 में ऐसे 808 मामले दर्ज हुए थे, जो 2025 में बढ़कर 2,176 हो गए। 2020 से अब तक कुल 9,373 गंभीर मामले सामने आए हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, ये आंकड़े पहली बार सूचना के अधिकार के जरिए सामने आए हैं। सेंट्रल इन्फॉर्मेशन कमीशन के आदेश के बाद आईपीसी ने यह जानकारी उपलब्ध कराई। गंभीर मामलों में मरीज की जान को खतरा, लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने या दूसरी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होने जैसी स्थितियां शामिल हैं।



हर साल हजारों शिकायतें, लेकिन बहुत कम मामले सीडीएससीओ भेजे गए

आईपीसी की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, मेडिकल डिवाइस से जुड़ी घटनाओं की जानकारी मिलने के बाद बहुत कम मामलों को आगे की कार्रवाई के लिए सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) के पास भेजा गया। तीन वित्त वर्षों के आंकड़ों में शिकायतों और जांच के लिए भेजे गए मामलों के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है।

संदिग्ध डिवाइसों में रोजमर्रा के मेडिकल सामान भी शामिल

आईपीसी की रिपोर्ट में दर्ज घटनाओं में से जिन मामलों को आगे की जांच के लिए भेजा गया, उनमें कई तरह के मेडिकल उपकरण शामिल थे। इनमें सर्जिकल दस्ताने, सिरिंज, यूरिन बैग, प्रेग्नेंसी टेस्ट किट, कैथेटर और ब्लड प्रेशर मॉनिटर जैसे सामान थे। इसके अलावा दवा छोड़ने वाले स्टेंट, मैकेनिकल वेंटिलेटर और ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेट भी सूची में शामिल थे। खास बात यह है कि 2022-23 की सूची में एक पुरुष कंडोम को भी संदिग्ध मेडिकल डिवाइस के तौर पर दर्ज किया गया था।

गंभीर मामलों के आंकड़े अलग से सार्वजनिक नहीं किए जाते थे

आईपीसी देशभर के 775 निगरानी केंद्रों से मेडिकल डिवाइस के इस्तेमाल के बाद होने वाली परेशानियों की जानकारी जुटाता है। इन्हें मेडिकल डिवाइस एडवर्स इवेंट यानी एमडीएई कहा जाता है। आईपीसी अपनी सालाना रिपोर्ट में ऐसी सभी घटनाओं की कुल संख्या बताता था, लेकिन सीरियस एडवर्स इवेंट यानी एसएई के आंकड़े अलग से जारी नहीं करता था। एक एजेंसी के मुताबिक, केंद्रीय सूचना आयोग के 10 सितंबर के आदेश के बाद उसे 27 अक्टूबर को ये आंकड़े मिले। सूचना आयुक्त जया वर्मा सिन्हा ने 11 पन्नों का आदेश जारी कर आईपीसी को गंभीर घटनाओं की जानकारी देने को कहा था।

न्यूज ब्रीफ

प्रदूषण से दिल्ली में 5वीं तक के स्कूल किए बंद



नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की हवा लगातार खराब हो रही है। कई इलाकों में एक्यूआई 500 तक पहुंच गया है। ये गंभीर स्तर माना जाता है। इस बीच उअदट ने राजधानी में पाबंदियां लागू कर दी हैं। यह फैसला तब लिया गया जब दिल्ली का औसत अदक382 तक पहुंच गया। ग्रैप-3 401 से 450 के बीच एक्यूआई होने पर लागू होता है, जबकि चौथा चरण ग्रैप-4 एक्यूआई 450 से अधिक होने पर लागू किया जाता है। छोटे बच्चों को जहरीली हवा से बचाने के लिए 5वीं कक्षा तक के स्कूलों को बंद करना और पढ़ाई को ऑनलाइन मोड में शिफ्ट करना। रेलवे, मेट्रो निर्माण, हवाई अड्डे, रक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी आवश्यक सार्वजनिक परियोजनाओं को, धूल और कचरा प्रबंधन के कड़े नियमों का पालन करते हुए, जारी रखने की अनुमति है।

चीन बांग्लादेश को 22 हजार करोड़ के फाइटर जेट देगा

ढाका। चीन अगले साल बांग्लादेश को करीब 22 हजार करोड़ रुपए के जे-सीरीज फाइटर जेट देगा। इन विमानों को उड़ाने की ट्रेनिंग पाकिस्तान की एयरफोर्स देगी। इसके लिए



पाकिस्तानी ट्रेनर भारत की सीमा से करीब 40 किलोमीटर दूर बांग्लादेश के जेस्सोर एयरबेस पर पायलट्स को प्रशिक्षण दे सकते हैं। पाकिस्तान की एयरफोर्स 2022 से चीन में बने जे-सीरीज फाइटर जेट उड़ा रही है। चीन के बाद पाकिस्तान के पास इन विमानों का सबसे बड़ा बेड़ा है। इसी वजह से उसके पास इन विमानों को उड़ाने का सबसे ज्यादा अनुभव भी है। ढाका में जॉइंट एक्सचेंज प्रोग्राम चलाएगा पाकिस्तान चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की वायुसेना के अफसरों की दिसंबर में ढाका में बैठक भी होगी। ढाका में होने वाले जॉइंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पाकिस्तानी एयरफोर्स बांग्लादेशी पायलट्स को ट्रेनिंग देगी। इसके अलावा रडार से दुश्मन के विमानों की पहचान और उन पर नजर रखने वाले कंट्रोलर्स को भी ट्रेनिंग दी जाएगी।

हार के बाद ट्रम्प ने करीबी सलाहकार सूसी को निकाला:स्टीफन मिलर को जिम्मेदारी; भारत विरोधी बयानों से चर्चा में आए थे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद व्हाइट हाउस में बड़ा बदलाव हुआ है। सूसी वाइल्स ने चीफ ऑफ स्टाफ पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उनकी जगह स्टीफन मिलर को यह जिम्मेदारी सौंपी है। मिलर इससे पहले व्हाइट हाउस में डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ थे। वह 9 नवंबर से नया पद संभालेंगे। मिलर भारत विरोधी बयानों की वजह से कई बार चर्चा में रह चुके हैं।

सुसी चीफ ऑफ स्टाफ बनने वाली पहली महिला

सुसी वाइल्स ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ बनने वाली पहली महिला थीं। उन्होंने 2024



के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। चीफ ऑफ स्टाफ राष्ट्रपति के सबसे करीबी अधिकारियों में शामिल होता है। वह व्हाइट हाउस के कामकाज और राष्ट्रपति तक पहुंच रखने वाले अधिकारियों के बीच तालमेल बनाए रखने की जिम्मेदारी संभालता है।

चुनावी हार के बाद वाइल्स से नाराज थे ट्रम्प

मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद ट्रम्प वाइल्स और अपने दूसरे राजनीतिक सलाहकारों से नाराज थे। चुनाव के नतीजे आने के दौरान उन्होंने वाइल्स की आलोचना की थी। ट्रम्प को लगता था कि उनके प्रशासन से जुड़ी गोपनीय जानकारियां बाहर जा रही हैं। उन्हें यह भी शिकायत थी कि उनके राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में तेजी नहीं आ रही। ट्रम्प को शक था कि वाइल्स ही प्रशासन से जुड़ी जानकारियां बाहर पहुंचा रही हैं। इसी वजह से उन्होंने कई नियुक्तियों के फैसलों में भी वाइल्स को शामिल करना बंद कर दिया था। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट की जगह नए अधिकारी को चुनने के फैसले में भी वाइल्स की भूमिका सीमित कर दी गई थी। वाइल्स के समर्थकों का कहना है कि वह पद पर बने रहने के लिए ट्रम्प से टकराव नहीं चाहती थीं। उनके मुताबिक, चुनावी हार के लिए वाइल्स को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है, क्योंकि प्रशासन की नीतियों से जुड़े बड़े फैसले ट्रम्प खुद लेते थे।

वाइल्स को 2026 की शुरुआत में स्तन कैंसर होने का पता चला था। इलाज के दौरान भी उन्होंने अपना पद नहीं छोड़ा। सितंबर में उन्होंने बताया था कि अब वह कैंसर से मुक्त हैं।

वाइल्स के पद छोड़ने के साथ ट्रम्प प्रशासन में महिला अधिकारियों की संख्या भी चर्चा में है। पिछले एक साल में कई महिला अधिकारी प्रशासन से बाहर हुई हैं।

ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में भारतीयों के साथ दिवाली मनाई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में दिवाली मनाई। इस दौरान उन्होंने भारतीय मूल के अधिकारियों और कारोबारियों के साथ ओवल ऑफिस में दीया जलाया। उन्हें हनुमान चालीसा की एक प्रति भी भेंट की गई। इस मौके पर उनके प्रशासन में शामिल भारतीय मूल के अधिकारी, कारोबारी और बड़ी कंपनियों के ष्टश्वह मौजूद रहे। समारोह में अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा, मशहूर शेफ विकास खन्ना भी शामिल हुए। भारतीय कारोबारियों ने ट्रम्प को जुग-जुग जिओ का आशीर्वाद दिया और भारत-अमेरिका की दोस्ती मजबूत होने की कामना की।

ओवल ऑफिस में दिवाली के दौरान ट्रम्प के साथ भारतीय कारोबारी विशाल गोंडल, शेफ विकास खन्ना, कनाडा की पूर्व सांसद रूबी ढल्ला और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा।

ओवल ऑफिस में दिवाली के दौरान ट्रम्प के साथ भारतीय कारोबारी विशाल गोंडल, शेफ विकास खन्ना, कनाडा की पूर्व सांसद रूबी ढल्ला और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा।

ओवल ऑफिस में दीया जलाया, हनुमान चालीसा भेंट की गई; जुग-जुग जिओ का आशीर्वाद मिला



विदेश मंत्री रुबियो भी समारोह में पहुंचे

ओवल ऑफिस में हुए इस कार्यक्रम में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और सोशल सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन के डिप्टी कमिश्नर अर्जुन मोदी भी मौजूद थे।

विशाल गोंडल ने एक्स पर लिखा, ओवल ऑफिस में रोशनी और आपसी जुड़ाव का एक खास पल है। ट्रम्प के साथ दिवाली मनाना सम्मान की बात है। गोंडल के मुताबिक, ट्रम्प को दी गई हनुमान चालीसा की यह प्रति भगवान हनुमान को समर्पित तुलसीदास का भजन है, जिसे लाखों लोग साहस, भक्ति और शक्ति के लिए पढ़ते हैं।

बुश ने शुरू की थी व्हाइट हाउस में दिवाली मनाने की परंपरा

व्हाइट हाउस में दिवाली मनाने की परंपरा 2003 में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने शुरू की थी। शुरुआत में ये कार्यक्रम व्हाइट हाउस के पास स्थित आइजनहावर एग्जीक्यूटिव ऑफिस बिल्डिंग में होते थे। इनमें भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक और भारतीय राजनयिक शामिल होते थे। 2009 में तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा व्हाइट हाउस में दीया जलाने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने थे। उन्होंने ईस्ट रूम में आयोजित समारोह में दीपक जलाया था। इसके बाद से व्हाइट हाउस के अलग-अलग हिस्सों में दिवाली समारोह आयोजित होने लगे। इनमें ओवल ऑफिस और रूजवेल्ट रूम भी शामिल हैं।

इजराइल में नए प्रधानमंत्री का ऐलान जल्द

आइजनकोट को 6 पार्टियों का समर्थन; देश में कभी सिंगल पार्टी की सरकार नहीं बनी

तेल अवीव। इजराइल में अगला प्रधानमंत्री कौन होगा इसका ऐलान राष्ट्रपति इसाक हर्जोग रविवार को करेंगे। सरकार बनाने के लिए 61 सासंदों का समर्थन चाहिए। गादी



आइजनकोट के गठबंधन को 6 पार्टियों के 67 सांसदों ने समर्थन दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पास मात्र 46 सांसदों का समर्थन है। इस कारण माना जा रहा है कि राष्ट्रपति उन्हें सरकार बनाने का पहला मौका नहीं देंगे।

इजराइल में अब तक किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। यही वजह है कि यहां हमेशा गठबंधन की सरकारें बनती रही हैं।

राष्ट्रपति बोले- सांसद साथ हैं, लेकिन पार्टियां राजी नहीं

राष्ट्रपति हर्जोग ने गुरुवार को संसद में चुनी गई सभी पार्टियों के नेताओं से बातचीत की थी। उन्होंने कहा था कि पहली नजर में सांसदों की राय साफ दिखाई देती है, लेकिन अलग-अलग राजनीतिक गुटों के बीच कई मुद्दों पर सहमति नहीं है। उनके मुताबिक पार्टियों के बीच एक-दूसरे को लेकर आपत्तियां भी हैं। इसलिए सिर्फ सांसदों की सिफारिश के आधार पर यह तय नहीं किया जा सकता कि कौन सरकार बना पाएगा।

पराग्वे में बैंक के डूबने से राष्ट्रपति की सत्ता गई

60% आबादी का पैसा फंसा, बैंक को फायदा पहुंचाने के आरोप में घर में नजरबंद

असुनसियोन। दक्षिण अमेरिकी देश पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को शुक्रवार को सीनेट ने महाभियोग चलाकर पद से हटा दिया। इसके कुछ ही देर बाद पुलिस ने उन्हें उनके घर में नजरबंद कर दिया। पेना पर देश के बड़े बैंक यूएनो को फायदा पहुंचाने और सरकारी पैसे का गलत इस्तेमाल करने के आरोप लगे हैं।

दरअसल, यूएनो बैंक का कामकाज बंद होने से करीब 30 लाख ग्राहकों के खाते फ्रीज हो गए। इनमें देश की करीब 60त्न वयस्क आबादी शामिल है। बैंक में सरकार और सरकारी पेंशन फंड के 80 करोड़ डॉलर से ज्यादा जमा थे। आरोप है कि पेना ने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करके बैंक को फायदा पहुंचाया और सरकारी संस्थाओं का पैसा वहां जमा करवाने में भूमिका निभाई।

बैंक ने मालिक से जुड़ी कंपनियों को दिया कर्ज, जांच में मिली गड़बड़ी

यूएनो कुछ ही साल में पैराग्वे का पांचवां सबसे बड़ा बैंक बन गया था। बैंक ने खाता खोलने की प्रक्रिया आसान रखी और दूसरे बैंकों के मुकाबले ज्यादा ब्याज देने का वादा किया। इससे बड़ी संख्या में लोग उससे जुड़ने लगे। लेकिन तेजी से बढ़ते कारोबार के बीच बैंक की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगी।

जांच में पता चला कि बैंक ने अपनी मूल कंपनी ग्रुपो वास्केज से जुड़ी कंपनियों को करीब 14.6 करोड़ डॉलर का कर्ज दिया था। आरोप है कि ये कर्ज तय कानूनी सीमा से ज्यादा थे और इनके बदले बैंक के पास पर्याप्त गारंटी भी नहीं थी।



जांच में बैंक के खातों में भी गड़बड़ी मिली। कुछ खर्चों को संपत्ति बताकर दर्ज किया गया था, जिससे कागजों पर बैंक की आर्थिक स्थिति असल से बेहतर दिखाई दे रही थी। जब नियामक एजेंसियों ने दोबारा हिसाब लगाया, तो बैंक की अपनी पूंजी जरूरी कानूनी सीमा के आधे से भी कम रह गई।

इसके बाद पराग्वे के केंद्रीय बैंक ने 3 नवंबर को यूएनो को अपने नियंत्रण में ले लिया और उसका कामकाज रोक दिया। बैंक की सेवाएं बंद होने से डेबिट कार्ड और डिजिटल भुगतान की सुविधा भी रुक गई। दुकानदारों और कारोबारियों को लेनदेन में परेशानी होने लगी। गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्राहकों के पैसे फंसने से खुदरा कारोबार की बिक्री 80त्न तक गिर गई थी।

पेना के पास बैंक की मूल कंपनी के 10 लाख डॉलर के शेयर थे

राष्ट्रपति पेना का यूएनो बैंक की मूल कंपनी ग्रुपो वास्केज से कारोबारी रिश्ता रहा था। उन्होंने 2019 में इस कंपनी के करीब 10 लाख डॉलर के शेयर खरीदे थे। यह कंपनी 2022 में यूएनो होल्डिंग बनी, जो बैंक की मूल कंपनी थी। पेना ने राष्ट्रपति बनने के बाद भी ये शेयर अपने पास रखे और अप्रैल 2025 में बेच दिए। पेना का कहना था कि उन्होंने ये शेयर सिर्फ निवेश के लिए खरीदे थे। हालांकि, सांसदों ने सवाल उठाया कि उनके बैंक से जुड़े रहने के दौरान सरकारी संस्थाओं का इतना पैसा वहां कैसे जमा हुआ। आरोप है कि पेना ने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करके बैंक में सरकारी पैसा जमा करवाया। इसमें सामाजिक सुरक्षा संस्थान के पेंशन फंड के 35.5 करोड़ डॉलर भी शामिल थे। बैंक में सरकार और पेंशन फंड की कुल 80 से 86 करोड़ डॉलर की रकम जमा थी। विपक्ष का कहना है कि बैंक में जमा सरकारी रकम तय कानूनी सीमा से ज्यादा थी।

बैंक के पूर्व सीईओ को ही केंद्रीय बैंक का प्रमुख बनाया

पेना पर लगे आरोपों में एक अहम कड़ी बैंक के पूर्व सीईओ कार्लोस कार्वालो स्पाल्डिंग की नियुक्ति भी है। पेना ने राष्ट्रपति बनने के कुछ समय बाद स्पाल्डिंग को देश के केंद्रीय बैंक का प्रमुख बना दिया था।

तीन महीने बाद स्पाल्डिंग ने यूएनो को डिजिटल बैंक के रूप में काम करने की मंजूरी दी।

झांकियां, पटाखे और उग्र प्रदर्शन

फ्रांस में 16 लाख लोग सड़क पर उतरे पेरिस में पुलिस-प्रदर्शनकारी भिड़े



■ एजेन्सी, पेरिस

फ्रांस में बढ़ती महंगाई, सार्वजनिक सेवाओं में कटौती और सरकार के प्रस्तावित 2027 बजट के विरोध में देशव्यापी हड़ताल और प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। राजधानी पेरिस सहित कई शहरों में लाखों कर्मचारी, छात्र और शिक्षक सड़कों पर उतरे। दिनभर चले प्रदर्शनों का समापन पेरिस के नेशन स्क्वायर पर झांकियों, लाल फ्लेयर्स और आतिशबाजी के बीच हुआ, लेकिन बाद में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं, आंसू गैस छोड़ी गई और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। पूरे फ्रांस में हो रहे आंदोलन ने सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में देशव्यापी सार्वजनिक क्षेत्र की हड़ताल के दौरान हजारों लोग सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने बैनर, झंडे और लाल फ्लेयर्स के साथ मार्च निकाला। नेशन स्क्वायर पर प्रदर्शन का समापन झांकियों, आतिशबाजी और नारेबाजी के बीच हुआ।

10 साल में दोगुना विदेशी कर्ज

कर्ज में डूबा पाक, चीन का सबसे ज्यादा 22.4 अरब डॉलर बकाया

■ एजेन्सी, पाकिस्तान

विश्व बैंक की 'इंटरनेशनल डेट रिपोर्ट 2026' के अनुसार, 2025 में समाप्त होने वाले दशक में पाकिस्तान का कुल विदेशी कर्ज लगभग दोगुना होकर 135.1 अरब डॉलर हो गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान का विदेशी कर्ज 2015 में 68.673 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 में 135.107 अरब डॉलर हो गया। इसमें 107.076 अरब डॉलर का सार्वजनिक और सार्वजनिक रूप से गारंटीकृत कर्ज, 17.58 अरब डॉलर का निजी कर्ज



और 10.45 अरब डॉलर का अल्पकालिक कर्ज शामिल है।

सार्वजनिक और सार्वजनिक रूप से गारंटीकृत कर्ज में से 56.83 अरब डॉलर बहुपक्षीय लेनदारों के थे, 42.43 अरब डॉलर द्विपक्षीय लेनदारों के थे, और 7.8 अरब डॉलर निजी लेनदारों के थे।

चीन पाकिस्तान का सबसे बड़ा एकल लेनदार था, जिसका 22.4 अरब डॉलर का कर्ज बकाया था। इसके बाद विश्व बैंक (19.2 अरब डॉलर) और एशियाई विकास बैंक (ADB) (16.83 अरब डॉलर) का स्थान रहा। रिपोर्ट के अनुसार, आधिकारिक लेनदारों से लिए गए ऋणों की औसत परिपक्वता अवधि 16 वर्ष थी, जिसमें चार साल की छूट अवधि और 3.6 प्रतिशत की औसत ब्याज दर शामिल थी। दूसरी ओर, निजी ऋणों पर औसत ब्याज दर 8.6 प्रतिशत थी, जिसमें तीन साल की पुनर्भुगतान अवधि और एक साल की छूट अवधि थी। मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका, अफगानिस्तान और पाकिस्तान (MENAP) क्षेत्र में कर्ज चुकाने और ब्याज अनुपात में सुधार देखा गया।

वैश्विक कर्ज रिकॉर्ड स्तर पर

कुल मिलाकर, 2025 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों (छटक्ष२) द्वारा लिए गए कर्ज में भारी उछाल आया। यह पिछले चार वर्षों में बाहरी कर्ज में हुई सबसे बड़ी वृद्धि है, और इससे विकासशील देशों के बाजारों में निजी कर्जदाताओं की जोरदार वापसी भी दिखी है।

रूस ने अपने नागरिकों को ईरान की यात्रा नहीं करने की सलाह दी

रूस। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने क्रेमलिन में ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसिन रेजाई से मुलाकात की। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी चुनावों में हार के बाद डोनाल्ड ट्रंप को लेकर ईरान ने रूसी राष्ट्रपति से बात की। साथ ही दोनों देशों के बीच हथियारों को लेकर भी बातचीत हुई। एफटी की रिपोर्ट के अनुसार, मॉस्को ने तेहरान के साथ हथियारों के क्षेत्र में अपने संबंध और गहरे किए हैं।

तो फिर यात्रा से क्यों रोका.. इसके कुछ समय बाद रूस के विदेश मंत्रालय के सूचना एवं प्रेस विभाग की निदेशक मारिया जखारोवा ने कहा कि ईरान के आसपास तनाव बढ़ने के जोखिमों के बीच, उनकी सलाह है कि जो रूसी नागरिक पहले से ही ईरान में हैं, उन्हें सतर्क रहना चाहिए।

भारत में पाकिस्तान-बांग्लादेश के गैर मुस्लिमों पर सख्ती, वीजा लेना होगा

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए 6 गैर-मुस्लिम समुदायों के लोगों को यहां रहने के लिए अब वीजा लेना होगा। इनमें हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं। पहले इन लोगों को पासपोर्ट और वीजा, दोनों की अनिवार्यता से छूट मिली हुई थी। यह बदलाव उन लोगों पर लागू होगा, जो 31 दिसंबर 2024 या उससे पहले भारत आए थे। इनमें बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के आए लोग और जिनके दस्तावेजों की अवधि खत्म हो चुकी है, वे भी शामिल हैं।



गृह मंत्रालय ने गुरुवार को इमिग्रेशन नियमों में नए संशोधन की अधिसूचना जारी की। इसमें पाकिस्तानी नागरिकों और भारतीय मूल के कुछ विदेशियों को पासपोर्ट रिन्यू कराने से राहत देने के साथ भारत, नेपाल और भूटान के बीच यात्रा के नियम भी स्पष्ट किए गए हैं।

वीडियोकॉन के पूर्व प्रमोटर वेणुगोपाल धूत बैंकरप्ट घोषित

एनसीएलटी ने एसबीआई की याचिका पर जारी किया आदेश; 12,668 करोड़ के लोन डिफॉल्ट पर कार्रवाई



एजेन्सी, नई दिल्ली

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की मुंबई बेंच ने वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज के पूर्व प्रमोटर और डायरेक्टर वेणुगोपाल नंदलाल धूत को बैंकरप्ट घोषित कर दिया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए ट्रिब्यूनल ने यह आदेश जारी किया है। यह कदम धूत की पर्सनल इनसोल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस और रीपेमेंट प्लान के असफल होने के बाद उठाया गया है। विनय गोयल और चरणजीत सिंह गुलाटी की बेंच ने इंसोल्वेंसी एंड बैंक्रप्सी कोड के तहत 5 नवंबर को यह बैंक्रप्सी आदेश पारित किया।

पर्सनल गारंटी और बकाए की डिटेल्स- NCLT ने नोट किया कि रइक ने वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड की बैंक से ली गई क्रेडिट सुविधाओं के लिए धूत के पर्सनल गारंटर होने के नाते उनके खिलाफ बैंक्रप्सी कार्यवाही शुरू की थी।

कुल डिफॉल्ट रकम 12,668 करोड़ पहुंची

इसके बाद रइक्ने बैंक्रप्सी याचिका दायर की। बैंक ने बताया कि 30 सितंबर 2026 तक ब्याज और पेनल्टी मिलाकर कुल डिफॉल्ट रकम 12,668 करोड़ हो गई है। दस्तावेजों की जांच के बाद ट्रिब्यूनल ने माना कि यह याचिका IBC की धारा 123 की सभी आवश्यकताओं का पालन करती है और इसे स्वीकार कर लिया।

ट्रस्टी की नियुक्ति और आगे की प्रोसेस

- NCLT ने धूत को बैंकक्रिप्ट घोषित करते हुए आशीष नारायण को बैंक्रप्सी ट्रस्टी नियुक्त किया है। ● धूत की संपत्ति तुरंत बैंक्रप्सी ट्रस्टी के अधीन हो जाएगी और IBC के तहत क्रेडिटर्स में बांटी जाएगी। ● धूत को 7 दिनों के भीतर अपनी फाइनेंशियल डीटेल्स ट्रस्टी को सौंपने का निर्देश दिया गया है।

धूत ने कंपनी को दी गई कई क्रेडिट सुविधाओं जैसे- रुपया टर्म लोन, वीडियोकॉन टेलीकम्युनिकेशंस लिमिटेड से जुड़ी सुविधाएं और वर्किंग कैपिटल लोन के लिए पर्सनल गारंटी दी थी। बैंक ने फरवरी 2018 में इन गारंटियों को इनवोक किया गया था। बैंक के डिमांड नोटिस में शामिल दावे इस प्रकार हैं...

वीडियोकॉन का इनसोल्वेंसी बैकग्राउंड- वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज को जून 2018 में कॉर्पोरेट इनसोल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस में शामिल किया गया था। बाद में इस कार्यवाही को वीडियोकॉन ग्रुप की अन्य कंपनियों के साथ जोड़ दिया गया था। इसके बाद जून 2021 में ठउछळ ने ट्विन स्टार टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के जमा किए गए रिजॉल्यूशन प्लान को मंजूरी दी थी।

90 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने का आदेश

बैंक्रप्सी ट्रस्टी को क्रेडिटर्स को सूचित करने, पब्लिक नोटिस जारी कर दावे आमंत्रित करने और 90 दिनों के भीतर ठउछळ व कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स को शुरूआती रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया गया है। यह आदेश क्इउ की धारा 138 के तहत धूत के डिस्चार्ज होने तक प्रभावी रहेगा।

रीपेमेंट प्लान क्यों खारिज हुआ?- वेणुगोपाल धूत की पर्सनल इनसोल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस अप्रैल 2026 में शुरू की गई थी। हालांकि, उनका प्रस्तावित रीपेमेंट प्लान लेनदारों (क्रेडिटर्स) को मंजूर नहीं था। धूत ने सिलीगुड़ी में एक प्रस्तावित डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के जरिए 36 महीनों की अवधि में ?600 करोड़ देने का रीपेमेंट प्रस्ताव रखा था।

मुकेश अंबानी समूह में हाथी के परेशान बच्चे को अपनाया और बताया कि यह भी सेवा का एक अंग है

माया के असुरक्षित जीवन की काया को नवजीवन दिया वनतारा ने

लोकदेश संवाददाता, मुंबई

हर किसी से सरोकार और हर तरफ परोपकार का भाव इसे ही कहते हैं। मुकेश अंबानी और उनके पुत्र अनंत अंबानी के रिलायंस समूह ने अनेक बार और फिर एक बार ऐसा ही कर दिखाया है। बात, माया की है जो एक मादा हाथी का बच्चा है, जिसकी उम्र लगभग 15 महीने है। उसके झुंड द्वारा उसे छोड़ दिए जाने के बाद, उसके जन्म के दिन ही उसे कपरीक्कड़ स्थित अभयारण्यम कैंप में लाया गया था। इसके बाद वनतारा ने माया को जिंदगी का नया तारा प्रदान किया।

इन विपरीत हालात के बाद से अब तक कैंप में देखभाल करने वालों और अधिकारियों ने ही माया को पाला-पोसा है। माया इसी साल की जुलाई में दुर्घटनावश गिर गई, जिसके बाद वह अपने पैरों पर वजन नहीं डाल पा रही थी। लगभग दो महीने तक वह लेटी रही और खुद से उठ नहीं सकी। विभाग ने उसकी देखभाल और इलाज के लिए एक विशेष मेडिकल बोर्ड का गठन किया। बोर्ड की सलाह पर, हमारे सहायक वन पशु चिकित्सा अधिकारी ने अभयारण्यम के पशु चिकित्सा अस्पताल में उसका इलाज किया। इन प्रयासों के बावजूद, उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई। माया को ऐसी गहन और विशेष देखभाल की जरूरत थी, जो खड़े न हो पाने वाले हाथी के बच्चे के लिए आवश्यक होती है। इसलिए, विभाग ने विशेषज्ञों से मदद मांगी। अभयारण्यम के सहायक वन संरक्षक के अनुरोध पर, 24 अक्टूबर 2026 को माया की जांच की गई। विभाग ने 'वनतारा' से संपर्क किया, जिसके पास हाथियों की देखभाल और पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) के क्षेत्र में विशेष विशेषज्ञता है। भारत में इस तरह की विशेषज्ञता बहुत कम देखने को मिलती है।



इत्तिला मिली और सक्रिय हुई वनतारा की टीम

इस बात की सूचना मिलते साथ ही वनतारा की टीम बहुत कम समय के नोटिस पर अभयारण्यम पहुँच गई। उनके पशु चिकित्सकों ने वन अधिकारियों और डॉक्टरों के साथ मिलकर माया की जाँच की। इस संयुक्त जाँच के बाद, दोनों टीमें इस बात पर सहमत हुईं कि माया के इलाज और ठीक होने का सबसे अच्छा तरीका उसे वनतारा की सुविधाओं में ले जाना है। अब माया को कोच्चि हवाई अड्डे से जामनगर स्थित वनतारा ले जाया जा रहा है, जहाँ उसे विशेष देखभाल (इंटेंसिव केयर) दी जाएगी। मेडिकल बोर्ड के सदस्य और वन अधिकारी उसके साथ यात्रा कर रहे हैं, और यात्रा के दौरान उसकी देखभाल की योजना भी संयुक्त रूप से तैयार की गई है।

अमेरिकी शेयर बाजार में 18 महीने की सबसे बड़ी गिरावट

न्यूयॉर्क। अमेरिकी शेयर बाजार में 18 महीने की सबसे बड़ी गिरावट आई है। गुरुवार को नैस्डैक 5.5%, डाउ जोन्स 3.4% और र&ढ 500 इंडेक्स 4.3% तक टूट गए। इस गिरावट की वजह से एक दिन में अमेरिकी बाजार की मार्केट वैल्यू 2.5 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 236 लाख करोड़ रुपए घट गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस गिरावट के लिए मिडटर्म इलेक्शन और डेमोक्रैट्स को जिम्मेदार ठहराया है।

एआई सेक्टर में सख्त नियमों की चर्चा और भारी बिकवाली के कारण निवेशकों को यह नुकसान हुआ है। नैस्डैक इंडेक्स में पिछले 18 महीने और र&ढ 500 इंडेक्स में अप्रैल 2025 के बाद से एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट आई है। टेक शेयरों वाले नैस्डैक कंपोजिट में इस करेक्शन यानी गिरावट में दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी एनवीडिया का शेयर करीब 10% गिरा है। इसके साथ ही नैस्डैक अपने हाल ही में बनाए ऑल-टाइम हाई से 10% नीचे आ गया है, जिससे यह ऑफिशियली 'करेक्शन टेरिटरी' में पहुंच चुका है। इसके अलावा, मेमोरी चिप बनाने वाली कंपनी सैनडिस्क में 22% और हार्ड ड्राइव बनाने वाली कंपनी वेस्टर्न डिजिटल के शेयर में 17% की भारी गिरावट दर्ज की गई।

धनतेरस पर सोना-चांदी सस्ता

सोना 2,677 घटकर 1.41 लाख पर आया; चांदी 4,432 सस्ती



एजेन्सी, नई दिल्ली

धनतेरस पर आज सोना-चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 2,677 रुपए घटकर करीब 1.41 लाख रुपए पर आ गए हैं। एक किलो चांदी 4,432 रुपए सस्ती होकर 1.83 लाख रुपए पर आ गई है। इससे एक दिन पहले गुरुवार को सोना 1.44 लाख और चांदी 1.87 लाख रुपए पर थी। चांदी इस साल चांदी 48 हजार रुपए सस्ती हुई है।

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं। खरीदारी की मात्राः दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है। लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं। पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

सोना इस साल 11 हजार महंगा और चांदी 48 हजार सस्ती- इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 10,934 रुपए महंगा हुआ है। वहीं, चांदी 47,552 रुपए सस्ती हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए था, जो अब 1.41 लाख रुपए पहुंच गया है।

बिजनेस प्लस

पीएम मोदी ने डॉ. दीपक मित्तल को भोज के लिए आमंत्रित किया

एजेन्सी, नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़े और सफल कंपनियां उन दूरदर्शी लोगों द्वारा बनाई गयी हैं, जिनमें अपने साहसिक सपनों को अंतरराष्ट्रीय सफलता की कहानियों में बदलने का साहस था। आज, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड (क्ळछ) भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का एक सशक्त उदाहरण है, जो वैश्विक स्तर पर एक सम्मानित नाम बन चुकी है। वर्ष 2026 में अपनी शानदार यात्रा के तीन दशक पूरे करने के साथ, आईटीएल ने राष्ट्रीय गौरव का एक विशेष मुकाम हासिल किया है। आईटीएल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. दीपक मित्तल को हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से एक विशेष लंच के लिए निमंत्रण प्राप्त हुआ। यह भोज 27 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में लिकटेंस्टीन के क्राउन प्रिंस, हेरेडिटरी प्रिंस एलॉइस के सम्मान में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापार और इकनोमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट के तहत द्विपक्षीय और आर्थिक सहयोग को मजबूत करना था।

लिकटेंस्टीन के क्राउन प्रिंस एलॉइस का भारत दौरा, जिसमें यूरोप के शीर्ष उद्योगपतियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी शामिल था, भारत और लिकटेंस्टीन के बीच ते से मजबूत हो रहे आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को रेखांकित करता है। ऐतिहासिक 'भारत-EFTA व्यापार और इकनोमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट' के लागू होने के बाद, उच्च-स्तरीय चचाओं में मुख्य रूप से प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इनमें एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, औद्योगिक तकनीक, सतत विकास और सीमा-पार व्यावसायिक निवेश जैसे क्षेत्र शामिल हैं। यह अवसर एक महत्वपूर्ण पड़ाव था, जिसमें डॉ. दीपक मित्तल जैसे दूरदर्शी भारतीय व्यापारिक नेताओं की उपस्थिति रही। साथ ही, इसमें नि क्षेत्र के दूरदर्शी नेताओं की अहम भूमिका रही, जिन्होंने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने, तकनीकी साझेदारी को मजबूत करने और भारत तथा मध्य यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक मजबूत व्यावसायिक सेतु बनाने में योगदान दिया। आई टी एल के वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने की शानदार कहानी की शुरूआत तीन दशक पहले, 1996 में शुरू हुई। उस समय कंपनी ने होशियारपुर से अपना पहला ट्रैक्टर लॉन्च किया जिस पर प्रमुखता से 'इंटरनेशनल' शब्द अंकित किया। एक छोटे, गैर-औद्योगिक शहर से काम करने वाली एक नई भारतीय कंपनी के लिए, यह दुनिया के बेहतरीन निमार्ताओं को टक्कर देने और अपने ट्रैक्टरों में विश्व-स्तरीय गुणवत्ता प्रदान करने के अपने इरादे की एक साहसिक घोषणा थी।

दुनियाभर में भारतीय इंजीनियरिंग की पहचान बनाई

पिछले कुछ वर्षों में, कंपनी ने दुनियाभर में भारतीय इंजीनियरिंग की पहचान को लगातार मजबूत किया है। एक बड़े सपने के रूप में शुरू हुआ यह सफर आज एक बड़े अंतरराष्ट्रीय कारोबार का रूप ले चुका है। कंपनी पिछले 8 वर्षों से लगातार भारत के नंबर 1 ट्रैक्टर एक्सपोर्ट ब्रांड के रूप में अपनी स्थिति मजबूती से बनाए हुए है। 150 से अधिक देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज करने के साथ साथ आज कंपनी दुनिया के पांच सबसे बड़े ट्रैक्टर ब्रांडों में शामिल है, और अपने संबंधित सेगमेंट में 15 देशों में अग्रणी स्थान पर है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.69 अरब डॉलर घटकर 717.06 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में 2.69 अरब डॉलर घटकर 717.06 अरब डॉलर रह गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 30 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.69 अरब डॉलर घटकर 717.06 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 1.27 अरब डॉलर घटकर 719.75 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के मुताबिक 30 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.09 अरब डॉलर घटकर 591.12 अरब डॉलर रही। आरबीआई ने कहा कि इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 55.9 करोड़ डॉलर घटकर 102.59 अरब डॉलर रह गया। इसके अलावा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 4.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.56 अरब डॉलर रह गया है। आरबीआई के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति 30 लाख डॉलर बढ़कर 4.79 अरब डॉलर रही। प्रवासी भारतीयों की जमा पर विशेष रियायती अदला-बदली योजना के तहत बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा आने से 4 सितंबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के उच्चतम स्तर 785.71 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।



सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए वित्त सेवा विभाग को पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार

नई दिल्ली। सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) को पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के भारत मंडपम में नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी में उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने यह पुरस्कार प्रदान किया। वित्त सेवा विभाग ने पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के तहत सभी व्यवहार्य प्रशासनिक भवनों में सौर ऊर्जा संयंत्र को स्थापित करते हुए 2,576 स्थानों पर कुल 61.50 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर सिस्टम चालू करके शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया।डीएफएस को 05 नवंबर को भारत मंडपम में पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार के अंतर्गत द्वितीय स्थान से सम्मानित किया गया।

अच्छे क्रेडिट प्रोफाइल वाले हर दो में से एक कर्जदार ने 12 महीने में दोबारा लिया गोल्ड लोन

मुंबई। भारत में गोल्ड लोन बाजार ते से बढ़ रहा है। ट्रांसयूनियन सिबिल की रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त 2026 तक गोल्ड लोन का बकाया करीब तीन गुना बढ़कर 22.5 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। सक्रिय कर्जदारों की संख्या 5.5 करोड़ रही, जबकि प्रति कर्जदार औसत बकाया 4.1 लाख रुपये था। अच्छे क्रेडिट प्रोफाइल वाले छोटे और बड़े गोल्ड लोन लेने वालों में क्रमशः 57% और 54% ने 12 महीने के भीतर दोबारा गोल्ड लोन लिया।

ट्रांसयूनियन सिबिल के एमडी और सीईओ भावेश जैन ने कहा, ह्लगोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों की जरूरतों को समझने के लिए लेंडर्स को केवल गिरवी रखे सोने के मूल्य तक सीमित नहीं रहना चाहिए। ग्राहक की क्रेडिट हिस्ट्री, मौजूदा कर्ज, दोबारा कर्ज लेने के रुझान और भुगतान क्षमता का आकलन जरूरी है। इससे लेंडर्स सही फाइनेंसिंग अवसर पहचानने, ग्राहकों से रिश्ते मजबूत करने और जोखिम को जिम्मेदारी से संभालने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2026 तिमाही में गोल्ड लोन की मंजूर राशि सालाना आधार पर 12% बढ़कर 8.2 लाख करोड़ रुपये रही, जबकि नए लोन की संख्या 15% घट गई। 2.5 लाख रुपये से ज्यादा के लोन में 19% वृद्धि दर्ज की गई। दो-तिहाई नए गोल्ड लोन ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में दिए गए, जबकि हर पांच में से दो नए कर्जदार महिलाएं थीं। कर्ज भुगतान के मामले में भी सुधार दिखा। 30 दिन या उससे अधिक भुगतान में देरी वाले सक्रिय गोल्ड लोन कर्जदारों का अनुपात जून 2025 के 2% से घटकर जून 2026 में 1.4% रह गया।

नोएल टाटा वोल्टास के चेयरमैन पद से रिटायर होंगे:उनकी जगह सुनील डिसूजा कमान संभालेंगे; जयंत बालन को नया एमडी बनाया गया

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कूलिंग प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी वोल्टास के चेयरमैन और डायरेक्टर नोएल एन टाटा 11 नवंबर 2026 को रिटायर होने जा रहे हैं। 70 साल की उम्र पूरी होने के चलते टाटा ग्रुप की गाइडलाइंस के तहत उनका यह रिटायरमेंट हो रहा है।

नोएल के रिटायरमेंट के बाद कंपनी बोर्ड ने उन्हें 12 नवंबर 2026 से चेयरमैन एमेरिटस यानी मानद चेयरमैन नियुक्त करने का फैसला किया है।

सुनील डिसूजा वोल्टास के नए चेयरमैन होंगे

बोर्ड ने टाटा ग्रुप की स्नस्ष्टत कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (ञ्जष्टक्क) के मौजूदा मैनेजिंग डायरेक्टर और ष्टश्वह्र सुनील डिसूजा को वोल्टास का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। डिसूजा 12 नवंबर 2026 से यह जिम्मेदारी संभालेंगे।



डिसूजा की लीडरशिप में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स टाटा साल्ट, टाटा टी, टेटली और टाटा सम्पन्न जैसे बड़े ब्रांड्स के तहत नमक, चाय, कॉफी, पैकेज्ड फूड और बेवरेज का कारोबार करती है।

कंपनी के नियमों के कारण नोएल टाटा का रिटायरमेंट

कंपनीज एक्ट 2013 के मुताबिक कोई भी व्यक्ति 70 साल या उससे ज्यादा उम्र होने पर स्ष्ठ या होल-टाइम डायरेक्टर के पद पर नहीं रह सकता और न ही उसका री-अपॉइंटमेंट होगा।

12 नवंबर 1956 को जन्मे नोएल टाटा 12 नवंबर 2026 को 70 साल के हो जाएंगे। नोएल टाटा साल 2003 से वोल्टास कंपनी से जुड़े रहे हैं। वर्तमान में वे टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन भी हैं।

ग्रुप की इसी पॉलिसी के तहत नोएल टाटा ने कुछ महीनों पहले टाटा ग्रुप की रिटेल फर्म ट्रेंट के चेयरमैन पद से भी इस्तीफा दे दिया था।

जयंत बालन नए मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किए गए

कंपनी के मौजूदा मैनेजिंग डायरेक्टर सीपी मुकुंदन मेनन का कार्यकाल 24 मई 2027 को खत्म हो रहा है। वे टाटा ग्रुप की रिटायरमेंट पॉलिसी के तहत रिटायर होंगे। जयंत बालन को 25 मई 2027 से 5 साल के कार्यकाल के लिए एडिशनल डायरेक्टर और स्ष्ठ नियुक्त करने की मंजूरी दी है। यह नियुक्ति शेयरहोल्डर्स की मंजूरी के अधीन होगी।

जयंत बालन रूम एयर कंडीशनर बिजनेस के हेड हैं

जयंत बालन वर्तमान में कंपनी के रूम एयर कंडीशनर बिजनेस के हेड हैं। पदभार संभालने तक सुचारू बदलाव सुनिश्चित करने के लिए उन्हें अब हेड - रूम एयर कंडीशनर बिजनेस एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डेजिग्नेट के रूप में रीनेम किया गया है।

वेंकटेशलू पलानीस्वामी एडिशनल डायरेक्टर नियुक्त

बोर्ड ने 12 नवंबर 2026 से लागू होने वाले कार्यकाल के लिए वेंकटेशलू पलानीस्वामी को नॉन-इंडिपेंडेंट, नॉन-एग्जीक्यूटिव कैटेगरी में एडिशनल डायरेक्टर नियुक्त करने की भी मंजूरी दे दी है। नोएल टाटा ने साल 2017 में वोल्टास के चेयरमैन का पद संभाला था। वोल्टास के अलावा वे इस साल के आखिरी तक टाटा ग्रुप की कई अन्य बड़ी कंपनियों के बोर्ड से भी रिटायर होने वाले हैं। इन कंपनियों में टाइटन, टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन, टाटा स्टील और टाटा इंटरनेशनल शामिल हैं, जहां से वे इस साल के आखिरी तक हट जाएंगे। जब कोई अनुभवी और सीनीयर लीडर किसी कंपनी के चेयरमैन पद से रिटायर होता है, तो उसके लंबे अनुभव, मार्गदर्शन और योगदान का सम्मान करने के लिए कंपनी उन्हें चेयरमैन एमेरिटस की मानद उपाधि देती है।

दिवाली पर घर को दें अलग अंदाज, सजावट के नए ट्रेंड्स

मानसी पुजारा | बेंगलुरु mansipujara2205@gmail.com | दिवाली पर घर की सजावट का मतलब सिर्फ दीये जलाना और रंगोली बनाना नहीं है। इस बार डेकोर में कुछ नए प्रयोग देखने को मिल रहे हैं। कहीं पुराने कपड़ों से तैयार टेबल रनर घर को पारंपरिक अंदाज दे रहे हैं, तो कहीं मिट्टी के बर्तन, पीतल की चीजें और गर्म वॉर्म लाइट्स घर में सुकून भरा माहौल बना रही हैं। इस दिवाली घर को कुछ अलग तरीके से सजाना चाहते हैं, तो ये डेकोर आइडियाज आजमा सकते हैं।



• **पीतल और कांसे की चीजों से दें रॉयल टच:** पीतल और कांसे की चीजें घर को बिना ज्यादा मेहनत क्लासिक लुक देती हैं। पुराने पीतल के दीये, घंटियां, फूलदान और सजावटी बर्तन निकालें। इन्हें लकड़ी की साइड टेबल या एंट्रेंस कंसोल पर सजाएं। पीतल के साथ लकड़ी और मिट्टी का मेल अच्छा लगता है।

• **रंग-बिरंगी लाइट्स के बजाय वार्म लाइटिंग:** इस बार घर को सजाने के लिए बहुत सारी रंगीन फेयरी लाइट्स लगाने के बजाय वार्म व्हाइट लाइट्स का इस्तेमाल करें। टेबल लैंप, फ्लोर लैंप और छोटी लालटेन से घर में सुकून भरा माहौल बनाया जा सकता है। बालकनी और खिड़कियों के पास छोटी लाइट्स लगाएं। इससे घर में रोशनी भी रहेगी और सजावट जरूरत से ज्यादा भड़कीली भी नहीं लगेगी।





• **खुशबू से भी सजाएं अपना घर:** घर की सजावट सिर्फ देखने तक सीमित नहीं होती, उसकी खुशबू भी माहौल को खास बनाती है। इस दिवाली अपने घर में लैवेंडर, मोगरा, चंदन या मिक्स जैसी खुशबू वाले डिफ्यूजर और सुगंधित मोमबत्तियां रखें। एंट्रेंस या लिविंग रूम की साइड टेबल पर इन्हें सजाया जा सकता है। पूजा के समय प्राकृतिक फूलों और हल्की सुगंध का इस्तेमाल अच्छा विकल्प है। मोमबत्तियों को पर्दे और अन्य सामान से काफी दूर रखें।

• **मिट्टी के बर्तन से बनाएं खास डेकोर कॉर्नर:** मिट्टी के बर्तन और देसीकोटा डेकोर घर को प्राकृतिक और कलात्मक लुक देते हैं। इस दिवाली घर के किसी खाली कोने में अलग-अलग आकार के मिट्टी के फूलदान, सुराही और छोटे सजावटी बर्तन रख सकते हैं। इनमें सूखे फूल, पाम लीव्स या ताजे फूल सजाए जा सकते हैं। चाहें तो मिट्टी के बर्तनों को हल्के रंग से पेंट करके भी इस्तेमाल कर सकते हैं।



उपयोगी तोहफे बन रहे हैं पहली पसंद

वर्षा एम | नोएडा more.varsha194@gmail.com

दिवाली पर गिफ्टिंग का अंदाज बदल रहा है। अब ऐसे तोहफे पसंद किए जा रहे हैं, जो खूबसूरत होने के साथ इस्तेमाल में भी आएं। पर्सनलाइज्ड चीजें, घर की सजावट का सामान, वेलनेस प्रोडक्ट्स और अनुभव से जुड़े गिफ्ट इस बार खास विकल्प हो सकते हैं।



• **पर्सनलाइज्ड गिफ्ट्स से स्पेशल एहसास:** नाम या शुरुआती अक्षर वाला कॉफी मग, फोटो फ्रेम, लकड़ी का छोटा बॉक्स, डायरी या टेबल एक्सेसरी दें। इसमें कोई खास तारीख या छोटा संदेश लिखवा सकते हैं। ऐसे गिफ्ट अलग होते हैं, याद रहते हैं।

• **सेल्फ केयर किट:** फ्रेगरेंट कैंडल, एसेंशियल ऑयल, बाथ सॉल्ट, बॉडी लोशन, हर्बल टी या स्किन केयर प्रोडक्ट्स दें। बॉक्स में पैक करके दें।

• **लोकल प्रोडक्ट्स:** हैंड मेड क्रॉकरी, लकड़ी का सामान, हैंड मेड टेबल रनर, ट्रेडिशनल प्रिंट स्कार्फ, हैंड मेड ज्वेलरी देख सकते हैं।

• **गैजेट्स, स्मार्ट होम एसेसरीज:** वायरलेस इयरबड्स, ब्लूटूथ स्पीकर, स्मार्ट वॉच, डिजिटल फोटो फ्रेम और स्मार्ट टेबल लैंप जैसे विकल्प देख सकते हैं।

• **अनुभव से जुड़े गिफ्ट:** स्पा सेशन, कपल डिनर, पसंदीदा रेस्टोरेंट का वाउचर, वीकेंड स्टेकेशन या किसी पसंदीदा गतिविधि की क्लास। यह भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं।



• **घर सजाने के लिए खूबसूरत डेकोर आइटम:** पारंपरिक दीयों के साथ हाथ से बने सिरेमिक वास, पीतल के कैंडल होल्डर, मार्बल ट्रे, लकड़ी की छोटी कलाकृतियां या सुंदर टेबल लैंप दे सकते हैं।

मेकअप में दिखेगा ग्लो और सॉफ्ट ग्लैमर, ये तरीके अपनाएं

अमी कैप्रिहन | मुंबई caprihanamee@gmail.com

इस बार मेकअप में नेचुरल ग्लो, शाइनी आइज और सॉफ्ट ग्लैम लुक पसंद किए जा रहे हैं। कहीं न्यूड लिप्स के साथ शिमरी आई मेकअप नजर आएगा, तो कहीं बोल्ड लिप कलर पूरे लुक को खास बनाएगा। आइए जानते हैं दिवाली के लिए मेकअप के वो ट्रेंड्स, जिन्हें अपनाकर आप अलग नजर आ सकती हैं।



• **मेकअप बने लंबे समय तक टिकाऊ:** स्किन को मॉइस्चराइज करें। प्राइमर लगाएं और फाउंडेशन की हल्की परत लगाएं। सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करें। साथ ही लिपस्टिक और कॉम्पैक्ट अपने पास रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर टचअप किया जा सके। **मेकअप टिप:** आंखों पर गोल्डन शिमर या स्मोकी लुक है, तो लिप्स को हल्का रखें। डार्क लिपस्टिक लगाएं, तो आई मेकअप सॉफ्ट रखें।

• **स्मोकी आइज के साथ सॉफ्ट लिप्स:** स्मोकी आई मेकअप हमेशा से पार्टी लुक का हिस्सा रहा है, लेकिन इस बार इसका सॉफ्ट और ब्लेंडेड अंदाज ज्यादा पसंद किया जा रहा है। ब्राउन, चॉकलेट और ऑन्ज शेड्स से आंखों को डेप्थ दें। न्यूड, रोज ब्राउन या लाइट पिंक लिपस्टिक लगाएं।

• **ब्लश से रोजी लुक:** ब्लश से चेहरे को फ्रेश और रोजी लुक दें। रोज पिंक, पीच और सॉफ्ट बेरी अच्छे विकल्प हैं। क्रीम या लिक्विड ब्लश को गालों पर हल्के हाथों से ब्लेंड करें। इसको आई शैडो व लिप्स पर भी लगा सकते हैं।

• **बोल्ड रेड और बेरी लिप:** क्लासिक रेड, वाइन, बेरी और डीप रोज दिवाली के लिए अच्छे रहेंगे। इनके साथ आंखों का मेकअप हल्का रखें और चेहरे पर सॉफ्ट ग्लो बनाए रखें। यह साधारण आउटफिट को पार्टी लुक दे सकते है।

मेन्स फैशन में डिजाइन और स्टाइल के साथ कई प्रयोग होंगे

पी धनेष | चंडीगढ़ dhaneshpurohit731@gmail.com | दिवाली पर पुरुष भी अपने पारंपरिक कपड़ों में नए रंग, डिजाइन और स्टाइल के साथ प्रयोग कर सकते हैं। इस बार कुर्ते के साथ अलग जैकेट पहनने से लेकर ओवरसाइज्ड कपड़े, टेक्सचर्ड फैब्रिक और स्टाइलिश फुटवियर तक, कई विकल्प हैं।

• **सिल्क और टेक्सचर्ड फैब्रिक चुनें:** कपड़ों का फैब्रिक पूरा लुक बदल सकता है। सिल्क, कॉटन-सिल्क, जेक्वार्ड और टेक्सचर्ड फैब्रिक के कुर्ते चुनें। इनकी खासियत है कि ये बिना ज्यादा कढ़ाई के आकर्षक दिखते हैं। शाम की पार्टी या पारिवारिक समारोह के लिए ऐसे आउटफिट अच्छे रहेंगे।

• **कुर्ते पर छोटी जैकेट:** इस बार एक ही रंग के कुर्ते और जैकेट के बजाय कॉन्ट्रास्ट का प्रयोग करें। जैसे आइवरी कुर्ते के साथ मरून, डार्क ग्रीन या चॉकलेट ब्राउन जैकेट। बारीक कढ़ाई, टेक्सचर्ड फैब्रिक और अलग बटन वाली जैकेट चुनें।

• **कपड़ों के नए रंग चुनें:** इस बार बटर येलो, सेज ग्रीन, कोबाल्ट ब्लू और टील जैसे रंग चुनें। ये पारंपरिक कपड़ों को भी फ्रेश लुक देते हैं। चमकीले रंग पहनना पसंद नहीं है, तो पेस्टल शेड्स चुनें और उन्हें न्यूट्रल रंग की पैंट के साथ स्टाइल करें।



• **फुटवियर बने स्टाइल का हिस्सा:** कुर्ते के साथ कोल्हापुरी चप्पल, लेदर सैंडल या पारंपरिक मोजड़ी चुनें। आउटफिट सादा है, तो हल्की कढ़ाई या टेक्सचर वाली मोजड़ी पहनें। हैवी एम्ब्रॉयडरी वाले कपड़ों के साथ सिंपल फुटवियर पहनें।



नवंबर में आएगा नया लग्जरी ब्रांड 'डेंजा', 'इनोवा' को मिलेगा अपडेट

क्षितिज राज | नई दिल्ली kshitiz.raj@rediffmail.com

नवंबर में बीवाईडी का लग्जरी ब्रांड 'डेंजा' अपनी दमदार इलेक्ट्रिक कार 'जेड9 जीटी' पेश करेगा, वहीं 'टोयोटा' अपनी लोकप्रिय 'इनोवा हाइक्रॉस' का नया रूप ला सकती है। डेंजा एक शूटिंग ब्रेक कार ला रही है यानी इसमें आगे से स्पोर्ट्स कार जैसा लुक और पीछे की तरफ ज्यादा जगह देने वाला डिजाइन मिलता है।



बीवाईडी भारत में अपने लग्जरी ब्रांड 'डेंजा' की शुरुआत 'जेड9 जीटी' के साथ करेगी। भारतीय बाजार में फिलहाल इस सेगमेंट की दूसरी कार मौजूद नहीं है, इसलिए जेड9 जीटी की एंट्री खास रहेगी। इसमें 122.5 किलोवॉट-घंटे की बैटरी दी गई है, जो एक बार चार्ज करने पर 600 किमी तक की रेंज दे सकती है। तीन इलेक्ट्रिक मोटर मिलकर 1,156 एचपी और 1,210 एनएम टॉर्क देती हैं। दावा है कि यह कार महज 2.7 सेकंड में 0 से 100 किमी की रफ्तार पकड़ सकती है। यह 1,500 किलोवॉट तक की डीसी चार्जिंग सपोर्ट करती है।

टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस को लॉन्च हुए करीब चार साल हो चुके हैं। अब नवंबर में इसका फेसलिफ्ट आएगा। संभव है कि यह भारत की पहली फ्लेक्स-फ्यूल स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड कार बने। हालांकि, इसमें किस तरह के इथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन का इस्तेमाल किया जा सकेगा, यह अभी साफ नहीं है। मौजूदा 2.0 लीटर, चार सिलेंडर वाले पेट्रोल स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन को बरकरार रखा जा सकता है। इसमें इंजन को फ्लेक्स-फ्यूल के अनुकूल बनाया जाएगा। तय नहीं है कि बिना हाइब्रिड वाले इंजन के विकल्पों में भी यह सुविधा मिलेगी या नहीं।

चेहरे जिनके जिक्र के बिना दुनिया अधूरी

"लोगों के बारे में कम और विचारों के बारे में ज्यादा जिज्ञासु होना चाहिए।" - मैरी क्यूरी

मैरी क्यूरी,जिन्होंने रेडियम की खोज से कैंसर के इलाज की नई राह खोली

मैरी क्यूरी

मैरी क्यूरी एक महान वैज्ञानिक थीं, जिन्होंने रेडियम और पोलोनियम जैसे तत्वों की खोज की। विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पाने वाली पहली महिला थीं, दो अलग विषयों में नोबेल जीतने वाली पहली व्यक्ति थीं।

शिक्षा-

मैरी क्यूरी का जन्म पोलैंड की राजधानी वारसॉ में हुआ था। बचपन से ही उनकी रुचि पढ़ाई और विज्ञान में थी। उस समय पोलैंड में महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा के अवसर सीमित थे, इसलिए 1891 में वह पढ़ाई के लिए फ्रांस के पेरिस चली गईं। वहां उन्होंने सोरबोन विश्वविद्यालय से भौतिकी और गणित की पढ़ाई की।

योगदान-

मैरी ने रेडियोएक्टिविटी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध किया। पति पियरे क्यूरी के साथ पोलोनियम और रेडियम की खोज की। उनके शोध से कैंसर के इलाज में रेडिएशन के इस्तेमाल का रास्ता खुला। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने घायल सैनिकों के इलाज के लिए मोबाइल एक्स-रे मशीनों की व्यवस्था में अहम भूमिका निभाई।



रेडियोएक्टिविटी को समझने की जिज्ञासा

मैरी क्यूरी की रुचि बचपन से ही विज्ञान में थी। पेरिस से पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने शोध कार्य शुरू किया। वर्ष 1896 में वैज्ञानिक हेनरी बेकरेल ने यूरेनियम से अपने आप निकलने वाले विकिरण की खोज की थी। इस खोज से मैरी प्रभावित हुईं और उन्होंने इन किरणों पर अध्ययन करने का फैसला किया। यह समझने की कोशिश की कि कुछ पदार्थों से अपने आप विकिरण क्यों निकलता है।



पियरे और मैरी क्यूरी प्रयोगशाला में, 1904 में

26 जुलाई 1895
में वैज्ञानिक पियरे क्यूरी से विवाह किया।

20 मई 1921
में अमेरिका में शोध के लिए एक ग्राम रेडियम भेंट किया गया।

1922
में लीग ऑफ नेशंस के बौद्धिक सहयोग आयोग का सदस्य बनाया गया।

कठिन परिस्थितियों में खोजे दो नए तत्व

मैरी ने अपने पति के साथ मिलकर पिचब्लेंड नाम के खनिज पर लंबे समय तक प्रयोग किए। जुलाई 1898 में पोलोनियम की खोज की, जिसका नाम मैरी के देश 'पोलैंड' के नाम पर रखा गया। दिसंबर 1898 में रेडियम की खोज की। दोनों ने बेहद कठिन परिस्थितियों में काम किया। उनकी प्रयोगशाला बेहद साधारण थी। उन्हें बड़ी मात्रा में खनिज को खुद संसाधित करना पड़ता था।

नोबेल पुरस्कार पाने वाली पहली महिला

मैरी के शोध को जल्द ही अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। 1903 में उन्हें उनके पति पियरे क्यूरी और वैज्ञानिक हेनरी बेकरेल के साथ भौतिकी का नोबेल पुरस्कार दिया गया। यह पुरस्कार रेडियोएक्टिविटी से जुड़े उनके महत्वपूर्ण शोध के लिए मिला था। मैरी नोबेल पुरस्कार पाने वाली पहली महिला बनीं। यह उपलब्धि ऐसे समय में मिली, जब विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं को बहुत कम अवसर दिए जाते थे।

पति की मृत्यु के बाद भी नहीं छोड़ा शोध कार्य

1906 में सड़क दुर्घटना में पियरे क्यूरी की मृत्यु हो गई। इस सदमे के बावजूद मैरी ने अपना शोध जारी रखा और पेरिस के सोरबोन विश्वविद्यालय में जनरल फिजिक्स की प्रोफेसर बनीं। इस पद पर पहुंचने वाली वह पहली महिला थीं। रेडियम पर शोध के लिए वर्ष 1911 में उन्हें रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार मिला। वह दो अलग विषय में नोबेल पुरस्कार जीतने वाली पहली व्यक्ति बनीं।

युद्ध के मैदान तक एक्स-रे सुविधा पहुंचाई

मैरी ने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान महसूस किया कि घायल सैनिकों के शरीर में गोलियों, छर्रों और हड्डियों की चोट का पता लगाने के लिए एक्स-रे तकनीक उपयोगी हो सकती है। उन्होंने छोटी, चलती-फिरती एक्स-रे इकाइयां तैयार करवाईं, जिन्हें गाड़ियों में लगाया गया। इन गाड़ियों को 'लिटिल क्यूरी' कहा जाता था। बेटी आइरिन के साथ मिलकर घायल सैनिकों की जांच में भी पूरी मदद की।

आईओए एथलीट्स कमीशन का गठन



पीवी सिंधू बनीं अध्यक्ष हरमनप्रीत होंगे उपाध्यक्ष मीराबाई-साजन भी चुने गए

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के एथलीट्स कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह को कमीशन का उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा, स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू और तैराक साजन प्रकाश को आईओए की जनरल बॉडी में एथलीट प्रतिनिधि चुना गया है।

रिटर्निंग ऑफिसर संजय के. श्रीवास्तव ने चारों खिलाड़ियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए सिंधू और हरमनप्रीत ही एकमात्र उम्मीदवार थे। इसी तरह, जनरल बॉडी में एथलीट प्रतिनिधियों की दो सीटों के लिए मीराबाई चानू और साजन प्रकाश ने ही नामांकन दाखिल किया था। इस तरह इन चारों पदों के लिए शनिवार को प्रस्तावित चुनाव कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

जायसवाल का लगातार दूसरी पारी में शतक

इंडिया-ए ने न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ पहले दिन 2 विकेट पर 227 रन बनाए; सुदर्शन 77 रन बनाकर नाबाद

न्यूजीलैंड के लिंकन में भारत-ए और न्यूजीलैंड-ए के बीच खेले जा रहे तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट के पहले दिन यशस्वी जायसवाल ने शतक लगाया। उन्होंने 138 गेंदों पर 102 रन की पारी खेली। यह इस सीरीज में उनकी लगातार दूसरी सेंचुरी है। उनकी पारी की मदद से भारत, ने शनिवार को पहले दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट पर 227 रन बना लिए।

साई सुदर्शन 77 रन बनाकर नाबाद हैं। उन्होंने जायसवाल के साथ पहले विकेट के लिए 175 रन की साझेदारी की। देवदत्त पडिक्क ल 15 रन बनाकर आउट हुए, जबकि ध्रुव जुरेल नाबाद लौटे। बारिश के कारण दिन का खेल निर्धारित समय से पहले खत्म करना पड़ा।

जायसवाल ने 127 गेंदों पर पूरी की सेंचुरी

यशस्वी जायसवाल ने न्यूजीलैंड, के गेंदबाजों के खिलाफ आ ामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 127 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने चौके-छक्के लगाकर रन गति बनाए रखी। जायसवाल ने पिछली पारी में भी 155 रन की नाबाद पारी खेली थी। लगातार दो पारियों में शतक लगाकर उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले अपनी फॉर्म दिखाई है।

पिछले मैच में नाबाद 155 रन बनाए थे



जायसवाल ने न्यूजीलैंड, के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद 155 रन बनाए थे। यह मुकाबला ाइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला गया था। अब तीसरे टेस्ट की पहली पारी में शतक लगाकर उन्होंने लगातार दूसरी सेंचुरी पूरी की।

पहले टेस्ट में नहीं चला था बल्ला

न्यूजीलैंड, के खिलाफ पहले अनऑफिशियल टेस्ट में जायसवाल ने 17 और 5 रन बनाए थे। दूसरे टेस्ट की पहली पारी में भी वे खाता नहीं खोल सके थे। इसके बाद उन्होंने दूसरी पारी में नाबाद 155 रन बनाकर वापसी की और अब लगातार दूसरे मैच में शतक लगाया है।

न्यूजीलैंड दौरे पर पहली बार भारत, के लिए खेल रहे हैं

जायसवाल पहली बार भारतीय खिलाड़ी के तौर पर न्यूजीलैंड दौरे पर आए हैं। इस दौरे पर लगातार दो शतक लगाने से उन्होंने अपनी फॉर्म दिखाई है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट 19 नवंबर से वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेला जाना है।

न्यूजीलैंड-ए ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी

तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट में न्यूजीलैंड, ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम की ओपनिंग जोड़ी ने इस फैसले को चुनौती देते हुए रन बनाने जारी रखे। जायसवाल ने शतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वहीं, भारतीय टीम एक विकेट के नुकसान 180 से ज्यादा रन बना चुकी है।

सौरव गांगुली और महेंद्र सिंह धोनी को बताया अपना पसंदीदा कप्तान

सूर्यवंशी को बड़ी जिम्मेदारी देना जल्दबाजी! कप्तानी पर सचिन तेंदुलकर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली., एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में अपनी प्रतिभा से कम उम्र में खास पहचान बनाने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं। इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार बल्लेबाजी और अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में शतक जड़कर उन्होंने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। महज 15 साल की उम्र में वैभव ने कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनके लिए खिलाड़ियों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। हालांकि, इतनी कम उम्र में उन्हें दलीप ट्रॉफी के लिए पूर्वी क्षेत्र का उपकप्तान बनाए जाने पर महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अपनी अलग राय रखी है। उनका मानना है कि वैभव को अभी बड़ी जिम्मेदारियों के बजाय लाल गेंद से खेले जाने वाले क्रिकेट में अनुभव हासिल करने पर ध्यान देना चाहिए।

सचिन तेंदुलकर ने रेडिट पर आयोजित सवाल-जवाब सत्र में वैभव सूर्यवंशी की नियुक्ति को लेकर अपनी बात रखी। उनसे पूछा गया था कि क्या 15 साल के खिलाड़ी को दलीप ट्रॉफी जैसी बड़ी प्रतियोगिता में उपकप्तान बनाना सही फैसला है? इस पर सचिन ने कहा कि उनके हिसाब से वैभव को इतनी जल्दी उपकप्तान बनाना जल्दबाजी है। उन्हें पहले लाल गेंद से ज्यादा मुकाबले खेलने का मौका मिलना चाहिए। इसके बाद धीरे-धीरे उन्हें आगे बढ़ाना चाहिए।



बिहार के लिए सिर्फ आठ मुकाबले, फिर मिली बड़ी जिम्मेदारी

वैभव सूर्यवंशी ने बिहार की ओर से केवल आठ लाल गेंद वाले मुकाबले खेले थे, जब उन्हें पूर्वी क्षेत्र का उपकप्तान नियुक्त किया गया। इतनी कम उम्र में इस जिम्मेदारी ने क्रिकेट जगत में चर्चा शुरू कर दी थी। हालांकि, पूर्वी क्षेत्र की चयन समिति ने इस फैसले का बचाव किया था। चयन समिति के मुताबिक, वैभव को उपकप्तान बनाने का उद्देश्य उनके क्रिकेट करियर के विकास में मदद करना था। इस फैसले को टीम में वरिष्ठता या खिलाड़ियों की प्रतिभागिता से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। वैभव को मैदान पर कप्तानी करने का मौका भी मिला। कप्तान ईशान किशन के रोटेट होने के बाद उन्होंने कुछ समय के लिए टीम की अगुवाई की। इस दौरान उन्होंने निर्णय समीक्षा प्रणाली यानी डीआरएस जैसे महत्वपूर्ण फैसलों में भी भूमिका निभाई। उनके फैसलों से जुड़े वीडियो सामाजिक माध्यमों पर खूब चर्चा में रहे। इससे यह भी साफ हुआ कि इतनी कम उम्र में वैभव को मैदान पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने का अवसर मिल रहा है।

हाइयूथ ओलंपिकलो ओपन

दैसिंघु ने जीता 200 मीटर फीस्टाइल में कांस्य, दो पदक जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारत की युवा तैराक धिनिधि देसिंघु ने यूथ ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक और कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। उन्होंने लड़कियों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही 16 वर्षीय धिनिधि ने इस प्रतियोगिता में अपना दूसरा पदक हासिल किया। इससे पहले धिनिधि ने लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था। इस तरह उन्होंने यूथ ओलंपिक में दो व्यक्तिगत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह इस वैश्विक युवा खेल आयोजन में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में एक से अधिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। धिनिधि ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में 2 मिनट 2.28 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की एम चांग ने 1 मिनट 59.59 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि क्रोएशिया की एना बोबानोविच ने 2 मिनट 1.17 सेकंड का समय लेकर रजत पदक अपने नाम किया।



सहवाग के बेटे आर्यवीर का मैदान पर तूफान!

52 गेंदों में ठोके 70 रन, अंडर-19 एशिया कप में भारत ने नेपाल को 10 विकेट से दी शिकस्त

अल अमीरात।, एजेंसी

अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम ने अपने अभियान की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की है। भारत ने अपने पहले मुकाबले में नेपाल को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के सबसे बड़े हीरो पूर्व भारतीय विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग रहे। उन्होंने चौके-छक्कों की बरसात करते हुए महज 52 गेंदों में नाबाद 70 रन ठोक दिए।

आर्यवीर और लक्ष्य ने गेंदबाजों की उड़ाई धज्जियां-

नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.3 ओवर में 128 रन बनाए। जवाब में भारतीय बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। आर्यवीर सहवाग ने अपनी 52 गेंदों की पारी में सात चौके और चार छक्के लगाए। उनका बेहतरीन साथ कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने दिया। लक्ष्य ने 63 गेंदों में सात चौकों की मदद से नाबाद 53 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने 19.1 ओवर में ही भारत को बिना कोई विकेट गंवाए जीत दिला दी।

इससे पहले भारतीय कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जो सही साबित हुआ। ईशान सूद ने नेपाल के शुरुआती बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर दबाव बना दिया। उन्होंने प्रसिद्ध जैशी, सूर्यांशु कोइराला और निअल छेत्री को आउट किया। इसके बाद नीरज यादव को मनल चौहान ने 20 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन भेजा। आशीष खुल्लर और दर्श सोनार ने पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन यशवीर गौड़ ने आशीष को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया।



ख्वाजा बोले- बॉल टेम्परिंग की जानकारी पूरी टीम को थी

सिर्फ स्मिथ-वॉर्नर-बैनक्रॉफ्ट की गलती नहीं थी, दूसरे टेस्ट में भी सैंडपेपर का इस्तेमाल हुआ

□ एजेंसी शारजाह

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर उस्मान ख्वाजा ने 2018 के सैंडपेपर कांड को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उनका दावा है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी।

ख्वाजा ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को दिए इंटरव्यू में कहा- 'इसमें बल्लेबाज, गेंदबाज और सपोर्ट स्टाफ सभी शामिल थे।' उन्होंने यह भी कहा कि पोर्ट एलिजाबेथ टेस्ट में भी सैंडपेपर का इस्तेमाल किया गया था।

2018 में आरोप लगने के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने जांच की थी। तब टीम के बाकी खिलाड़ियों ने इसमें शामिल होने से इंकार कर दिया था। इस मामले में स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को निलंबित किया गया।

क्या था 2018 का बॉल टैम्परिंग या सैंडपेपर कांड?

फरवरी-मार्च 2018 में ऑस्ट्रेलियाई टीम 4 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका के दौरे पर थी।

केपटाउन में तीसरे टेस्ट मैच के दौरान बैनक्रॉफ्ट गेंद पर सैंडपेपर रगड़ते हुए पकड़े गए। वे सैंडपेपर का टुकड़ा अपनी पैंट में छिपाने की कोशिश कर रहे थे।

इसके बाद तब के कप्तान स्टीव स्मिथ ने स्वीकार किया था कि टीम के लीडरशिप ग्रुप ने गेंद से छेड़छाड़ की योजना बनाई थी।





उस्मान ख्वाजा

इस मामले में कप्तान स्मिथ और उपकप्तान डेविड वॉर्नर पर 12-12 महीने का बैन लगा था। बैनक्रॉफ्ट को 9 महीने के लिए निलंबित किया गया था।

स्मिथ पर अतिरिक्त 12 महीने तक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में नेतृत्व की जिम्मेदारी लेने पर भी रोक लगाई गई थी।

वॉर्नर पर कप्तानी का आजीवन प्रतिबंध लगा था, जिसे 2024 में हटा दिया गया।

ख्वाजा ने कहा- सबको मिलकर जिम्मेदारी लेनी चाहिए

ख्वाजा जल्द रिलीज होने वाली अपनी आत्मकथा सब्र में भी इस विवाद पर विस्तार से लिख रहे हैं। उनका कहना है कि वे लंबे समय से चाहते थे कि इस मामले की पूरी सच्चाई सामने आए। उन्होंने कहा कि ड्रेसिंग रूम में भी उन्होंने खिलाड़ियों से इसे पूरी टीम की जिम्मेदारी लेने को कहा था। उनके मुताबिक, उन्होंने कहा था कि यह टीम ने किया है और सभी को मिलकर इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

2021 में गेंदबाजों ने आरोप नकारे थे

ख्वाजा का ताजा बयान ऑस्ट्रेलिया के चार प्रमुख गेंदबाजों के पुराने बयान से अलग है। 2021 में मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन ने संयुक्त बयान जारी कर गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी होने के आरोपों को नकार दिया था।

ख्वाजा ने कहा कि वे चाहते थे कि टीम के सभी खिलाड़ी इस मामले की जिम्मेदारी लें। उन्हें उम्मीद थी कि आठ साल के भीतर कोई दूसरा खिलाड़ी खुद सामने आकर सच्चाई बताएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ख्वाजा से पूछताछ नहीं की

इस विवाद के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने जांच की थी। ख्वाजा ने दावा किया कि जांच के दौरान बोर्ड ने उनसे कभी पूछताछ नहीं की, जबकि वे पूरे टेस्ट में बैनक्रॉफ्ट के पास बैठे थे।

उन्होंने कहा- %मैं कैमरन बैनक्रॉफ्ट के बगल में बैठा था। इसके बावजूद मेरा इंटरव्यू नहीं लिया गया। मैं फोन आने का इंतजार कर रहा था, लेकिन फोन कभी नहीं आया। इसके बाद सजा सुना दी गई। मुझे इस बात पर भरोसा नहीं हुआ।

ख्वाजा ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि बोर्ड को पता था कि वे पूरी टीम की जिम्मेदारी लेने की बात करेंगे और सच बताने के लिए तैयार थे।

ख्वाजा बोले- कमिंस को किताब के बारे में पहले बताया

ख्वाजा ने हाल ही में साउथ अफ्रीका दौरे से पहले मौजूदा टेस्ट कप्तान पैट कमिंस से भी इस किताब के बारे में बात की थी। उन्होंने कमिंस को बताया था कि वे अपनी आत्मकथा में बॉल टेंपरिंग विवाद पर खुलकर लिखने वाले हैं।

ख्वाजा ने माना कि उनके खुलासे से कुछ खिलाड़ियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, लेकिन उनका मानना है कि अब इस मामले की सच्चाई सामने आनी चाहिए। उन्होंने स्मिथ, वॉर्नर और बैनक्रॉफ्ट का समर्थन करते हुए कहा कि तीनों को इस विवाद के बाद लंबे समय तक इसके परिणाम भुगतने पड़े हैं।

ख्वाजा ने इस साल की शुरुआत में एशेज सीरीज के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। अब उनकी आत्मकथा के रिलीज होने से 2018 के बॉल टेंपरिंग विवाद पर एक बार फिर चर्चा तेज होने की उम्मीद है।

मोहम्मद शमी का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास

□ एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करके इसकी जानकारी दी।

खास बात यह है कि 13 साल पहले 6 नवंबर को उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था और इसी दिन टेस्ट छोड़ा। उन्होंने 64 मैच में 229 विकेट लिए। हालांकि, वे वनडे और टी-20 क्रिकेट खेलते रहेंगे। 36 साल के शमी ने लिखा, आज भारी मन और अनगिनत खूबसूरत यादों के साथ टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला कर रहा हूं। पहली बार भारत की टेस्ट जर्सी पहनी थी, तब सिर्फ एक सपना था- देश के लिए कुछ कर दिखाना। हर विकेट, संघर्ष, चोट और वापसी ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया।

बोले- सफेद जर्सी छोड़ रहा हूं, क्रिकेट नहीं

शमी ने साफ किया कि वे ढाका और घरेलू क्रिकेट सहित व्हाइट बॉल फॉर्मेट खेलते रहेंगे। जरूरत पड़ने पर फिटनेस बनाए रखने के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट के चार दिवसीय मैच भी खेल सकते हैं, लेकिन भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलेंगे।

उन्होंने कहा, टेस्ट क्रिकेट मेरे लिए सिर्फ एक फॉर्मेट नहीं, मेरी जिंदगी का बेहद खास हिस्सा रहा है। मैदान पर मेरी आखिरी टेस्ट गेंद भले ही फेंकी जा चुकी है, लेकिन भारत के लिए खेलने का गर्व हमेशा मेरे दिल में रहेगा।

13 साल में 64 मैच खेले, 229 विकेट लिए; वनडे और टी-20 खेलते रहेंगे



शमी ने डेब्यू मैच में 9 विकेट लिए थे

शमी ने 6 नवंबर 2013 को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट खेला था। डेब्यू मैच में ही उन्होंने कुल 9 विकेट लिए। वे 6 बार एक पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट लेने में सफल रहे। एक पारी में उनका बेस्ट प्रदर्शन 56 रन देकर 6 विकेट रहा। कुल टेस्ट विकेटों के मामले में वे भारत के गेंदबाजों में 12वें और तेज गेंदबाजों में छठे स्थान पर रहे।

वर्ल्ड कप के बाद चोटों से जूझे, टीम में वापसी नहीं हुई

2023 वनडे वर्ल्ड कप में शमी भारत के सबसे सफल गेंदबाजों में रहे थे। इसके बाद टखने की चोट के कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। घुटने की परेशानी ने भी वापसी में समय लिया। जनवरी 2025 में उन्होंने टी-20 क्रिकेट से अंतरराष्ट्रीय वापसी की और फिर चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में चुने गए। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच रहा।

9 साल की मिशा थेलेसिमिया से ग्रसित होकर हारी जिंदगी की जंग, मौत के बाद नेत्रदान कर बनी किसी की आंखों की रोशनी

सामाजिक संस्थाओं ने सरकार की उदासीनता पर उठाए सवाल

रफ्तार मीडिया संवाददाता



धनबाद : धनबाद की स्वास्थ्य व्यवस्था और थैलेसीमिया जैसे गंभीर रोगों से जूझ रहे बच्चों की दुर्दशा एक बार फिर सुर्खियों में है। जिले में लगभग 300 थैलेसीमिया ग्रसित मरीज हैं, जिनमें ज्यादातर छोटे बच्चे शामिल हैं। इतनी बड़ी संख्या में पीड़ित होने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की ओर से इनके लिए कोई विशेष और पुख्ता व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके चलते मरीजों और उनके परिजनों को अक्सर खून के लिए भटकना पड़ता है। इसी व्यवस्था की उदासीनता के बीच धनबाद से एक बेहद मर्मस्पर्शी और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। थैलेसीमिया से लंबे समय से जंग लड़ रही महज 9 साल की मासूम मिशा आखिरकार जिंदगी की जंग हार गई और इस दुनिया को अलविदा कह गई। हालांकि, उसने इस दुनिया से जाते-जाते भी एक ऐसा काम कर दिया जो समाज के लिए एक बड़ी मिसाल बन गया है। मिशा अब इस दुनिया में नहीं है, लेकिन उसकी आंखें नेत्रदान के जरिए किसी दूसरे शख्स की दुनिया हमेशा के लिए रोशन कर देंगी।

गम के आगोश में मां का बड़ा फैसला: दान की बेटी की आंखें

अपनी लाडली बेटी की मौत के बाद मां सविता देवी के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिवार का आंगन खामोश हो गया और मां की गोद सूनी हो गई। गम की इस असीम घड़ी में समाजसेवी अंकित राजगढ़िया ने मां को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया। इसके बाद मां सविता देवी ने जो कलेजा चीरने वाला फैसला लिया, उसने हर किसी की आंखें नम कर दीं। सविता देवी ने अपनी मृत बेटी की आंखें दान करने की पूरी सहमति दे दी। मां का कहना था कि अब तक लोग मेरी बच्ची को रक्त (ब्लड) देकर उसकी जिंदगी बचाने की कोशिश करते रहे, लेकिन आज मेरी बेटी अपनी आंखें दान कर किसी और की दुनिया को रोशन करेगी। इस तरह मेरी बेटी इस दुनिया में हमेशा अमर रहेगी।

अस्पताल में दी गई गार्ड ऑफ ऑनर जैसी विदाई

मां की सहमति मिलने के बाद अस्पताल के नेत्र विभाग की टीम ने कॉर्निया सुरक्षित रखने की पूरी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस पूरी प्रक्रिया में नेत्र विभाग के एचओडी डॉ. धर्मेंद्र कुमार के साथ-साथ अशोक, मनोज और संदीप की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मिशा के नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पीडियाट्रिक्स विभाग में मौजूद वार्ड बॉय, नर्सों और पैरामेडिकल विद्यार्थियों ने मासूम को नम आंखों से सलामी दी और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूरा अस्पताल परिसर गमगीन हो गया।

समाजिक संस्थाओं ने दी श्रद्धांजलि, स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठाए सवाल

मासूम मिशा के निधन के बाद शहर की सामाजिक संस्थाओं– 'रोटी बैंक' और 'जय धरती माँ संस्था' के सदस्यों ने रणधीर वर्मा चौक पर एकत्र होकर मृतका को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान संस्था के सदस्यों ने राज्य और केंद्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि धनबाद में थैलेसीमिया मरीजों के लिए कोई विशेष ट्रीटमेंट या केयर यूनिट न होना सरकार और स्वास्थ्य विभाग की गहरी उदासीनता को दशार्ता है। आए दिन मरीजों को ब्लड के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। संस्था के सदस्यों (रवि निषाद और मोहम्मद इसराउल हक आदि) ने मांग की है कि सरकार जल्द से जल्द थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करे, ताकि किसी अन्य मां को अपनी गोद इस तरह सूनी न करनी पड़े।

समाचार सार

अग्रसेन पब्लिक स्कूल तारातांड़ में धूमधाम से मनी दिवाली, बच्चों ने रंगोली की आकर्षक प्रस्तुतियों से मोहा मन



गिरिडीह (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : अग्रसेन पब्लिक स्कूल, तारातांड़ में दीपावली के पावन अवसर पर बच्चों के बीच उत्साह और उमंग के साथ दिवाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बच्चों द्वारा बनाई गई रंग-बिरंगी एवं आकर्षक रंगोलियां रहीं। विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों और कलात्मक डिजाइनों के माध्यम से अपनी कल्पनाशीलता और सृजनात्मक कौशल का परिचय दिया। रंगोली की अलग-अलग प्रस्तुतियों ने विद्यालय परिसर को आकर्षक रूप प्रदान किया। बच्चों ने दीपावली के पारंपरिक महत्व, खुशियों और आपसी प्रेम एवं सद्भाव का संदेश भी दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक डी.एन. प्रमाणिक, वाइस प्रिंसिपल रूपांतरण सिन्हा, शिक्षक दिलीप सिन्हा, स्मृति अग्रवाल, अर्पिता अग्रवाल, सुनीता देवी, रवि कुमार सहित विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के निदेशक अनिल अग्रवाल ने सभी बच्चों एवं शिक्षकों को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों के भीतर छिपी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने का भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

निशा भगत मौत मामले में रणधीर सिंह ने हेमंत सरकार को घेरा, ईडी-सीबीआई जांच की मांग



जामताड़ा (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सह पूर्व मंत्री रणधीर कुमार सिंह ने निशा भगत की मौत के मामले को लेकर झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में अवैध कोयला, बालू और पत्थर माफिया सरकार चला रहे हैं तथा प्रशासनिक पदाधिकारी इन गतिविधियों की देखरेख कर रहे हैं। रणधीर सिंह ने कहा कि निशा भगत आयरन लेडी थीं और अवैध कारोबार सहित जनहित से जुड़े जमीनी मुद्दों को लगातार उठाती थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक दबाव के कारण उन्हें प्रताड़ना झेलनी पड़ी और अंततः वह आत्महत्या करने को मजबूर हुईं। उन्होंने इस घटना की निंदा करते हुए मामले की जांच ईडी और सीबीआई से कराने की मांग की। उन्होंने आगे कहा कि झामुमो, कांग्रेस और राजद की झूठ की बुनियाद पर खड़ी सरकार में जमीनी मुद्दे और खनिज संपदा की लूट के खिलाफ आवाज उठाने वालों को निशाना बनाया जा रहा है। आरोप लगाया कि ऐसे लोगों का फर्जी एनकाउंटर किया जा रहा है या फिर प्रशासनिक दबाव के कारण बहन निशा भगत की तरह आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं।भाजपा नेता ने संथाल परगना के सूर्या हांसदा एनकाउंटर मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि सूर्या हांसदा लगातार खनिज संपदा की लूट का मुद्दा उठा रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि फर्जी एनकाउंटर के जरिए उनकी आवाज को दबा दिया गया। अंत में रणधीर सिंह ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए भाजपा आने वाले दिनों में लगातार आंदोलन करती रहेगी।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय चित्तरंजन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भारत स्काउट एवं गाइड स्थापना दिवस

मिहिजाम (रफ्तार मीडिया संवाददाता): पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय चित्तरंजन में 7 नवंबर को भारत स्काउट एवं गाइड स्थापना दिवस का आयोजन बेहद हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की प्राचार्य टेक धारनी द्वारा भारत स्काउट एवं गाइड के प्रणेता बीडेन पावेल एवं लेडी पावेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। इस विशेष अवसर पर विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा भावना, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे गुणों को विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकतापरक और रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके पश्चात स्काउट एवं गाइड ध्वज के सम्मान और स्काउट-गाइड प्रतिज्ञा के साथ कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने स्काउट एवं गाइड आंदोलन के आदर्शों, सिद्धांतों और राष्ट्र के प्रति योगदान पर प्रकाश डाला। प्राचार्य ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि स्काउट एवं गाइड केवल एक गतिविधि नहीं बल्कि जीवन जीने की एक आदर्श पद्धति है, जो बच्चों को एक जिम्मेदार नागरिक बनाती है। स्काउट एवं गाइड प्रभारी अमित कुमार सेन सहित सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता से यह कार्यक्रम उत्साह और सेवा भावना के संदेश के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जहां अंत में सभी ने समाज एवं राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया।

जैनामोड़ के गोदाम में लगी भीषण आग, अवैध डीजल-पेट्रोल भंडारण की आशंका



बोकारो : बोकारो जिले के जरीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत जैनामोड़ स्थित एक गोदाम में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि गोदाम में अवैध रूप से डीजल एवं पेट्रोल का भंडारण किया गया था। हालांकि, गोदाम का मालिक कौन है, इसका पता अभी तक नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों की सूझबूझ और तत्परता से एक बड़ी घटना टल गई। वहीं, सूचना मिलने पर जरीडीह थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस गोदाम के मालिक की पहचान करने के साथ-साथ वहां रखे ज्वलनशील पदार्थों के भंडारण से जुड़े पहलुओं की भी जांच कर रही है। इस घटना ने इलाके में अवैध पेट्रोल-डीजल भंडारण को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

अंधकार पर प्रकाश की जीत का त्योहार है दीपावली : डॉ विजय कुमार

रफ्तार मीडिया संवाददाता



जामताड़ा : जामताड़ा सावित्री देवी डीएवी पब्लिक स्कूल परिसर में शनिवार को पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों के तहत दीपावली के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कला, रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत दीपक रंगने, ग्रीटिंग कार्ड निर्माण और दीया निर्माण जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। दीपक रंगने की प्रतियोगिता के एलजी वर्ग में रणवीर हिला ने प्रथम, राजश्री उपाध्याय एवं आद्या झा ने द्वितीय तथा भुवेश बाउरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं यूकेजी वर्ग में सना फरहीन प्रथम, आदित्या कुमारी द्वितीय तथा रमीज अंसारी एवं लक्ष्मी कुमारी तृतीय स्थान पर रहे। ग्रीटिंग कार्ड निर्माण प्रतियोगिता की पहली कक्षा में तीशा सान्वि टुडू प्रथम, नितारा मुर्मू द्वितीय तथा अदिति रॉय एवं अभिनंदन कुमार तृतीय स्थान पर रहे। दूसरी कक्षा में इरशाद अंसारी ने प्रथम, प्रिंस कुमारी ने द्वितीय और प्रियांशी कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दीया निर्माण प्रतियोगिता में तीसरी कक्षा से पीयूष राज प्रथम, रियांश सिंह द्वितीय एवं आदित्य रॉय तृतीय रहे। चौथी कक्षा में शिवांग वैभव प्रथम, शौर्य राज सिंह चौहान द्वितीय तथा रितवन राज तृतीय स्थान पर रहे। पांचवीं कक्षा में श्रेष्ठा राज प्रथम, अंशिका राज द्वितीय और सिंपल कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ. विजय कुमार ने कहा कि बच्चों में कला के प्रति रुचि होनी चाहिए। इस तरह की प्रतियोगिताएं उनकी रचनात्मक प्रतिभा और कलात्मक समझ को निखारने का अवसर प्रदान करती हैं। दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला त्योहार है। इसे सादगी और उत्साह के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मौके पर प्रभारी शिक्षक एसके दास, सीसीए प्रभारी प्रदीप्तो दास तथा निर्णायक मंडली की सदस्य मिठू कुमारी, सुपर्णा राय, मधुलिका मंडल, शांता पाल, अंजू कुमारी एवं ज्योति दास सहित अन्य छात्र एवं कर्मी उपस्थित थे।

निजी क्लीनिक में इलाज के दौरान छह माह के बच्चे की मौत, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप



रफ्तार मीडिया संवाददाता

बोकारो : बोकारो के को-ऑपरेटिव कॉलोनी जगदंबा मेडिकल स्थित डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह के क्लीनिक में इलाज के दौरान करीब छह माह के एक मासूम बच्चे की मौत हो गई। बच्चा चंदनकियारी का रहने वाला था। घटना के बाद परिजनों ने क्लीनिक में जमकर हंगामा किया और चिकित्सक पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। हंगामे के दौरान क्लीनिक के नर्स, कंपाउंडर और चिकित्सक के मौके से चले जाने की बात भी सामने आई। सूचना मिलने पर बीएस सिटी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों व चिकित्सक से पूछताछ की। बच्चे के पिता विकास दास के अनुसार, उनका बच्चा शुरू से ही डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह के यहां इलाज करा रहा था। शनिवार को तबीयत बिगड़ने पर उसे क्लीनिक लाया गया, जहां चिकित्सक ने निमोनिया होने की बात कही। इसके बाद दवा देने और भाप दिलाने की सलाह दी गई। परिजनों का आरोप है कि भाप देने के दौरान बच्चे की स्थिति बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसे दूसरे अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई, जहां चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। पिता ने मामले में न्याय की मांग की है। वहीं, चिकित्सक डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह ने लापरवाही के आरोपों से इनकार किया है।

उनका कहना है कि बच्चे की स्थिति पहले से ही गंभीर थी। क्लीनिक पहुंचने पर उन्होंने बच्चे को भर्ती करने की सलाह दी थी। परिजनों की सहमति के बाद दवा दी गई और सांस लेने में परेशानी को देखते हुए नेबुलाइजेशन कराया गया। स्थिति बिगड़ने पर उसे दूसरे अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इधर, बीएस सिटी थाना के सब इंस्पेक्टर नीरज कुमार ने बताया कि पुलिस ने परिजनों और चिकित्सक दोनों से बात की है। परिजन इलाज में लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। यदि परिजनों की ओर से लिखित शिकायत दी जाती है, तो मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बुधुडीह में 100 वर्ष पुराने हटिया मैदान की जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद गहराया, खूनी संघर्ष के बाद ग्रामीणों में आक्रोश

रफ्तार मीडिया संवाददाता



गांडेय : गांडेय अंचल क्षेत्र के अहिल्यापुर थाना अंतर्गत बुधुडीह गांव में खाता संख्या 1, प्लॉट संख्या 21 की जमीन को लेकर विवाद काफी गरमा गया है। ग्रामीणों के अनुसार, उक्त भूखंड पर पिछले करीब 100 वर्षों से अधिक साप्ताहिक हटिया गुरुवार को लगती आ रही है, जिसे स्थानीय स्तर पर 'बुधुडीह मैदान' के नाम से जाना जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह गैरमजरुआ जमीन है, जिस पर गांव के ही श्यामा प्रसाद वर्मा, रविंद्र वर्मा एवं अन्य लोग फर्जी कागजात तैयार कर अवैध रूप से जोत-आबाद और जबरन घेराबंदी कर रहे हैं। इस जमीन विवाद को लेकर पूर्व में श्याम प्रसाद वर्मा वगैरह और रविन्द्र वर्मा वगैरह दोनों पक्षों के बीच खूनी संघर्ष भी हो चुका है, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे जिनका इलाज चल रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन को आवेदन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि यदि हटिया मैदान को अविलंब अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया गया, तो भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना या विधि-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होने पर इसकी पूरी जवाबदेही प्रशासन की होगी।

मामले पर पक्ष और प्रशासन का बयान

वहीं एक पक्ष श्यामा प्रसाद वर्मा,का कहना है की हमारे पास इस जमीन के सभी वैध कागजात मौजूद हैं। लगाए जा रहे फजीर्वाड़े और जबरन कब्जे के आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं। हम अपनी पूर्वजों द्वारा खरीदगी जमीन पर नियमानुसार कार्य कर रहे हैं। हमारे पास इस जमीन के सभी वैध कागजात मौजूद हैं। लगाए जा रहे फजीर्वाड़े और जबरन कब्जे के आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं। हम अपनी खरीदगी जमीन पर नियमानुसार कार्य कर रहे हैं। वहीं ग्रामीणों का कहना है की की यह जमीन गैरमजरुआ है और करीब एक सदी से यहां पारंपरिक हटिया लगती आ रही है। फर्जी कागजातों के सहारे सार्वजनिक उपयोग की जमीन को हड़पने की कोशिश की जा रही है। खूनी झड़प के बाद भी प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। मैदान को अविलंब खाली कराया जाए। यह जमीन गैरमजरुआ है और करीब एक सदी से यहां पारंपरिक हटिया गुरुवार को लगती आ रही है। फर्जी कागजातों के सहारे सार्वजनिक उपयोग की जमीन को हड़पने की कोशिश की जा रही है। खूनी झड़प के बाद भी प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। मैदान को अविलंब खाली कराया जाए। वहीं सीओ ओम प्रकाश बड़ाइक के कहना है की मामला संज्ञान में आया है। संबंधित खाता और प्लॉट के दस्तावेजों की राजस्व अभिलेखों से जांच कराई जा रही है। किसी को भी कानून हाथ में लेने या विधि-व्यवस्था बिगाड़ने की छूट नहीं दी जाएगी। जांचोपरांत जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार विधिसम्मत सख्त कार्रवाई की जाएगी। बतादे की बर्तमान मे उक्त जमीन पर सामुदायिक विबाह भवन,धान क्रय केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित है।

बोकारो कैंप-2 में लूटपाट के दौरान दंपती पर जानलेवा हमला, दोनों अस्पताल में भर्ती



बोकारो (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : बोकारो के कैंप-2 में देर रात अपराधियों ने लूटपाट के दौरान सुधा डेयरी एवं चाय दुकान के संचालक अनिल गोस्वामी और उनकी पत्नी शांति देवी पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, अपराधियों ने दुकान में लूटपाट की घटना को अंजाम देने के दौरान दंपती के साथ मारपीट की और उन पर जानलेवा हमला किया। घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय स्तर पर मिली सूचना के अनुसार, दोनों को इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। सामाजिक कार्यकर्ता शंकर रजक ने बोकारो पुलिस अधीक्षक से मामले में तत्काल कार्रवाई करने, आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। फिलहाल घटना को लेकर पुलिस की जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी का इंतजार है।

रचनात्मकता व सांस्कृतिक चेतना से संवरेगा विद्यार्थियों का भविष्य : डॉ. चंचल भंडारी

रफ्तार मीडिया संवाददाता





जामताड़ा : दीपावली के उल्लास और भारतीय संस्कृति की विविध परंपराओं को जीवंत करते हुए नगर स्थित सेंट एंथोनी विद्यालय की मुख्य शाखा एवं नई शाखा में शनिवार को विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दीपावली के अवसर पर विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सीसीए गतिविधियों के अंतर्गत कार्ड मेकिंग, दीया डेकोरेशन एवं रंगोली मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वहीं काली पूजा, भाई दूज और छठ पूजा के महत्व को दर्शाते हुए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी कला और कल्पनाशीलता का परिचय दिया। रंग-बिरंगे रंगों और आकर्षक डिजाइनों से सजी रंगोलियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। वहीं विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए सजावटी दीये और आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड उनकी रचनात्मक सोच को प्रदर्शित कर रहे थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गीत, संगीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय त्योहारों की महत्ता को दर्शाया। उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। पूरा विद्यालय परिसर उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर नजर आया। रंगोली मेकिंग प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

इसमें विवेकानंद हाउस ने प्रथम, विद्यासागर हाउस ने द्वितीय तथा मदर टेरेसा और आर्यभट्ट हाउस ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के मुख्य संरक्षक एवं प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. दुगार्दास भंडारी ने दीपावली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश और अज्ञान से ज्ञान की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। वहीं विद्यालय के निदेशक डॉ. चंचल भंडारी ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों में निहित जीवन मूल्यों को आत्मसात करने तथा अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निरंतर निखारने के लिए प्रेरित किया। वही प्राचार्य लारेब खान ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह और उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मौके पर विजन-ई की सचिव अपर्णा भंडारी, उपप्राचार्य उत्पल मंडल, रिंकू घोष, दीनबंधु सिंह, रतना पाल, पायल मंडल, अनीश रंजन, रिया माजी, विशाल साव, रोनित विश्वास सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।